epaper.dehatsandesh.com

3 छात्रों ने प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में दिया अपने ज्ञान का परिचय

5 अश्विन ने बताया धोनी की सफलता का राज, कहा बुनियादी बातों पर टिके रहना उन्हें दूसरों से अलग बनाता है

8 क्रिसमस ट्री 'देवदार': देवदार के पेड़ के फायदे व उपयोग

न्यूनतम 4 मौसम जम्मू अधिकतम 21

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश की ओर से सभी पाठकों व राज्यवासियों को मैरी क्रिसमस

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-21, जम्मू तवी, अंक-308 | जम्मू तवी, बुधवार 25 दिसम्बर, 2024 | मूल्य-3 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

प्रधानमंत्री ने अर्थशास्त्रियों और विशेषज्ञों से केंद्रीय बजट 2025-26 पर किया विचार-विमर्श

नई दिल्ली, 24 दिसंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को नीति आयोग में केंदीय बजट 2025-26 की तैयारी को लेकर प्रख्यात अर्थशास्त्रियों और विचारकों के एक समूह के साथ विचार-विमर्श किया। ये बैठक फ़वैश्विक अनिश्चितता के समय में भारत की विकास गति को बनाए रखनाफ़ विषय पर आयोजित की गई प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक बयान में बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने बैठक के दौरान अपने संबोधन में वक्ताओं को उनके व्यावहारिक विचारों के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मानसिकता में मूलभूत परिवर्तन के माध्यम से विकसित भारत को प्राप्त किया जा सकता है, जिसका ध्यान 2047 तक भारत को विकसित बनाने पर केंद्रित है।

केंदीय बजट की तैयारी के लिए आयोजित इस बैठक में प्रतिभागियों ने कई अहम मुद्दों पर अपने विचार साझा किए। इनमें वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और भू-राजनीतिक तनावों से उत्पन्न चुनौतियों का समाधान, विशेष तौर पर युवाओं के बीच रोजगार बढ़ाने और सभी क्षेत्रों में स्थायी रोजगार के अवसर पैदा करने की रणनीतियां बनाने, रोजगार बाजार की उभरती जरूरतों के साथ-साथ शिक्षा और प्रशिक्षण कार्यक्रमों को संरेखित करने की रणनीतियां, कृषि उत्पादकता को बढ़ाना और स्थायी ग्रामीण रोजगार के अवसर पैदा करना, आर्थिक विकास को बढ़ावा देने और रोजगार पैदा करने के लिए निजी निवेश को आकर्षित करना, बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए सार्वजनिक धन जुटाना, वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देना, निर्यात को बढ़ावा देना और विदेशी निवेश को आकर्षित करना शामिल हैं।

प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में जाने-माने अर्थशास्त्रियों और विश्लेषकों ने भाग लिया, जिसमें केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी, नीति आयोग के मुख्य कार्यपालक अधिकारी बीवीआर सुब्रमण्यम, देश के मुख्य आर्थिक सलाहकार अनंत नागेश्वरन, अर्थशास्त्री डॉ. सुरजीत एस भल्ला, डॉ. अशोक गुलाटी, डॉ. सुदीप्तो मुंडले, धर्मकीर्ति जोशी, जन्मेजय सिन्हा, मदन सबनवीस, प्रो. अमिता बत्रा, रिदम देसाई, प्रो. चेतन घाटे, प्रो. भरत रामास्वामी, डॉ. सौम्य कांति घोष, सिद्धार्थ सान्याल, डॉ. लवीश भंडारी, रजनी सिन्हा, प्रो. केशव दास, डॉ. प्रीतम बनर्जी, राहुल बाजोरिया, निखिल गुप्ता, प्रो. शाश्वत आलोक और डीके जोशी समेत अन्य विशेषज्ञ शामिल हुए।

उल्लेखनीय है कि अगामी केंद्रीय बजटके संदर्भ में आर्थिक विशेषज्ञों के विचार एवं सुझाव जानने के लिए यह बैठक आयोजित की गई थी। दरअसल बजट से पहले हमेशा हर क्षेत्र के विषेषज्ञों की राय ली जाती हैं। केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण एक फरवरी, 2025 को लोकसभा में वित्त वर्ष 2025-26 का बजट पेश करेंगी।

मुख्यमंत्री उमर ने उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की, सर्दियों की प्रतिकूल परिस्थितियों के लिए तैयार रहने के निर्देश

श्रीनगर 24 दिसंबर। कश्मीर संभाग में आवश्यक सेवाओं की सुचारू और निर्बाध आपूर्ति और महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों के संचालन को सुनिश्चित करने हेतु मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने नागरिक सचिवालय, श्रीनगर में एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें कठोर सर्दियों की परिस्थितियों, विशेष रूप से कश्मीर घाटी और जम्मू संभाग के बर्फीले क्षेत्रों में उत्पन्न चुनौतियों से निपटने के लिए विभिन्न विभागों की तैयारियों की समीक्षा की गई।

बैठक में उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी, स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा मंत्री सकीना इत्तू, जल शक्ति और जनजातीय मामलों के मंत्री जावेद अहमद राणा, कृषि और आरडीडी मंत्री जावेद अहमद डार, परिवहन मंत्री सतीश शर्मा और मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर असलम वानी ने वर्चुअल मोड के माध्यम से भाग लिया। मुख्यमंत्री ने सभी विभागों की शीतकालीन तैयारियों की विभागवार समीक्षा की। उन्होंने खराब मौसम की स्थिति के दौरान लोगों की असुविधा को कम करने के लिए एक मजबूत तंत्र की आवश्यकता पर जोर दिया।

मुख्यमंत्री ने जिला स्तर की तैयारियों का आकलन करने के लिए उपायुक्तों के साथ भी बातचीत की और उनसे मौसम संबंधी चुनौतियों के लिए समय पर और प्रभावी प्रतिक्रियाओं को प्राथमिकता देने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने आवश्यक प्रतिष्ठानों के नियमित कामकाज को सुनिश्चित करने के लिए लोगों और मशीनरी को तैयार रखने के महत्व पर जोर दिया।

उन्होंने विभागों को निर्देश दिया कि वे बर्फबारी, जलभराव या बिजली कटौती के कारण होने वाली बाधाओं को दूर करते हुए निर्बाध व्यापार, परिवहन और आवश्यक आपूर्ति को प्राथमिकता दें। बर्फहटाने के बारे में उन्हें बताया गया कि आरएंडबी विभाग, एसएमसी, एमईडी, बीआरओ और एनएचएआई द्वारा पर्याप्त संख्या में हाई-टेक बर्फहटाने वाली मशीनें तैनात की गई हैं, साथ ही भारी बर्फबारी से निपटने के लिए अतिरिक्त मशीनें तैनात हैं।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने संबंधित अधिकारियों को अंतर-जिला राजमार्गों और अस्पतालों, बिजली ग्रिड, जल आपूर्ति प्रणालियों और अग्निशमन और आपातकालीन सेवाओं तक जाने वाली सड़कों सहित प्रमुख मार्गों को साफकरने पर ध्यान केंद्रित करने का निर्देश दिया।

बैठक में बताया गया कि निवासियों की कई महीनों की जरूरतों को पूरा करने के लिए राशन, पेट्रोल, डीजल और एलपीजी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। जिलों में समय पर वितरण सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त प्रावधान किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने सर्दियों से संबंधित शिकायतों को तुरंत निपटाने के लिए सभी जिलों में संयुक्त नियंत्रण कक्ष स्थापित करने का निर्देश दिया।

उन्होंने जनता की असुविधा को कम करने और आवश्यक सेवाओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए त्वरित प्रतिक्रिया प्रणाली के महत्व पर जोर दिया। स्वास्थ्य क्षेत्र की तैयारियों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य विभाग को सभी अस्पतालों में दवाओं, ऑक्सीजन सिलेंडरों और आपातकालीन आपूर्ति का पर्याप्त स्टॉक सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

उन्होंने स्वास्थ्य सुविधाओं में कार्यात्मक केंद्रीय हीटिंग सिस्टम को बनाए रखने और बर्फबारी वाले क्षेत्रों में चिकित्सा कर्मियों की तैनाती सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया।

दूरदराज के क्षेत्रों में गर्भवती महिलाओं को परिवहन सेवा प्रदान करने के निर्देश दिए गए।

सर्दियों के दौरान निर्बाध बिजली आपूर्ति की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने केपीडीसीएल के इंजीनियरों को निर्देश दिया कि वे खास तौर पर आवश्यक प्रतिष्ठानों के लिए बिजली की बहाली को प्राथमिकता दें।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के इस्तीफे की भाजपा की मांग को खारिज किया

जम्मू, 24 दिसंबर। जम्मू और कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रांतीय अध्यक्ष रतन लाल गुप्ता ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के इस्तीफे की भाजपा नेता की मांग का जोरदार खंडन किया है। मंगलवार को जारी एक प्रेस बयान में गुप्ता ने भाजपा की टिप्पणियों को निराधार और जम्मू और कश्मीर में पार्टी की दशक भर की शासन विफलताओं से ध्यान हटाने का प्रयास बताया।

गुप्ता ने इस बात पर जोर दिया कि नेशनल कॉन्फ्रेंस सरकार ने हाल ही में सत्ता संभाली है जिसे भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार से कुप्रबंधन और अविकसितता की विरासत मिली है जिसने पिछले दस वर्षों से इस क्षेत्र पर शासन किया है। उन्होंने बुनियादी ढांचे को स्थापित करने में असमर्थता के लिए पिछली सरकार की आलोचना की जिसके कारण लगातार बिजली की कटौती और पानी की कमी हो रही है जो लोगों को प्रभावित कर रही है।

नेशनल कॉन्फ्रेंस की चुनावी वादों के प्रति प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए गुप्ता ने कहा कि सरकार जम्मू-कश्मीर के निवासियों को 200 मुफ्त बिजली यूनिट देने के लिए दृढ़ है। उन्होंने इसकी तुलना भाजपा के कार्यकाल से की जिसे उन्होंने अधूरे वादों और बयानबाजी से भरा बताया। युवाओं के लिए 1 लाख नौकरियां पैदा करने के नेशनल कॉन्फ्रेंस के वादे के बारे में भाजपा के संदेह को संबोधित करते हुए गुप्ता ने सत्ता में अपने दशक के दौरान भाजपा के रोजगार रिकॉर्ड पर सवाल उठाया। उन्होंने भाजपा के शासन में भर्ती घोटालों की व्यापकता पर प्रकाश डाला जिसने उनके मताबिक युवाओं की आकांक्षाओं को कमजोर किया। इसके विपरीत नेशनल कॉन्फ्रेंस सरकार पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ 1 लाख नौकरियां प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, एक प्रक्रिया जो पहले ही शुरू हो चुकी है।

कश्मीर के ऊंचे इलाकों में हुई ताजा बर्फबारी

श्रीनगर, 24 दिसंबर। कश्मीर के ऊंचे इलाकों में मंगलवार को ताजा बर्फबारी हुई जिसके चलते घाटी में शीतलहर की स्थिति बनी रही। अधिकारियों ने बताया कल रात सोनमर्ग के पर्यटक स्थल और घाटी के ऊंचे इलाकों में और कुछ अन्य इलाकों में हल्की बर्फबारी दर्ज की गई। बर्फबारी व न्यूनतम तापमान हिमांक बिंदू से कई डिग्री नीचे चले जाने के कारण पानी की आपूर्ति लाइनें जम गईं हैं और कई जल निकायों की सतह पर बर्फ की एक पतली परत जम गई है। कश्मीर में भीषण ठंड पड़ रही है और दिन व रात का पारा सामान्य से कईं डिग्री नीचे चल रहा है।

अटलजी ने अन्तरराष्ट्रीय जगत में भारत का मस्तक ऊंचा किया : राजनाथ

लखनऊ, 24 दिसंबर। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कन्वेंशन सेंटर में आयोजित कहा कि अटलजी की अन्तरराष्ट्रीय जगत में ख्याति थी। उन्होंने अन्तरराष्ट्रीय जगत में भारत का मस्तक ऊंचा किया। अटल जी ने लम्बे समय तक लखनऊ का प्रतिनिधित्व किया। यहां से सांसद रहते हुए वह देश के प्रधानमंत्री बने। मैं अटलजी की स्मृति को नमन करता हुआ उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। रक्षामंत्री अटल बिहारी बाजपेयी साइंटिफिक कन्वेंशन सेंटर में अटल जी की 100वीं जन्म जयंती की पूर्व संध्या पर आयोजित अटल गीत गंगा कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कुमार विश्वास ने अपनी कविताओं के माध्यम से सबको सराबोर किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अटल जी की स्मृतियां पूरे भारतवासियों के लिए एक नई जीवंतता का प्रमाण है। देश में सुशासन के मॉडल माने जाते हैं। सर्वस्पर्शी राजनीति के प्रतीक माने जाते हैं। शुचिता व ईमानदारी के प्रतीक माने जाते हैं। वह हमेशा कहते थे सिद्धांतविहीन राजनीति मौत का फंदा है। पक्ष विपक्ष की चिंता के बगैर देश व समाज के मूल्यों के लिए काम करना। उन मूल्यों की रक्षा हो सके इसके लिए सत्ता की परवाह नहीं की। ग्रामीण विकास का जो मॉडल अटल जी ने दिया। अन्त्योदय का मार्ग हो, नौजवानों के लिए रोजगार का सृजन, भारत की सुरक्षा कैसे होनी चाहिए वह मॉडल दिये। भारत माता के सच्चे सपूत होने के नाते उनके प्रति हर दल व हर व्यक्ति श्रद्धा व सम्मान करता है। राजनीति के लिए उनका जीवन एक मानक है। वर्तमान की पीढ़ी के लिए लक्ष्मण रेखाओं के साथ चलने का मार्ग भी है। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि अटल जी के हर सपने को साकार करने के लिए हम सब काम करेंगे। भाजपा पर अटल जी का आशीर्वाद बरस रहा है।

सड़क दुर्घटना में सेना के 5 जवानों का बलिदान, दस घायल

जम्मू, 24 दिसंबर। जम्मू संभाग के पुंछ जिले में मंगलवार की शाम एक सड़क दुर्घटना में सेना के पांच बलिदान हो गए हैं, जबकि दस जवान घायल हुए हैं। घायलों को आसपास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

अधिकारियों ने बताया कि पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) की एक अग्रिम चौकी के पास एक वाहन के दुखद सड़क दुर्घटना का शिकार हो जाने से सेना के पांच जवानों की मौत हो गई जबकि दस जवान घायल हो गए हैं। वह सभी इलाजरत हैं।

दुर्घटना के समय वाहन में कुल 18 सैनिक सवार थे। ऐसे में तीन लापता जवानों की खोज के लिए दुर्घटनास्थल पर एक बड़ा बचाव अभियान शुरू किया गया है।

एक देश एक चुनाव' विधेयक पर जेपीसी की पहली बैठक आठ जनवरी को

नई दिल्ली, 24 दिसंबर। 'एक देश एक चुनाव' से संबंधित दो विधेयकों पर विस्तृत विमर्श के लिए बनी संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की पहली बैठक आठ जनवरी को होगी। लोकसभा में पेश होने के बाद 20 दिसंबर को इसे जेपीसी को भेज दिया गया। समिति के 39 सदस्यों में से 27 लोकसभा के तथा 12 राज्यसभा के हैं। समिति को अगले संसद सत्र के आखिरी सप्ताह के पहले दिन तक अपनी रिपोर्ट देनी है।

समिति के अध्यक्ष भाजपा नेता पीपी चौधरी हैं। इसके अन्य सदस्यों में अनुराग सिंह ठाकुर और पुरुषोत्तमभाई रूपाला, कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी और मनीष तिवारी, टीएमसी के कल्याण बनर्जी, एनसीपी (एसपी) की सुप्रिया सुले और लोकसभा के अन्य सदस्य शामिल हैं।

राज्यसभा से समिति में भाजपा के घनश्याम तिवाड़ी, भुवनेश्वर कलिता और के. लक्ष्मण , कांग्रेस के रणदीप सिंह सुरजेवाला और मुकुल बालकृष्ण वासनिक, जदयू के संजय कुमार झा और वाईएसआर कांग्रेस के वी. विजयसाई रेड्डी सहित अन्य सदस्य शामिल हैं। 'एक देश एक चुनाव' से जुड़े 129वें संविधान संशोधन विधेयक में प्रस्ताव किया गया है कि एक अवधि के बाद सभी राज्यों की वर्तमान विधानसभा का कार्यकाल छोटा कर एक साथ चुनाव कराए जाएं।

मनु भाकर को खेल रत्न अवार्ड के लिए नामित न किए जाने से परिजन नाराज

झज्जर, 24 दिसंबर। जिले की बेटी ओलंपियन शूटर मनु भाकर का नाम केंद्र सरकार द्वारा दिए जाने वाले खेल रत्न अवार्ड के लिए नामित नहीं किए जाने पर मनु के परिजनों ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की है। कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने भी सरकार पर मनु व अन्य खिलाड़ियों की उपेक्षा करने का आरोप लगाया है।

शूटिंग की विश्व स्तरीय खिलाड़ी मनु भाकर के पिता रामकिशन ने मंगलवार को कहा कि उन्हें जानकारी मिली है कि इस बार उनकी बेटी मनु भाकर का नाम सरकार के खेल रत्न अवार्ड के लिए नामित नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग या अधिकारियों की यह नीति सही नहीं है। इससे मनु भाकर की उपेक्षा हुई है और वह हतोत्साहित हो गई है। जिसका सीधा असर मनु के खेल पर पड़ सकता है,जबकि उनकी बेटी ओलंपिक खेलों के 106 वर्ष के इतिहास में देश को शूटिंग में दो पदक दिलवा चुकी है। सरकार को चाहिए मनु को देश के लिए उसकी उपलब्धियों हेतु खुद ही खेल रत्न से नवाजे। अगर कोई भी सम्मान मांग कर लिया जाए तो यह भीख जैसा है। मनु को यह अवार्ड मिलना ही चाहिए।

किसी को भी दलितों, गुज्जरों और समाज के अन्य वंचित वर्गों के अधिकारों से खिलवाड़ करने की इजाजत नहीं दी जाएगी : चुघ

जम्मू, 24 दिसंबर। भाजपा महासचिव और पार्टी के जम्मू-कश्मीर मामलों के प्रभारी तरुण चुग ने मंगलवार को मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला पर आरक्षण नीति को तर्कसंगत बनाने के नाम पर वंचित वर्गों को उनके अधिकारों से वंचित करने का आरोप लगाया। तरुण चुग ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि उमर अब्दुल्ला जी देश संविधान के अनुसार चलता है और किसी को भी दलितों, गुज्जरों, पहाड़ियों और समाज के अन्य वंचित वर्गों के अधिकारों से खिलवाड़ करने की इजाजत नहीं दी जाएगी।

इंडिया ब्लॉक और नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) ने वंचित वर्गों को उनके अधिकारों से वंचित किया है और वे फिर से ऐसा करने की साजिश कर रहे हैं। एनसी सरकार में वाल्मीकि समाज के लोगों को सरकारी नौकरी नहीं मिल पाती थी और भाजपा ने इन लोगों को आरक्षण का संवैधानिक अधिकार दे दिया। उन्होंने कहा कि एनसी इन लोगों के खिलाफ़ बदले और प्रतिशोध की राजनीति पर काम कर रही है लेकिन हम उन्हें ऐसा करने की अनुमति नहीं देंगे। लोगों की बुनियादी समस्याओं का समाधान खोजने में खुद को व्यस्त रखने के बजाय उमर अब्दुल्ला अनावश्यक मुद्दों को उठा रहे हैं। उनकी सरकार लोगों के लिए बिजली और पीने के पानी की सुविधाओं की समस्याओं को दूर करने में विफल रही है और जनता का ध्यान भटकाने के लिए उन्होंने आरक्षण के मुद्दे को उठाया है।

मुख्यमंत्री ने क्रिसमस पर शुभकामनाएं दीं

जम्मू 24 दिसंबर। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर और उसके बाहर क्रिसमस मनाने वाले सभी लोगों को शुभकामनाएं दीं। अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने क्रिसमस को मानवता के लिए वरदान बताया, जो शांति, प्रेम और करुणा को दर्शाता है। उन्होंने ईसा मसीह की शिक्षाओं की शाश्वत प्रासंगिकता पर जोर दिया, जो आज की दुनिया में दया, क्षमा और सद्भाव के मूल्यों को प्रेरित करती हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, क्रिसमस सिर्फ एक उत्सव नहीं है, यह हमारे सामूहिक सद्भाव की ताकत का प्रमाण है, जहां हर समुदाय इस खुशी के अवसर को मनाने के लिए एक साथ आता है।

मुख्य सचिव ने 'टीबी मुक्त जम्मू-कश्मीर' बनाने के लिए केंद्रिय क्षेत्रों में संपर्क ट्रेसिंग, गहन नमूनाकरण और सामुदायिक भागीदारी की सूची बनाई

जम्मू 24 दिसंबर। मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग की बैठक में संबंधितों से कहा कि वे वर्ष 2025 के अंत तक जम्मू-कश्मीर को टीबी मुक्त बनाने के लिए अथक प्रयास करें, जैसा कि प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत परिकल्पित है। बैठक में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सचिव, प्रिंसिपल जीएमसी जम्मू/श्रीनगर, एमडी जेकेएमएससीएल, निदेशक स्वास्थ्य जम्मू/कश्मीर, राज्य टीबी अधिकारी कश्मीर/जम्मू तथा अन्य संबंधित अधिकारी शामिल हुए।यूटी में इस बीमारी के मामलों को ध्यान में रखते हुए, मुख्य सचिव ने जम्मू-कश्मीर को टीबी से मुक्त बनाने के लिए संपर्कों का उत्साहपूर्वक पता लगाने, गहन नमूनाकरण और समुदाय की भागीदारी पर जोर दिया। उन्होंने आशा कार्यकर्ताओं, जेकेआरएलएम की महिला स्वयं सहायता समूह सदस्यों और अन्य ग्रामीण संस्थाओं की सेवाओं का कुशल उपयोग करने की सलाह दी, ताकि संभावित प्रभावित व्यक्तियों की पहचान करने और आवश्यक निदान के लिए नमूने लेने में सभी लोगों और क्षेत्रों तक पहुंचा जा सके। जहां तक जनता के बीच सामान्य जागरूकता पैदा करने के लिए आईईसी का सवाल है, अटल डुल्लू ने विभाग को मरीजों के परिवार के सदस्यों को उनके स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशील बनाने और उनकी देखभाल करने के लिए बड़े पैमाने पर संदेश भेजने का निर्देश दिया। उन्होंने स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्रों और आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में अपने सेवा क्षेत्रों से नमूने भेजने के लिए नियमित जांच करने को भी कहा। उन्होंने विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को जम्मू-कश्मीर में स्थापित टीबी सुविधाओं का दौरा करने का भी निर्देश दिया। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सचिव डॉ. सैयद आबिद राशिद शाह ने अपनी प्रस्तुति में यहां टीबी परिदृश्य के समग्र दृष्टिकोण के साथ-साथ इस चल रहे पीएमटीबीएमबी अभियान के उद्देश्यों और लक्ष्यों के बारे में बताया।

उन्होंने बताया कि जम्मू-कश्मीर में लगभग 11,650 टीबी प्रभावित लोग हैं, जिन्हें यूटी के जिलों में स्थापित विभिन्न सुविधाओं के माध्यम से मुफ्त उपचार प्रदान किया जाता है।

40 दिनों कठोर सर्दी की अवधि चिल्लई कलां की शुरुआत

श्रीनगर, 24 दिसंबर। कश्मीर घाटी में 40 दिनों की सबसे कठोर सर्दी की अवधि चिल्लई कलां की बर्फीली चपेट में है क्योंकि पूरे कश्मीर में तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई है।

कश्मीर मौसम पूर्वानुमान के अनुसार श्रीनगर में शून्य से नीचे 6.6 डिग्री सेल्सियस का न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया जो इस मौसम की सबसे ठंडी रातों में से एक है। पर्यटन स्थलों पहलगाम और गुलमर्ग में न्यूनतम तापमान क्रमशः शून्य से नीचे 7.8 डिग्री सेल्सियस और शून्य से नीचे 1.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दक्षिण कश्मीर में भीषण शीत लहर का प्रकोप जारी है। शोपियां में शून्य से नीचे 8.8 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया जो घाटी में सबसे ठंडा स्थान रहा। अनंतनाग और पुलवामा दोनों में शून्य से नीचे 8.3 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया जबकि कुलगाम में शून्य से नीचे 6.7 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।

बडगाम और गांदरबल में पारा क्रमशः शून्य से नीचे 7.0 डिग्री सेल्सियस और शून्य से नीचे 6.5 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया जबकि बांदीपोरा और बारामुला के उत्तरी जिलों में शून्य से नीचे 6.4 डिग्री सेल्सियस और शून्य से नीचे 6.0 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। इस बीच खुदवानी में शून्य से नीचे 7.1 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। कड़कड़ाती ठंड ने जल निकायों को आंशिक रूप से जमने और सड़कों को खतरनाक रूप से फिसलन भरा बना दिया है जिससे निवासियों के सामने आने वाली चुनौतियाँ और बढ़ गई हैं।

नेशनल कॉन्फ्रेंस के सांसद आरक्षण का मुद्दा उठाने में विफल रहे : महबूबा मुफ्ती

श्रीनगर 24 दिसंबर। पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने नेशनल कॉन्फ्रेंस की योग्यता की कमी और अधूरे वादों पर गंभीर चिंता जताई है।

मीडिया से बात करते हुए उन्होंने युवाओं को प्रभावित करने वाले प्रमुख मुद्दों पर कार्रवाई की कमी की आलोचना की, खासकर भर्ती प्रक्रियाओं में योग्यता की उपेक्षा की। उन्होंने युवा उम्मीदवारों की हताशा को उजागर करते हुए कहा कि हम अपने बच्चों को क्या बताएंगे? कड़ी मेहनत करो, सक्षम बनो - फिर क्या? उनके अवसरों को सीमित किया जा रहा है। उन्होंने नेशनल कॉन्फ्रेंस पर कटाक्ष करते हुए उसके सांसदों पर संसद में इन चिंताओं को व्यक्त करने में विफल रहने का आरोप लगाया। लोगों ने उन्हें इस उम्मीद में वोट दिया कि वे हमारी समस्याओं का समाधान करेंगे या कम से कम संसद में बोलेंगे। एक साल से ज़्यादा हो गया है और एक भी सांसद ने आरक्षण नीति का मुद्दा नहीं उठाया है। इस मामले को सुविधाजनक तरीके से अदालतों पर छोड़ दिया गया है जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

उन्होंने 2018 में एसआरओ 49 की शुरुआत की ओर भी इशारा किया जिसमें विशेष क्षेत्रों में योग्यता के महत्व को बताते हुए ओपन कैटेगरी के लिए 75 प्रतिशत स्नातकोत्तर पदों को आरक्षित किया गया था।

उन्होंने ओपन मेरिट उम्मीदवारों के लिए उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए तत्काल हस्तक्षेप का आह्वान किया और राजनीतिक नेताओं से अदालत के फ़ैसलों की प्रतीक्षा करने के बजाय कार्रवाई करने का आग्रह किया।

पीडीपी अध्यक्ष ने मौजूदा सरकार की निष्क्रियता पर निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि इतने मजबूत बहुमत के साथ मुझे उम्मीद थी कि वे इसे हल करेंगे। इसके बजाय उन्होंने इसे अनदेखा करना चुना है जिससे युवा असहाय और निराश हो गए हैं।

क्रिसमस एक त्यौहार शांति दूत के नाम

क्रिसमस एक ऐसा त्यौहार है जिसे शायद दुनिया के सर्वाधिक लोग पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं. आज यह त्यौहार विदेशों में ही नहीं बल्कि भारत में भी समान जोश के साथ मनाया जाता है. भारत की विविधतापूर्ण संस्कृति के साथ क्रिसमस का त्यौहार भी पूरी तरह घुल-मिल गया है. सदियों से यह त्यौहार लोगों को खुशियां बांटता और प्रेम और सौहार्द की मिसाल कायम करता रहा है. यह त्यौहार हमारे सामाजिक परिवेश का प्रतिबिंब भी है, जो विभिन्न वर्गों के बीच भाईचारे को मजबूती देता आया है. क्रिसमस का अर्थ मानव मुक्ति और समानता है. बाइबिल के अनुसार, ईश्वर ने अपने भक्त याशायाह के माध्यम से 800 ईसा पूर्व ही यह भविष्यवाणी कर दी थी कि इस दुनिया में एक राजकुमार जन्म लेगा और उसका नाम इमेनुएल रखा जाएगा. इमेनुएल का अर्थ है 'ईश्वर हमारे साथ'. याशायाह की भविष्यवाणी सच साबित हुई और यीशु मसीह का जन्म इसी प्रकार हुआ.

स्वर्गदूतों ने दिया था यीशु जन्म का संदेश

ऐसी मान्यता है कि यीशु के जन्म के अवसर पर स्वर्गदूतों ने सर्वोच्च गगन में परमेश्वर को महिमा और पृथ्वी पर उसके कृपापात्रों को शांति यह संदेश कुछ चरवाहों को दिया था। गत हजारों वर्ष से ख्रीस्त जयंती की मंगलमय बेला में करोड़ों कंठों से इस संदेश की प्रतिध्वनि गूंजती आ रही है। इस संदेश की सुंदरता इसमें है कि यीशु के जन्म के साथ उदित होने वाली नई विश्वव्यवस्था की झलक इसमें निहित है। पृथ्वी पर मानवों के शांतिपूर्ण जीवन में ईश्वर की स्वर्गीय महिमा प्रतिबिंबित है। मनुष्य में ईश्वर महिमान्वित होता है। यीशु ईश्वर और मनुष्य के बीच की सजीव कड़ी है। सच्ची शांति अच्छे मन का अनुभव है। ऐसी शांति तभी संभव है जबकि हृदय भय और मृत्यु से, दर्द और पीड़ा से मुक्त हो। लेकिन हम एक भ्रष्ट और दमनकारी संसार में जीते हैं जहां भय राज करता है और शांति की जड़ कमजोर है। यह अस्वाभाविक भी नहीं है क्योंकि यहां सच्चे दिलवालों की संख्या निराशाजनक रूप से कम है। जहां धन और बल मनुष्य के भविष्य में नियंता हों, जहां ईमानदारी और नैतिकता को कमजोरी के लक्षण माना जाता हो, वहां शांति और सच्चाई का बना रहना असंभव है। आज संसार में जो शांति दिखाई पड़ती है, वह हृदय की सच्चाई से नहीं बल्कि हथियारों के समझौते से निकली है। शायद यीशु की विश्वव्यवस्था की सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि हर मानव किसी भी जाति-वर्ग-वर्ण भेद के बिना ईश्वर की संतान बन सकता है। ईश्वर का जो रूप यीशु ने लोगों को बताया वह वास्तव में मन को छूने वाला है। ईश्वर इतना उदार है कि वह भले और बुरे, दोनों पर अपना सूर्य उगाता तथा धर्मी और अधर्मी दोनों पर पानी बरसाता है। ईश्वर सबको प्यार करता है, सबका ख्याल रखता है और पश्चातापी पापी को क्षमा करता है। मनुष्य को विधाता पर भरोसा रखना चाहिए। इस परम पिता की योग्य संतान बनने के लिए मनुष्य को दूसरों को प्रेम करना, दूसरों की सेवा करना तथा उनकी गलतियों को क्षमा करना है। इस नई व्यवस्था की मूल आज्ञा बिना शर्त प्रेम है और इसका स्वर्णिम नियम है- दूसरों से अपने प्रति जैसा व्यवहार चाहते हो, तुम भी उनके प्रति वैसा ही किया करो।

बालक यीशु के जन्म की सबसे पहली खबर इस दुनिया के सबसे निर्धन वर्ग के लोगों को मिली थी. वे कड़ी मेहनत करने वाले गड़रिये थे. सर्दी की रात जब उन्हें यह खबर मिली तो वे खुले आसमान के नीचे खतरों से बेखबर सोती हुई अपनी भेड़ों की रखवाली कर रहे थे. एक तारा चमका और स्वर्ग-दूतों के दल ने गड़रियों को खबर दी कि तुम्हारे बीच एक ऐसे बालक ने जन्म लिया है, जो तुम्हारा राजा होगा.

पूरी दुनिया के गरीब यह खबर सुनकर जहां खुश हुए, वहीं गरीबों पर जुल्म करने वाला राजा हेरोदेस नाराज हो गया. उसने अपने राज्य में 2 वर्ष की उम्र तक के सभी बच्चों को कत्ल करने का आदेश जारी कर दिया, ताकि उसकी सत्ता को भविष्य में किसी ऐसे राजा से खतरा न रहे. अच्छाई को देखकर बुराई करने वाले इसी तरह दुखी और नाराज होते हैं. यही शैतानियत का प्रतीक है. ईसा मसीह इसी शैतानियत को तो खत्म करने के लिए आए थे.

ईसा मसीह ने मानव के रूप में जन्म लेने के लिए किसी संपन्न व्यक्ति का घर नहीं चुना. उन्होंने एक गरीब व्यक्ति के घर की गोशाला में घास पर जन्म लिया. दरअसल, वे गरीब, भोले-भाले और शोषित व पीड़ित लोगों का उद्धार करने आये थे. इसीलिए उन्होंने जन्म से ही ऐसे लोगों के बीच अपना स्थान चुना. यह बहुत बड़ा संदेश था.

30 वर्ष की आयु में ईसा मसीह ने सामाजिक अव्यवस्था के विरुद्ध अपनी आवाज बुलंद की. उन्होंने जनता को दीन-दुखियों और लाचारों की सहायता करने, प्रेमभाव से रहने, लालच न करने, ईश्वर और राज्य के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहने, जरूरतमंद की जरूरत पूरी करने, आवश्यकता से ज्यादा धन संग्रह न करने का उपदेश दिया. आज ईसा मसीह के दिए हुए संदेशों की प्रासंगिकता बहुत ज्यादा है, क्योंकि भले ही सामाजिक बुराइयों ने अपना रूप बदल लिया हो, लेकिन वे आज भी समाज में विद्यमान हैं और गरीबों, लाचारों, शोषितों, पीड़ितों और दलितों को उनका शिकार होना पड़ता है.

ईसा मसीह ने समाज को समानता का पाठ पढ़ाया था. उन्होंने बार-बार कहा कि वे ईश्वर के पुत्र हैं और भले ही इस दुनिया में क्रूरता, अन्याय और गैर-बराबरी जैसी अनेक बुराइयां हैं, पर ईश्वर के घर में सभी बराबर हैं. उन्होंने ऐसा ही समाज बनाने पर जोर दिया, जिसमें क्रूरता व अन्याय की जगह न हो और सभी प्रेम और समानता के साथ रहें. ऐसी ही एक कहानी बाइबिल में आती है, जो एक सामरी संप्रदाय की स्त्री की है. जब ईसा मसीह ने उससे पीने के लिए पानी मांगा तो स्त्री ने कहा कि तू यहूदी होकर मुझ सामरी स्त्री से पानी क्यों मांगता है? दरअसल, यहूदी लोग सामरियों के साथ किसी प्रकार का व्यवहार नहीं रखते थे और उन्हें कमतर मानते थे. लेकिन ईसा ने उसके हाथ का पानी पिया. ईसा मसीह ने दलित, दमित और असहाय लोगों को आशा और जीवन का संदेश दिया. उन्होंने अपना पूरा जीवन मानव कल्याण में लगाया. यही वजह थी कि उन्हें क्रॉस पर मृत्युदंड भी दिया गया. लेकिन दूसरों के हित में काम करने वाले मृत्युदंड से कब भयभीत हुए हैं. क्रिसमस का त्यौहार कई चीजों के लिए खास होता है जैसे

कैसे हुई सांता क्लॉज की प्रसिद्धि...

सांता क्लॉज को भले ही आधुनिक बाजारवाद का प्रतीक माना जाए लेकिन इस किंवदंती की उत्पत्ति सदियों पुरानी है। माना जाता है कि तीसरी सदी में तुर्की में जन्मे संत निकोलस का ही आधुनिक रूप है सांता क्लॉज। अपने धर्मालु और दयालु स्वभाव के कारण वे जबर्दस्त लोकप्रिय थे। उन्होंने अपनी तमाम पुश्तैनी धन-दौलत दान कर दी थी और दूर-दूर तक सफर करके वे गरीबों की मदद किया करते थे। उनकी प्रसिद्धि के साथ-साथ उनसे जुड़ी किंवदंतियां भी फैलती गईं। बच्चों के प्रति उनके स्नेह की कथाएं विशेष रूप से प्रचलित हुईं। 6 दिसंबर को उनकी पुण्यतिथि बड़े पैमाने पर मनाई जाने लगी। माना जाता है कि सेंट (संत) निकोलस का नाम ही बिगड़कर पहले सिंतर क्लॉस और फिर सांता क्लॉज हो गया। योरप में खूब फैलने के बाद सांता क्लॉज की प्रसिद्धि 18वीं सदी में अमेरिका पहुंची। 1773-74 में न्यूयॉर्क में बसे हॉलैंड मूल के परिवारों ने सामूहिक रूप से सिंतर क्लॉस की पुण्यतिथि मनाई। फिर 1804 में न्यूयॉर्क हिस्टॉरिकल सोसायटी की वार्षिक सभा में उसके एक सदस्य जॉन पिंटर्ड ने संत निकोलस के लकड़ी के कटआउट बंटवाए। इनमें संत की छवि काफी कुछ वैसी ही थी जैसी आज सांता की छवि हमारे सामने है। तब तक संत निकोलस/ सिंतर क्लॉस/ सांता क्लॉज का क्रिसमस के साथ कोई सीधा संबंध नहीं था। फिर 1822 में क्लेमेंट क्लार्क मूर ने अपनी तीन बेटियों के लिए एक लंबी कविता लिखी एन अकाउंट ऑफ ए विजिट फॉम सेंट निकोलस। इसमें सेंट निकोलस को एक गोलमटोल, हंसमुख बुजुर्ग बताया गया, जो क्रिसमस की पूर्व रात्रि में रेनडियर वाली गाड़ी में उड़ते हुए आते हैं और चिमनी केरास्ते घरों में प्रवेश कर घर में टंगी जुराबों में बच्चों के लिए उपहार छोड़ जाते हैं। यह कविता जब प्रकाशित हुई तो अमेरिका भर में सेंट निकोलस/ सांता क्लॉज लोकप्रिय हो गए। जर्मन मूल के अमेरिकी कार्टूनिस्ट थॉमस नेस्ट 1863 से प्रति वर्ष सांता की नई छवि गढ़ने लगे। 1880 के दशक तक सांता की छवि वह रूप ले चुकी थी, जिससे आज हम सब परिचित हैं।

क्रिसमस ट्री, स्टार, गिफ्टस आदि. और हां, कई लोग मानते हैं क्रिसमस के दिन सांता क्लॉज बच्चों को उपहार देता है. सांता क्लॉज को याद करने का चलन 4वीं शताब्दी से आरंभ हुआ था और वे संत निकोलस थे जो तुर्किस्तान के मीरा नामक शहर के बिशप थे. सांता क्लाज़ लाल व सफेद ड्रेस पहने हुए, एक वृद्ध मोटा पौराणिक चरित्र है, जो रेन्डियर पर सवार होता है तथा समारोहों में, विशेष कर बच्चों के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. क्रिसमस उम्मीदों और खुशियों का त्यौहार है. ईसा मसीह का जीवन और उनके उपदेश आज भी इसलिए प्रासंगिक हैं, क्योंकि आज भी अमीरी-गरीबी, जातिवाद और सामाजिक विसंगतियां समाज में मौजूद हैं. जब हम अपने आसपास नजर डालेंगे और गरीब व लाचार लोगों के दुख-दर्द को समझेंगे और ईसा मसीह की तरह अपनी कोशिशों से उनके चेहरे पर थोड़ी-सी मुस्कान लाएंगे, तभी हमें क्रिसमस की वास्तविक खुशियां मिलेंगी.

क्रिसमस ट्री सजाने की परंपरा

क्रिसमस ट्री सजाने की परंपरा जर्मनी में दसवीं शताब्दी के बीच शुरू हुई और इसकी शुरुआत करने वाला पहला व्यक्ति बोनिफेंस टुयो नामक एक अंगरेज धर्मप्रचारक था। इसके बाद अमेरिका के एक आठ साल के बीमार बच्चे ने क्रिसमस पेड़ को अपने पिता से सजवाया तब से क्रिसमस ट्री को रंग-बिरंगी बत्तियों, फूलों और कांच के टुकड़ों से सजाया जाने लगा। इंग्लैंड में 1841 में राजकुमार पिंटो एलबर्ट ने विंजर कासल में क्रिसमस ट्री को सजावाया था। उसने पेड़ के ऊपर एक देवता की दोनों भुजाएं फैलाए हुए मूर्ति भी लगवाई, जिसे काफी सराहा गया। क्रिसमस ट्री पर प्रतिमा लगाने की शुरुआत तभी से हुई। पिंटो एलबर्ट के बाद क्रिसमस ट्री को घर-घर पहुंचाने में मार्टिन लूथर का भी काफी हाथ रहा। क्रिसमस के दिन लूथर ने अपने घर वापस आते हुए आसमान को गौर से देखा तो पाया कि वृक्षों के ऊपर टिमटिमाते हुए तारे बड़े मनमोहक लग रहे हैं। मार्टिन लूथर को तारों का वह दृश्य ऐसा भाया कि उस दृश्य को साकार करने के लिए वह पेड़ की डाल तोड़ कर घर ले आया। घर ले जाकर उसने उस डाल को रंगबिरंगी पन्नियों, कांच एवं अन्य धातु के टुकड़ों, मोमबत्तियों आदि से खूब सजा कर घर के सदस्यों से तारों और वृक्षों के लुभावने प्राकृतिक दृश्य का वर्णन किया। वह सजा हुआ वृक्ष घर सदस्यों को इतना पसंद आया कि घर में हर क्रिसमस पर वृक्ष सजाने की परंपरा चल पड़ी। 1920 की बात है, सान फ्रांसिस्को शहर में पांच साल की बालिका की हालत गंभीर थी। उसके पिता सैंडी ने कुछ बड़े-बड़े मिट्टी के हंडों पर चित्रकारी की और उन्हें घर से सड़क की दूसरी तरफ रस्सी पर लटका कर दिखाया। वे इतने सुंदर लगे कि काफी लोग उन्हें देखने को इकट्ठे हो गए। सौभाग्य की बात थी कि नए साल तक बालिका भी ठीक हो गई। इस घटना से सैंडी बड़ा चकित हुआ। अब वह लोगों को क्रिसमस वृक्ष सजाने के अलावा लगाने के लिए भी कहता। उसने कैलिफोर्निया में एक संस्था बनाई, जो पेड़ लगाने के उत्सुक लोगों को रेडवुड वृक्ष के पौधे मुफ्त भेजती थी। सैंडी ने 20 साल तक रेडियो, समाचार-पत्रों आदि में लेख और व्याख्यान देकर लोगों को पेड़ लगाने के लिए उत्साहित किया।

क्रिसमस ट्री की कथा है कि जब महापुरुष ईसा का जन्म हुआ तो उनके माता-पिता को बधाई देने आए देवताओं ने एक सदाबहार फर को सितारों से सजाया। कहा जाता है कि उसी दिन से हर साल सदाबहार फर के पेड़ को क्रिसमस ट्री प्रतीक के रूप में सजाया जाता है।

विदेशों में कैसे सजाया जाता है क्रिसमस ट्री

- योरपीय मुल्कों में क्रिसमस की पूर्व संध्या को क्रिसमस ट्री दुल्हन की तरह सजाया जाता है। इस पर बिजली के रंगबिरंगे बल्ब जगमगाते रहते हैं। देश-विदेश के महकते फूल भी इसकी शोभा में चार चांद लगाते हैं। हीरे-मोती से जड़े कंगन इसकी पतली-पतली टहनियों में बड़ी तरकीब से पिरोए जाते हैं। ये कंगन अपनी बहुरंगी आभा से क्रिसमस ट्री को और भी ज्यादा रोशन करने लगते हैं।
- अमेरिका के अरबपति तो क्रिसमस ट्री की विशेष सज्जा के लिए कुछ खास किस्म के कीमती आभूषणों का प्रयोग करते हैं। ये आभूषण हवा के साथ-साथ तरह-तरह की खुशबू से महकने भी लगते हैं। बाद में इन आभूषणों को गरीबों में बांट दिया जाता है।
- स्विस वैज्ञानिकों का कहना है कि क्रिसमस के पेड़ में आनुवांशिक परिवर्तन कर उन्हें स्वयं ही प्रदीप्त होने वाला बनाया जा सकता है। इतना ही नहीं, आनुवांशिक परिवर्तन वाले पेड़ विद्युत सर्पमीन की तरह आवाज भी निकाल सकेंगे।
- इस संदर्भ में ज्यूरिख के वैज्ञानिक डॉ. बर्नार्ड का कहना है क्रिसमस ट्री में जैविक परिवर्तन कर प्रकाश संश्लेषण के जरिए विद्युत उत्पादन किया जा सकता है। हां, आनुवांशिक परिवर्तन के उपरांत इन पेड़ों को कहीं भी लगाया जा सकता है।
- इंग्लैंड के निवासी जन्मदिन, विवाह एवं मृत्यु पर क्रिसमस ट्री जमीन में रोपते हैं, ताकि धरती सदा हरियाली से झूमती रहे।

गो कैरोलिंग दिवस

दुनिया को शांति और अहिंसा का पाठ पढ़ाने वाले प्रभु यीशु मसीह के जन्मदिन क्रिसमस से ठीक पहले उनके संदेशों को भजनों (कैरल) के माध्यम से घर-घर तक पहुंचाने की प्रथा को विश्व के विभिन्न हिस्सों में 'गो कैरोलिंग दिवस' के रूप में मनाया जाता है।

दिल्ली स्थित रोमन कैथलिक चर्च के प्रवक्ता फादर डोमेनिक इमैनुअल के अनुसार क्रिसमस से ठीक पहले कैरोलिंग दिवस के दिन ईसाई धर्मावलंबी रंगबिरंगे कपड़े पहनकर एक-दूसरे के घर जाते हैं और भजनों के माध्यम से प्रभु के संदेश का प्रचार-प्रसार करते हैं। उन्होंने कहा, 'प्रभु की भक्ति में डूबे श्रद्धालुओं के समूह में भजन गायन का यह सिलसिला क्रिसमस के बाद भी कई दिनों तक जारी रहता है। कैरल एक तरह का भजन होता है जिसके बोल क्रिसमस या शीत ऋतु पर आधारित होते हैं। ये कैरल क्रिसमस से पहले गाए जाते हैं।'' डोमेनिक ने कहा, 'ईसाई मान्यता के अनुसार कैरल गाने की शुरुआत यीशु मसीह के जन्म के समय से हुई। प्रभु का जन्म जैसे ही एक गौशाला में हुआ वैसे ही स्वर्ग से आए दूतों ने उनके सम्मान में कैरल गाना शुरू कर दिया और तभी से ईसाई धर्मावलंबी क्रिसमस के पहले ही कैरल गाना शुरू कर देते हैं।'' फादर डोमेनिक ने कहा कि गो कैरोलिंग दिवस एक ऐसा मौका होता है जब लोग बड़े धूमधाम से प्रभु यीशु की महिमा, उनके जन्म की परिस्थितियों, उनके संदेशों, मां मरियम द्वारा सहे गए कष्टों के बारे में भजन गाते हैं। डोमेनिक ने बताया कि प्रभु यीशु मसीह का जन्म बहुत कष्टमय परिस्थितियों में हुआ। उनकी मां मरियम और उनके पालक पिता जोसफ जनगणना में नाम दर्ज कराने के लिए जा रहे थे।उन्होंने कहा कि इसी दौरान मां मरियम को प्रसव पीड़ा हुई लेकिन किसी ने उन्हें रूकने के लिए अपने मकान में जगह नहीं दी। अंततः एक दंपति ने उन्हें अपनी गौशाला में शरण दी जहां प्रभु यीशु मसीह का जन्म हुआ। फादर डोमेनिक ने बताया कि भारत में भी यह दिन बहुत ही धूमधाम से मनाया जाता है। नागालैंड, मिजोरम, मणिपुर समेत समूचे पूर्वोत्तर भारत में लोग विशेषकर युवा बेहद उत्साह के साथ टोलियों में निकलते हैं और रात भर घर-घर जाकर कैरल गाते हैं।

उपहारों का आदान-प्रदान

लीजिए, क्रिसमस आ गया! प्रेम, करुणा, क्षमा और सद्भावना का संदेश देने वाले ईसा मसीह का जन्मदिन। यूं तो यह विश्व की एक तिहाई आबादी यानी ईसाइयों का त्योहार है, लेकिन क्रिसमस का तिलस्म ईसाइयों तक सीमित नहीं है और क्यों नहीं, आखिर ईसा का संदेश देश, काल, समुदाय, संस्कृति की सीमाओं से परे है। यही कारण है कि क्रिसमस की धूम किसी न किसी रूप में दुनिया भर में मची रहती है। क्रिसमस सिर्फ ईसा के शाश्वत संदेश को याद करने व उनके जन्म की खुशियां मनाने के पर्व तक सीमित नहीं है। विश्व के कई देशों में यह वर्षभर का सबसे बड़ा आर्थिक उत्प्रेरक भी है। इनमें विश्व अर्थव्यवस्था का नेतृत्व करने वाले अमेरिका, योरप के साथ-साथ अन्य कई देश भी शामिल हैं। जहां नुक्कड़ की दुकानों से लेकर बड़े-बड़े मॉल्स तक में क्रिसमस पर तमाम वस्तुओं की बिक्री सामान्य से कई गुना तक बढ़ जाती है। अनेक छोटी-बड़ी कंपनियां इस अवसर पर अपने नए उत्पाद लांच करती हैं। लुभावने सेल व डिस्काउंट योजनाएं तो होती ही हैं। बिक्री इसलिए भी अधिक होती है क्योंकि लोग क्रिसमस पर केवल स्वयं के लिए ही खरीददारी नहीं करते बल्कि रिश्तेदारों, मित्रों, स्नेहियों को भेंट करने के लिए उपहार भी खरीदते हैं। कंपनियां अपने कर्मचारियों को उपहार देने के लिए थोक में ऑर्डर देती हैं। क्रिसमस पर जमकर खरीददारी करते हैं और उपहारों का आदान-प्रदान भी करते ही हैं। पसंद न आने वाले उपहारों की आपस में अदला-बदली कर लेने का चलन भी काफी बढ़ गया है। आपको कहीं से मिला उपहार मुझे पसंद है और मुझे मिल गया है आपकी पसंद का उपहार, तो चलो एक्सचेंज कर लें। आप भी खुश, मैं भी खुश। उपहार देने वालों का कोई नुकसान नहीं हुआ और दुकानदार तो खैर, माल बेचकर खुश है ही। चारों ओर खुशियां फैलाने से बेहतर क्या तरीका होगा क्रिसमस मनाने का!

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस- 2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

मिशन युवा के क्रियान्वयन में तेजी लाने के लिए कौशल विकास निदेशक ने की समीक्षा बैठक

कठुआ 24 दिसंबर (हि.स.)। कठुआ में मिशन युवा के तहत निदेशक कौशल विकास एवं जिला नोडल अधिकारी मिशन युवा ओपी भगत की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समीक्षा बैठक हुई।

बैठक में उद्यम जागृति अभियान के सुचारू क्रियान्वयन पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया, जिसके तहत बीडीओ को मिशन युवा के तहत उद्यम जागृति अभियानों पर जोर देने और युवाओं की भागीदारी बढ़ाने तथा जागरूकता बढ़ाने के लिए अपने-अपने ब्लॉकों में सूचना शिक्षा और संचार गतिविधियों को तेज करने का निर्देश दिया गया। इसके अलावा मास्टर ट्रेनर और पर्यवेक्षकों को मिशन युवा के उद्देश्यों और महत्व से अवगत कराया गया और उन्हें बेसलाइन सर्वेक्षण को अत्यंत गंभीरता से लेने का निर्देश दिया गया।

बैठक में बताया गया कि बेसलाइन सर्वेक्षण 1 जनवरी 2025 से 31 जनवरी 2025 तक किया जाएगा और यह मिशन के तहत युवाओं की जरूरतों का आकलन करने और उन्हें संबोधित करने में एक महत्वपूर्ण कदम है। बैठक में कौशल विकास, उद्यमिता के अवसरों और क्षमता निर्माण के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाने में मिशन युवा की भूमिका को रेखांकित किया गया। सत्र का समापन संसाधनों को जुटाने और आउटरीच प्रयासों को मजबूत करने की प्रतिबद्धता के साथ हुआ, जिससे जिला प्रशासन के युवा सशक्तीकरण और आर्थिक विकास पर ध्यान केंद्रित करने की पुष्टि हुई। बैठक में मुख्य योजना अधिकारी कठुआ, सहायक निदेशक रोजगार और जिला सांख्यिकी एवं मूल्यांकन अधिकारी के साथ-साथ मिशन के तहत नामित खंड विकास अधिकारी, मास्टर ट्रेनर और पर्यवेक्षकों ने भाग लिया।

छात्रों ने प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में दिया अपने ज्ञान का परिचय

जम्मू, 24 दिसंबर (हि.स.)। भारतीय सेना-आवाम सहयोग को बढ़ावा देने और युवाओं को सकारात्मक रूप से जोड़ने के अपने निरंतर प्रयासों के तहत भारतीय सेना ने नेताजी मेमोरियल हाई स्कूल, खरगला, कालाकोट में एक प्रश्नोत्तरी और व्याख्यान का आयोजन किया। इस पहल का उद्देश्य सेना के समृद्ध इतिहास, ऐतिहासिक अभियानों और उसके सैनिकों की वीरता के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। साथ ही युवा दिमागों को सशस्त्र बलों में करियर बनाने के लिए प्रेरित करना था।इस कार्यक्रम में 47 छात्रों और 7 शिक्षकों की सक्रिय भागीदारी देखी गई जिनमें से सभी ने उल्लेखनीय उत्साह दिखाया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण शीर्ष तीन प्रश्नोत्तरी कलाकारों को सम्मानित करना था। इसके अतिरिक्त इस कार्यक्रम में सशस्त्र सेना झंडा दिवस को समर्पित एक विशेष खंड भी शामिल था जिसे हर साल 7 दिसंबर को मनाया जाता है। छात्रों को इस दिन के महत्व के बारे में शिक्षित किया गया जो भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना के सैनिकों, दिग्गजों और बहादुरों को श्रद्धांजलि के रूप में कार्य करता है।व्याख्यान में अधिकारी प्रवेश और अग्निवीर प्रवेश योजना सहित विभिन्न सशस्त्र बलों में प्रवेश के लिए आवश्यक शैक्षणिक योग्यताओं पर विस्तृत मार्गदर्शन भी शामिल था। सेना में करियर के बारे में छात्रों के प्रश्नों को भारतीय सेना के प्रतिनिधि द्वारा संबोधित किया गया। छात्रों और शिक्षकों ने इस तरह के सार्थक आयोजनों के लिए भारतीय सेना के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।

संस्कृति सचिव ने एक दिवसीय डोगरी सम्मेलन का उद्घाटन किया

जम्मू, 24 दिसंबर (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर के संस्कृति विभाग की सचिव दीपिका शर्मा ने आज जम्मू के केएल सहगल हॉल में डोगरी मंता दिवस के उपलक्ष्य में एक दिवसीय डोगरी सम्मेलन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर जम्मू-कश्मीर के कलाकारों और लेखकों की एक बड़ी भीड़ मौजूद थी। यह कार्यक्रम जम्मू-कश्मीर कला, संस्कृति और भाषा अकादमी (जेकेएएसीएल) द्वारा आयोजित किया गया था। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता पद्म श्री मोहन सिंह ने की, जिसमें सुश्री दीपिका शर्मा मुख्य अतिथि थीं।

अध्यक्ष मंडल में प्रसिद्ध डोगरी कवि दर्शनदर्शी, प्रख्यात लेखक डॉ. ओम गोस्वामी, जेकेएएसीएल जम्मू के संभागीय प्रमुख डॉ. जावेद राही और डोगरी संपादक रीता खडयाल जैसी प्रमुख हस्तियां शामिल थीं।

समारोह को संबोधित करते हुए सुश्री दीपिका शर्मा ने डोगरी भाषा और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में कला, संस्कृति और भाषाओं को आगे बढ़ाने के लिए 32 नई योजनाओं को मंजूरी दी गई है। उन्होंने जेकेएएसीएल को युवा दर्शकों को जोड़ने और अपनी सांस्कृतिक जड़ों पर गर्व महसूस कराने के लिए एक सप्ताह तक चलने वाले डोगरी थिएटर महोत्सव का आयोजन करने का भी निर्देश दिया। इससे पहले, डॉ. जावेद राही ने अतिथियों का स्वागत किया और कार्यक्रम के उद्देश्यों को रेखांकित किया। इसके बाद डॉ. ओम गोस्वामी ने मुख्य भाषण दिया, जिन्होंने डोगरी भाषा के ऐतिहासिक महत्व और विकास पर एक व्यावहारिक पेपर प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि डीके वैद ने भावी पीढ़ियों के लिए डोगरी साहित्य और संस्कृति को संरक्षित करने के महत्व को रेखांकित किया और इसकी विरासत को बनाए रखने के लिए सहयोगी प्रयासों का आह्वान किया। अपने अध्यक्षीय भाषण में, पद्मश्री मोहन सिंह ने डोगरी भाषा की सांस्कृतिक समृद्धि पर प्रकाश डाला और शैक्षणिक और सांस्कृतिक संस्थानों में डोगरी को उचित स्थान दिलाने के लिए अधिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया।

मेजर जनरल ने जम्मू में 2 जेएंडके बीएन एनसीसी का दौरा किया

जम्मू, 24 दिसंबर (हि.स.)। मेजर जनरल अनुपिंदर बेवली, वीएसएम, जम्मू और कश्मीर और लद्दाख निदेशालय के अतिरिक्त महानिदेशक ने एनसीसी पाठ्यक्रम की दक्षता और प्रभावशीलता में योगदान देने वाली प्रणालियों और प्रक्रियाओं का आकलन और समीक्षा करने के लिए जम्मू में 2 जेएंडके बटालियन एनसीसी का दौरा किया।

अपने दौरे के दौरान मेजर जनरल बेवली ने गहन निरीक्षण किया और अधिकारियों, स्थायी प्रशिक्षक कर्मचारियों और नागरिक कर्मचारियों के समर्पित प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने प्रशिक्षण और प्रशासन के सभी पहलुओं में उच्च मानकों को बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया और सभी को एनसीसी के लक्ष्यों और उद्देश्यों को पूरा करने के लिए अपने उत्कृष्ट कार्य को जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया।

जनरल ऑफिसर ने एमएएम कॉलेज के कैडेटों द्वारा प्रदर्शित ड्रिल के उत्कृष्ट मानक के लिए विशेष रूप से प्रशंसा व्यक्त की, उनकी प्रतिबद्धता और अनुशासन को मान्यता दी। उन्होंने एनसीसी गतिविधियों में शामिल सभी लोगों द्वारा किए जा रहे सामूहिक प्रयासों की भी सराहना की तथा इस बात पर जोर दिया कि इस क्षेत्र में एनसीसी के विकास के लिए ऐसी प्रतिबद्धता बहुत महत्वपूर्ण है।

इसके अलावा मेजर जनरल बेवली ने संस्थागत प्रशिक्षण और प्रशिक्षण की निरंतर उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित करने में एसोसिएट एनसीसी अधिकारियों और स्थायी प्रशिक्षकों की भूमिका पर महत्वपूर्ण जोर दिया। उन्होंने बटालियन की उपलब्धियों के लिए 2 जेएंडके बीएन एनसीसी के कमांडिंग ऑफिसर और कर्मचारियों के योगदान की भी सराहना की तथा यूनिट के मानकों और प्रदर्शन को और बेहतर बनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

जम्मू में 26 दिसंबर गुरुवार को रखा जायेगा सफला एकादशी व्रत

जम्मू, 24 दिसंबर (हि.स.)। पौष मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी का व्रत सन् 2024 ई. 26 दिसंबर गुरुवार को है। एकादशी व्रत के विषय में श्री कैलख ज्योतिष एवं वैदिक संस्थान ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत रोहित शास्त्री ज्योतिषाचार्य (स्टेट अवॉर्डी) ने बताया कि पौष मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि 25 दिसंबर सन् 2024 ई. बुधवार रात्रि 10 बजकर 30 मिनट पर शरू होगी और अगले दिन यानी 26 दिसंबर गुरुवार रात्रि 12 बजकर 44 (24-44) मिनट पर समाप्त होगी। सूर्योदय व्यापिनी पौष माह कृष्ण पक्ष एकादशी तिथि 26 दिसंबर गुरुवार को होगी,इसलिए सफला एकादशी का व्रत सन् 2024 ई. 26 दिसंबर गुरुवार को होगा।सफलता एकादशी सन् 2024 ई. की अंतिम एकादशी है।

जिला साइबर सेल ने ऑनलाइन ठगी की गई 3,60,464 रुपये की राशि बरामद की

कठुआ 24 दिसंबर (हि.स.)। एसएसपी कठुआ शोभित सक्सेना की समग्र निगरानी में जिला साइबर सेल कठुआ ने दिसंबर 2024 के चालू महीने में 07 विभिन्न शिकायतों में 3,64,464 रुपये की धोखाधड़ी की गई राशि की वसूली करके साइबर अपराध से निपटने के लिए अपनी प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया है।

जिनमें संजीवन शर्मा निवासी इंदिरा कॉलोनी कठुआ को 2,10,000 रुपये की राशि वसूल कर वापस कर दी गई। अरुण शर्मा निवासी हीरानगर कठुआ को 61,000 रुपये की राशि वसूल कर वापस कर दी गई। हार्दिक अबरोल निवासी शिव नगर कठुआ को 37,664 रुपये की राशि वसूल कर वापस कर दी गई।

बीएसपी ने गृहमंत्री शाह के बयान के खिलाफ निकाला रोष मार्च

कठुआ 24 दिसंबर (हि.स.)। बहुजन समाज पार्टी कठुआ इकाई ने गृहमंत्री अमित शाह के बयान के खिलाफ रोष मार्च निकालकर अपना विरोध दर्ज करवाया और इस संबंध में डीसी कठुआ को ज्ञापन सौंपा। मंगलवार को डीडीसी नगरी संदीप मजोत्रा की अध्यक्षता में बहुजन समाज पार्टी कठुआ इकाई के कार्यकर्ताओं ने अमित शाह द्वारा बाबा साहब अंबेडकर पर दिए गए बयान के खिलाफ कॉलेज मार्ग पर एक रोष मार्च निकाल विरोध दर्ज करवाया। इसके बाद उन्होंने जिला उपयुक्त को इस संबंध में एक ज्ञापन भी सौंपा। हाथों में तख्तियां लिए बहुजन समाज पार्टी के कार्यकर्ता ने अमित शाह इस्तीफा दो, बाबा साहब अंबेडकर । अपमान सहा नहीं जाएगा जैसे नारे लगाकर रोष मार्च निकाला। डीडीसी नगरी संदीप मजोत्रा ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो बहन मायावती के दिशा निर्देश पर आज पूरे देश में अमित शाह द्वारा बाबा साहब अंबेडकर के खिलाफ सदन में दिए गए बयान को लेकर विरोध प्रदर्शन किए जा रहे हैं।

जीडीसी कठुआ में डोगरी भाषा की सांस्कृतिक विरासत को दिखाया गया

कठुआ 24 दिसंबर (हि.स.)। राजकीय डिग्री कॉलेज कठुआ के डोगरी विभाग ने डोगरी मान्यता दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया। कार्यक्रम का संचालन कॉलेज की प्रिंसिपल प्रोफेसर सीमा मीर के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम में डोगरी भाषा की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दिखाया गया।

डोगरी विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ प्रीतिमा सांगड़ा ने कार्यक्रम का संचालन किया जबकि डोगरी विभाग की प्रमुख प्रोफेसर मीना देवी ने डोगरी भाषा और साहित्य के महत्व और प्रासंगिकता पर व्याख्यान दिया। उन्होंने डोगरी कविता सुनाई और डोगरा विरासत को संरक्षित करने के महत्व पर जोर दिया। कार्यक्रम में छात्रों द्वारा डोगरी गीत, कविता पाठ और सांस्कृतिक प्रदर्शन शामिल थे। डोगरी में व्याख्यान देने वाले मुकेश कुमार ने भी एक कविता सुनाई। उर्दू के विभागाध्यक्ष डॉ यशपाल शर्मा ने भी छात्रों को संबोधित किया और उनके साथ स्थानीय संस्कृति, भाषा और रीति-रिवाजों के महत्व पर चर्चा की

भाजपा संगठन पर्व पर कार्यशाला आयोजित

जम्मू, 24 दिसंबर (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने जम्मू के त्रिकुटा नगर में अपने पार्टी मुख्यालय में आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला के दौरान आंतरिक लोकतंत्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। चल रहे संगठन पर्व के दूसरे चरण का यह कार्यक्रम संगठनात्मक चुनावों पर केंद्रित था और इसमें पूरे क्षेत्र से भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने भाग लिया।

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव और जम्मू-कश्मीर भाजपा प्रभारी तरुण चुघ ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भाजपा भारत में एकमात्र राजनीतिक पार्टी है जो सच्चे आंतरिक लोकतंत्र का अभ्यास करती है। उन्होंने कहा हम हर तीन साल में बूथ स्तर से लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष स्तर तक चुनाव कराते हैं। यह परिवार-केंद्रित पार्टी होने के बजाय लोकतांत्रिक सिद्धांतों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

इसी बीच भाजपा की नेत्री रेखा वर्मा ने जम्मू-कश्मीर भाजपा द्वारा अपने प्राथमिक और सक्रिय सदस्यता अभियान में की गई प्रगति की सराहना की, और पार्टी से संगठनात्मक चुनावों के दौरान भी इसी उत्साह को बनाए रखने का आग्रह किया। श्रीकांत शर्मा ने पारदर्शी और समावेशी प्रक्रिया की आवश्यकता पर जोर दिया और व्यक्तिगत रूप से चुनावों की देखरेख करने का संकल्प लिया।

प्रदेश अध्यक्ष सत शर्मा और महासचिव अशोक कौल ने पार्टी के दिशा-निर्देशों का पालन करने और नई भूमिकाओं के लिए समर्पित कार्यकर्ताओं का चयन करते समय निष्पक्षता सुनिश्चित करने के महत्व को दोहराया।

पुलिस शहीद टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट-उत्तराखंड ने लखनऊ टीम को 07 विकेट से हराया

कठुआ 24 दिसंबर (हि.स.)। 13वें पुलिस शहीद स्मारक टी-20 क्रिकेट चैंपियनशिप 2024-25 के 7वें दिन स्पोर्ट्स स्टेडियम कठुआ में उत्तराखंड सीसी बनाम लाइफ केयर लखनऊ टीम के बीच खेला गया।

टूर्नामेंट के सातवें दिन सुबह के सत्र में उत्तराखंड सीसी बनाम लाइफ केयर लखनऊ टीम के बीच मैच खेला गया, जिसमें लाइफ केयर लखनऊ टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और 20 ओवर में 09 विकेट के नुकसान पर 116 रन बनाए। टीम के मुख्य स्कोरर विनय रहे जिन्होंने 29 गेंदों पर 3 चैकों और 1 छक्के की मदद से सर्वाधिक 31 रन बनाए। 117 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए उत्तराखंड की टीम ने 117 रनों के लक्ष्य को 3 विकेट के नुकसान पर मात्र 13 ओवर में ही हासिल कर लिया। इस तरह उत्तराखंड सीसी की टीम ने मैच 7 विकेट से जीत लिया और टीम के शीर्ष स्कोरर और दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ी लवनीत रहे जिन्होंने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 38 गेंदों पर 10 चैकों और 2 छक्कों की मदद से 67 रन बनाए और साथ ही उन्होंने 4 ओवरों में शानदार गेंदबाजी करते हुए 25 रन देकर 2 महत्वपूर्ण विकेट लिए जिसके लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया

एसएमवीडीयू ने सुरभि शर्मा को दी पीएचडी की उपाधि

जम्मू, 24 दिसंबर (हि.स.)। श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय, एसएमवीडीयू ने सुरभि शर्मा को डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी पीएचडी की उपाधि से सम्मानित किया है। उन्होंने आत्मकथा में अश्वेत नारीवादी दृष्टिकोण को खोजना- माया एंजेलो के अनुभवों की जांच विषय पर शोध कार्य किया। शर्मा का अभूतपूर्व शोध प्रसिद्ध अफ्रीकी-अमेरिकी लेखिका और कार्यकर्ता माया एंजेलो के अनुभवों और आख्यानों में महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्रदान करता है जो उन्हें अश्वेत नारीवादी सिद्धांत के लेंस के माध्यम से खोजता है। उनका काम साहित्यिक अध्ययन और नारीवादी प्रवचन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

यह शोध डॉ. अनुराग कुमार की देखरेख और डॉ. अमिताभ वी. द्विवेदी के सह-पर्यवेक्षण में किया गया था। सुरभि शर्मा को एसएमवीडीयू के कुलपति प्रो. प्रगति कुमार और समिति के अन्य सदस्यों द्वारा औपचारिक रूप से बधाई दी गई।

गुज्जर और बक्करवाल समुदायों के साथ संवाद का आयोजन

जम्मू, 24 दिसंबर (हि.स.)। दूरियों को पाटने और सद्भावना को बढ़ावा देने के एक महत्वपूर्ण प्रयास में भारतीय सेना ने जम्मू और कश्मीर के राजौरी जिले के चकलसाल्टा में गुज्जर और बक्करवाल के साथ संवाद नामक एक कार्यक्रम का आयोजन किया। गुज्जर और बक्करवाल जनजातियाँ, जो इस क्षेत्र के सबसे हाशिए पर पड़े समुदायों में से हैं शिक्षा, आर्थिक अवसरों और सामाजिक विकास में कई चुनौतियों का सामना कर रही हैं। इसे पहचानते हुए राज्य और केंद्र सरकारों ने उनके उत्थान के उद्देश्य से विभिन्न कल्याणकारी योजनाएँ लागू की हैं जिनमें शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और रोज़गार में पहल शामिल हैं।

भारतीय सेना के संवाद कार्यक्रम ने इन सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता फैलाने और गुज्जर और बक्करवाल समुदायों की चिंताओं को दूर करने के लिए एक मंच के रूप में काम किया।

इस कार्यक्रम में पाँच सरपंचों और बक्करवाल समुदाय के 33 सदस्यों ने भाग लिया जिनमें बुजुर्ग और युवा शामिल थे।

इस पहल का उद्देश्य भारतीय सेना और स्थानीय आबादी के बीच संबंधों को मजबूत करना, आपसी विश्वास और समझ को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम के दौरान,समुदायों के सामने आने वाली चुनौतियों पर चर्चा की गई और संवाद और सहयोग के माध्यम से अंतर को पाटने के प्रयास किए गए।

पुलिस ने यातायात के मुक्त प्रवाह को बाधित करने वालों पर की करवाई

जम्मू, 20 दिसंबर, हि.स.। अखनूर में यातायात के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए एक सक्रिय कदम उठाते हुए जम्मू पुलिस ने यातायात के मुक्त प्रवाह को बाधित करने वाले सात इलेक्ट्रिक ऑटो जब्त किए। वाहनों पर मोटर वाहन अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

अधिकारियों ने कहा कि यह कार्रवाई पुलिस द्वारा व्यवस्था बनाए रखने और यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करने के प्रयासों के तहत की गई। यातायात की आवाजाही को प्रभावित करने वाले किसी भी उल्लंघन को दूर करने के लिए सख्त प्रवर्तन उपाय लागू किए जाते रहेंगे।

जरूरतमंदों में कंबल वितरित

जम्मू, 24 दिसंबर (हि.स.)। सद्भावना के एक हृदयस्पर्शी प्रदर्शन में भारतीय सेना ने परोर गुज्जरान में गुज्जर और बक्करवाल समुदायों के लिए कंबल वितरण अभियान का आयोजन किया। यह पहल सद्भाव को बढ़ावा देने और स्थानीय आबादी का समर्थन करने के लिए सेना के चल रहे प्रयासों का हिस्सा है जो सुरक्षा सुनिश्चित करने के अपने प्राथमिक कर्तव्य से परे सशस्त्र बलों की मानवीय भूमिका को रेखांकित करती है। इस कार्यक्रम में महिलाओं को 55, पुरुषों को 30 और वरिष्ठ नागरिकों को 16 कंबल वितरित किए गए। वंचितों की तत्काल जरूरतों को पूरा करके भारतीय सेना स्थानीय आबादी के साथ विश्वास और सद्भावना के पुल बनाना जारी रखती है। यह आउटरीच कार्यक्रम जम्मू और कश्मीर के लोगों के साथ अपने बंधन को मजबूत करने के लिए सेना द्वारा की गई कई पहलों में से एक है। ऐसे प्रयासों के माध्यम से सेना न केवल शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है बल्कि अपने समुदायों की भलाई में भी सकारात्मक योगदान देती है। अपने व्यापक मिशन के हिस्से के रूप में भारतीय सेना ने आने वाले दिनों में समाज के वंचित और हाशिए पर पड़े वर्गों को अपना समर्थन देते हुए ऐसी पहल जारी रखने का संकल्प लिया है।

महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति किया जागरूक

जम्मू, 24 दिसंबर (हि.स.)। लैंगिक समानता और जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए एक प्रेरक पहल में भारतीय सेना ने अरी पुंछ में गुरु ग्राम ग्लोबल हाइट्स स्कूल में महिला सशक्तिकरण पर एक व्याख्यान आयोजित किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों विशेष रूप से लड़कियों को स्वतंत्र निर्णय लेने के लिए मार्गदर्शन करना था जो उनके व्यक्तिगत विकास और सामाजिक कल्याण दोनों को लाभ पहुंचाए।

कंपनी कमांडर द्वारा दिए गए व्याख्यान में इस बात पर जोर दिया गया कि जब महिलाओं को सही अवसर और वातावरण प्रदान किया जाता है तो वे लगातार विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करती हैं। इसमें ऐसी परिस्थितियाँ बनाने के महत्व पर जोर दिया गया जो महिलाओं को सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और सार्वजनिक जीवन में सक्रिय रूप से भाग लेने में सक्षम बनाती हैं जिससे समाज की बेहतरी के लिए उनकी पूरी क्षमता का उपयोग हो सके। सत्र में निर्णय लेने में महिलाओ की परिवर्तनकारी भूमिका पर भी प्रकाश डाला गया जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर इसके सकारात्मक प्रभाव को नोट किया गया। प्रतिभागियों को महिलाओं के उत्थान और उन्हें विकास और सशक्तीकरण के अवसर प्रदान करने के लिए बनाई गई विभिन्न सरकारी योजनाओं से परिचित कराया गया। कार्यक्रम में कुल 73 व्यक्ति शामिल हुए जिनमें 67 छात्र और 6 शिक्षक शामिल थे जिन्होंने जागरूकता बढ़ाने और सशक्तीकरण को बढ़ावा देने में सेना के प्रयासों की सराहना की।

Union Territory of Jammu & Kashmir
Jal Shakti (Irrigation & Flood Control) Department
Office of the Executive Engineer Irrigation Division No.II Jammu
E-Mail: ifcjmuxenid2@gmail.com, xenirrigation-div2@jk.gov.in, Tel/Fax: 0191-2457756
****

No:JID/II/2024-25/5516-5552
Dated:23-12-2024

Cancellation Notice

Subject:Cancellation of tender for the work namely "Silt clearance of Tanda Branch of D-10 of Main Ranbir Canal from RD 2950 to 6000 Mtr".

Reference: This office E-NIT No. 18 of 12/2024-25 issued vide endorsement No. JID/II/2024-25/5094-5130Dated07-12-2024. (Works figuring at S.No.6)

This is for the information of all the intending bidders thatthe 2 bidders have participated in the online technical bidding process, both the bidders are rejected as per the terms and conditions of e-NIT. The fresh e-NIT shall be floated shortly.

Sd/-
(Er. Hafiz Ullah Reshi)
Executive Engineer
Irrigation Division No.II
Jammu

DIP/J-8557/24
Dtd: 24-12-2024

संपादकीय

सार्वजनिक सुरक्षा में समुदायिक सहयोग

इस बात की सख्त जरूरत है कि जम्मू-कश्मीर पुलिस सामुदायिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जनता को शामिल करे, क्योंकि जनता-पुलिस भागीदारी को मजबूत करना शांति बनाए रखने और सभी हितधारकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में सहायक साबित हो सकता है। यह अच्छा था कि सुरक्षा समीक्षा के हिस्से के रूप में खाकी वर्दीधारी जवानों ने जम्मू शहर का दौरा किया और लोगों से बातचीत की और क्षेत्र की सुरक्षा को मजबूत बनाने के लिए समर्थन मांगा, क्योंकि क्षेत्र के लोग प्रशासन के कान और आंख बनकर पुलिस की कई तरह से मदद कर सकते हैं और अपने आसपास हो रही गतिविधियों पर बारीकी से नजर रख सकते हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, डीआईजी जम्मू-कठुआ के नेतृत्व में शीर्ष पुलिस अधिकारियों की टीम ने हाल ही में लोगों का विश्वास जीतने और बेईमान तत्वों को किसी भी तरह की शरारत न करने का कड़ा संदेश देने के लिए पुराने जम्मू शहर के बाजारों और होटलों की सुरक्षा समीक्षा की है। दौरे के दौरान, अधिकारियों ने होटलों की जांच की, स्थानीय बाजार संघों के सदस्यों से मुलाकात की और आम लोगों से किसी भी संदिग्ध व्यक्ति, गतिविधियों या शरारती तत्वों के बारे में निकटतम पुलिस स्टेशन को जानकारी साझा करने की अपील की।

अधिकारियों द्वारा की गई अपील काफ़ी महत्वपूर्ण है क्योंकि पुलिस के लिए हर समय सभी जगहों पर मौजूद रहना संभव नहीं है, लेकिन ऐसे प्रयासों के ज़रिए लोगों को शामिल करके चौबीसों घंटे निगरानी की जा सकती है क्योंकि लोग दिन के ज़्यादातर समय बाज़ारों और दूसरे इलाकों में मौजूद रहते हैं और रात में भी, इस तरह अपराध और क्षेत्र में शांति के लिए हानिकारक अन्य गतिविधियों को नियंत्रित करने के लिए ज़रूरी जानकारी इकट्ठा करने और उसे लोगों तक पहुँचाने की क्षमता होती है।

कुल मिलाकर, पुलिस को समुदाय में शांति और सुरक्षा बनाए रखने में मदद करने वाली महत्वपूर्ण जानकारी इकट्ठा करने के लिए लोगों से सक्रिय रूप से जुड़ना चाहिए। नागरिकों से संदिग्ध व्यक्तियों, गतिविधियों या सार्वजनिक सद्भाव को ख़तरे में डालने वाली किसी भी चीज़ के बारे में जानकारी साझा करने के लिए कहकर, अपराधों को रोकने के लिए कानून प्रवर्तन को अगले स्तर तक बढ़ाया जा सकता हैसार्वजनिक सहयोग ज़रूरी है, क्योंकि स्थानीय निवासियों के पास अक्सर मूल्यवान जानकारी होती है जो अधिकारियों की नज़रों से ओझल हो सकती है। खुले संचार के ज़रिए लोगों का भरोसा जीतना लोगों को असामान्य व्यवहार की रिपोर्ट करने के लिए प्रोत्साहित करता है, जिससे सभी के लिए सुरक्षित माहौल बनता है। इस भागीदारी को बढ़ावा देकर, पुलिस सुरक्षा चुनौतियों का बेहतर ढंग से समाधान कर सकती है और समुदाय की ज़्यादा प्रभावी ढंग से रक्षा कर सकती है।

मूल्यों की राजनीति व राष्ट्र प्रथम के अगुआ थे अटलजी

धर्मपाल सिंह

लोकसभा के शीतकालीन सत्र में विपक्ष का विद्रूप दृश्य सबने देखा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विपक्ष को इस अवसर पर राजनीति के श्लाका पुरुष अटल बिहारी वाजपेयी की वह 13 दिन की सरकार याद दिलाई। उन्होंने कहा, बाजार तब भी लगता था, खरीद-फरोख्त तब भी होती थी, लेकिन अटलजी ने सौदा नहीं किया। क्योंकि वे संविधान और लोकतांत्रिक मर्यादाओं के प्रति समर्पित थे। मूल्यों की राजनीति व राष्ट्र प्रथम के लक्ष्य का यह सर्वोच्च भाव ही तो था, जिसकी भाव भूमि पर अटलजी ने शंखनाद किया, 'सरकारें आएंगी, जाएंगी, पार्टियां बनेंगी, बिगड़ेंगी मगर ये देश रहना चाहिए।'

वर्ष 1998 में लालकिले की प्राचीर से प्रधानमंत्री के रूप में राष्ट्र के नाम प्रथम संबोधन में उन्होंने स्पष्ट कहा, 'मैंने जीवन में कभी सत्ता के लालच में सिद्धांतों के साथ सौदा नहीं किया है और न मैं भविष्य में करूंगा। सत्ता का सहवास और विपक्ष का वनवास मेरे लिए एक जैसा है।' राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे विषयों पर आज जब विपक्ष 'सबूत' मांगने जैसा प्रहसन करता है, अटलजी ने चार दशक से अधिक समय तक विपक्ष में रहते हुए मर्यादा के नए प्रतिमान गढ़े। वर्ष 1971 में भारत-पाकिस्तान का युद्ध का समय हो या पीवी नरसिम्हा राव के समय उपजा संकट हो, अटल ने साफ कहा कि देश की कीमत पर राजनीति नहीं हो सकती। राष्ट्रहित को चोट पहुंचाने वाले किसी भी कार्य के लिए इतिहास हमें कभी माफ नहीं करेगा।

हम उन सौभाग्यशाली पीढ़ियों में हैं जिन्हें राष्ट्रपुरुष अटल जी का सानिध्य भी मिला और मार्गदर्शन भी। अटल जी भौतिक रूप से हमारे मध्य नहीं है, लेकिन उनके आदर्श, भाजपा के लिए तय किए गए उनके मानक हमारे लिए गीता की तरह हैं। पल-प्रतिपल अटलजी का जीवन, उनकी राजनीतिक विशिष्टता, संगठनात्मक सर्वोच्चता पल-प्रतिपल हमें राह दिखाती है। सफलता व विजय के क्षणों में अटलजी की विनम्रता ध्यान में रहती है, 'छोटे मन से कोई बड़ा नहीं होता..।' परिणाम अपेक्षित नहीं होते तो भी अटलजी गूंजते हैं, 'हार नहीं मानूंगा, रार नई

ठानूंगाज।' राजनीति व राष्ट्रनीति दोनों के ही वह सबसे बड़े भविष्य दृष्टा थे। इसीलिए भाजपा की नींव रखते हुए उन्होंने शंखनाद किया था, 'अंधेरा छंटेगा, सूरज निकलेगा, कमल खिलेगा..।'

अटलजी ने 80 के दशक में भाजपा की नींव रखते हुए देश की जमीनी स्थिति एवं समस्याओं को निकट से महसूस किया था। उन्होंने कहा, 'आजादी के बाद के इन वर्षों के दौरान देश में गरीबी, भूख, बेकारी, शहर और गांव का अंतर, गरीब-अमीर के बीच की खाई बढ़ रही है। इस दरार को पाटने, देश के लाखों-करोड़ों नौजवानों का भविष्य सुधारने, एक मजबूत अर्थव्यवस्था की नींव रखने की ओर कोई कदम नहीं बढ़ाया गया।' इसलिए अटलजी ने जब भाजपा-नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार का नेतृत्व संभाला तो उन्होंने अंत्योदय से सर्वोदय तक की यात्रा प्रारंभ की। यह उनकी समन्वय, समानता और सर्वस्वीकार्यता ही तो थी कि 24 राजनीतिक दलों के साथ देश की पहली गैर-कांग्रेसी सरकार पांच वर्ष तक सफलतापूर्वक चलाई। अटलजी की इन नीतियों का प्रतिबिंब मोदी सरकार की योजनाओं में भी स्पष्ट है।

आदि शंकराचार्य ने इस देश को सांस्कृतिक, आध्यात्मिक एवं धार्मिक एकता के सूत्र में बांधा था। अटलजी ने प्रशासक के रूप में देश में आधारभूत और ढांचागत एकता का सूत्रपात किया। पूरे देश को विश्वस्तरीय सड़कों से जोड़ने की 'स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना' स्वतंत्र भारत की सबसे महत्वपूर्ण परियोजनाओं में एक थी। अटलजी सुविधाओं और संसाधनों में गांव-शहर की समता के पक्षधर थे। नीति निर्धारण में भी यह प्रतिबिंबित हुआ। वह जानते थे कि गांव तक विकास की रफ्तार पहुंचाने के लिए पगडंडियों की नहीं सड़कों की जरूरत है। इसलिए, अटलजी ने देश के हर गांव को सड़क से जोड़ने का महाभियान 'प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना' प्रारंभ की। भारत की टेलिकॉम क्रांति के जनक भी तो वही थे जिसने घर-घर को दूरसंचार सुविधाओं और सस्ती फोन कॉल से जोड़ा। जय जवान, जय किसान और जय विज्ञान का उनका मंत्र भारत की वैज्ञानिक क्षमताओं की पूरे विश्व में उद् घोषणा कर रहा है।

अटलजी ने हिंदुत्व और विकास की पूरकता को भी राजनीतिक-सामाजिक मंच पर रखा। उन्होंने साफ कहा, राष्ट्रीयता के संदर्भ में भारतीय और हिंदू पर्यायवाची शब्द हैं। भारत एक प्राचीन राष्ट्र है। हमें किसी नए राष्ट्र का निर्माण नहीं करना है, अपितु इस प्राचीन राष्ट्र को सुदृढ़, समृद्ध और आधुनिक रूप देना है। अटलजी की विदेश नीति, राष्ट्रीय सुरक्षा, प्रशासन, जनकल्याणकारी योजनाओं में 21वीं सदी की इन आकांक्षाओं की झलक थी, जिसे आज भाजपा नीति सरकारें 'विरासत भी, विकास भी' के संकल्प को आगे बढ़ा रही हैं। अटलजी जानते थे कि 21वीं सदी की मजबत नींव समावेशी शिक्षा पर ही रखी जा सकेगी। इसलिए लाल किले की प्राचीर से ही प्राथमिक स्कूलों में निःशुल्क पाठ्य पुस्तकें उपलब्ध कराने की घोषणा की थी। सर्व शिक्षा अभियान की उनकी जलाई ज्योति से देश के हर कोने तक शिक्षा का प्रकाश पहुंच रहा है।

भारत रत्न अटलजी ने अनावश्यक चुनावों के बोझ की ओर ध्यान आकृष्ट किया था। उन्होंने देश को संबोधित करते हुए कहा कि क्या बार-बार चुनाव होना देश के लिए अच्छी बात है? क्या इन चुनावों पर होने वाले भारी खर्च का बोझ बार-बार उठाना देशहित में है। अटलजी की इस आकांक्षा का मान रखते हुए मोदी जी ने 'एक देश, एक चुनाव' के संकल्प की दिशा में कदम उठाया है। अटलजी ने कहा था, 'इक्कीसवीं सदी हमारा दरवाजा खटखटा रही है। यह कहने में कोई संकोच नहीं है कि यह सदी स्त्रियों की सदी होगी।' देश के विकास में आधी दुनिया की पूरी भागीदारी के लिए 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' अटलजी की दिखाई राहों का ही प्रतिफल है। मां भारती के सच्चे पुत्र व वैश्विक नायक अटलजी के सपनों के भारत का निर्माण ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि

(लेखक, उत्तर प्रदेश भाजपा के संगठन महामंत्री हैं।)

आधुनिक भारतीय संरचना के शंकराचार्य अटल जी

मनीष शुक्ला

दृष्टि अटल पर, वोट कमल पर, राजतिलक की करो तैयारी आ रहे हैं अटल बिहारी भाजपा की तीन धरोहर, अटल, आडवाणी, मुरली मनोहर- देश के नारे बदलते गए लेकिन अपने नाम के मुताबिक अटलजी अडिग रहे। जब देश में राजनैतिक तूफान चरम पर था तब भी अटल बिहारी वाजपेयी किसी पतवार की तरह राष्ट्र के दिशा सूचक बने रहे। उनकी सोच में व्यापकता थी और समझ समावेशी थी। यही वजह रही कि उनकी अगुवाई में गठबंधन की सरकार पहली बार पांच वर्ष का कार्यकाल पूरा कर सकी। उनका विराट व्यक्तित्व वट वृक्ष के समान था जिसकी छांव में उनके राजनैतिक विरोधी भी आनंद का अनुभव करते थे।

उनके स्वभाव में अभाव नहीं था इसीलिए उन्होंने जब भारतीय जनता पार्टी का नेतृत्व किया तो राष्ट्रीय पार्टी के रूप में देश के कोने-कोने तक पहचान दिलाई। जब उन्होंने देश की बागडोर संभाली तो विकासशील से विकसित भारत बनाने का संकल्प किया। भारत रत्न अटल जी जब प्रधानमंत्री बने तो दुनिया इक्कीसवीं सदी में कदम रख रही थी। मानो उन्होंने तभी ठान लिया कि नई सदी में संसार के सामने एक नया सितारा उदित होगा जिसकी शस्य श्यामला धरती होगी।

अटल जी अद्भुत शिल्पी थे। वो अस्थिरता को स्थिरता में बदल देते थे। वो आदि शंकराचार्य की परंपरा के आधुनिक संत थे। जिस प्रकार जगदगुरु जानते थे कि एक राष्ट्र को बांधने के लिए चारों दिशाओं में शक्ति के केंद्र होने चाहिए, उसी प्रकार अटल जी भी मानते थे कि अर्थव्यवस्था के चारों स्तंभों को एक सूत्र में बांधने से एक नए अर्थतंत्र की स्थापना हो जाएगी जिससे सदियों-सदियों तक देश को प्राणशक्ति मिलती रहेगी। वो दिल्ली से हिंदुस्तान नहीं देखते थे बल्कि सुदूर सीमाओं से राजधानी तक पहुंचने में विश्वास करते थे। इसीलिए उन्होंने देश के सबसे लंबे हाईवे प्रोजेक्ट 'स्वर्णिम चतुर्भुज' की शुरुआत की। जिससे चारों महानगरों दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई और मुंबई को आपस में जुड़ सके। इस परियोजना को अमेरिकी राष्ट्रीय राजमार्ग प्रणाली की तरह बनाया गया। करीब 5800 किलोमीटर की दूरी तय करने वाला ये देश का सबसे बड़ा और दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा प्रोजेक्ट है। जिसने सीमेंट और स्टील की मांग में नई जान फूंक दी। जिससे वाणिज्य और रियल स्टेट क्षेत्र को भी नया जीवन मिला।

वाजपेयी जी जानते थे कि किसी भी अर्थव्यवस्था का दिल सड़कों से ही धड़कता है जो उसकी शिराओं का काम करती हैं। उन्होंने देश के बुनियादी ढांचे को ठोस बनाने के लिए कार्यदल का गठन किया था। प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के जरिए उन्होंने हर मौसम में हर गांव तक पहुंच बनाने की अनूठी पहल की। जिससे ना केवल आर्थिक बल्कि सामाजिक क्रांति के द्वार खोल दिए। जिससे छोटे और सीमांत किसान के पास बाजार स्वयं उठकर पहुंच गया। इससे पहले जिन किसानों के पास उपज को संग्रह करने की क्षमता नहीं थी उन्हें स्थानीय मंडियों में ही कम दामों में बेचना पड़ता था। खेतिहर मजदूरों को गांव के बाहर निकलने और बेहतर मजदूरी पाने की सुविधा मिली। इस सड़क परियोजना से ग्रामीण प्रतिभाओं के विश्व मंच तक पहुंचने का रास्ता भी साफ हो गया।प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की अध्यक्षता में भारत सरकार ने 3 मार्च 1999 को नई दूरसंचार नीति की घोषणा की। जिससे यह निजी क्षेत्र के लिए खुल गया। जिससे देश भर के टेलीफोन बूथ के कतार लगाए खड़े भारतीयों के हाथ में मोबाइल फोन आ गया और आज हम विश्व में 5जी में सबसे आगे हैं तो उसकी नींव अटल जी के समय में ही पड़ी थी, जिसे तेजी से आगे बढ़ाने के काम नरेन्द्र मोदी कर रहे हैं।। कारोबार और उद्योग चलाने के लिए सरकार की भूमिका को कम करने के लिए ऐसा करना आवश्यक था और इससे जड़ हो चुके और मंद पड़े टेलीकॉम सेक्टर को नई प्राणवायु मिली। ये अटलजी की ही नीति थी जिसने स्मार्टफोन की दुनिया में भारत को दूसरा सबसे बड़ा बाजार बना दिया। जो आने वाले समय में चीन को पछाड़ कर नंबन वन मार्केट बनने की क्षमता रखता है। नई दूरसंचार नीति से सरकारी स्वामित्ववाली कंपनियों का एकाधिकार खत्म हो गया और इस क्षेत्र में नई क्रांति लानेवाली निजी कंपनियों के आगे आने का मार्ग प्रशस्त हो गया। प्राइवेट कंपनियों की आपसी प्रतिस्पर्धा की वजह से टैरिफ में भारी गिरावट आई और मिलनेवाली सुविधाओं की गुणवत्ता में भी क्रांतिकारी सुधार आया। आज के डिजिटल इंडिया की नींव पहला पत्थर वाजपेयीजी ने ही रखा था।

अटलजी मन से उदार थे लेकिन सरकारी खर्च को लेकर उतने ही सजग भी थे। उनके उल्लेखनीय निर्णयों में से एक 2003 के राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंधन अधिनियम की शुरुआत थी। जिसका उद्देश्य सरकारी खर्चों में अनुशासन और राजकोषीय घाटे को नियंत्रण में रखना था। इससे पब्लिक सेक्टर सेविंग्स वित्त वर्ष 2000 में जीडीपी का 0.8 प्रतिशत थी वो साल 2005 में बढ़कर जीडीपी का 2.3 फीसदी हो गया। इस कानून की वजह से खर्च और घाटे के नियम सख्ती से लागू किए गए। इसके अलावा उनकी सरकार ने बचत के दूसरे भी तरीके अपनाए जिससे राजकोषीय घाटे में और कमी आई। फिसकल डेफिसिट का कम होना बेहतर इकोनॉमी के संकेत देता है। उनकी सरकार ने औद्योगिक उत्पादन और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए विशेष निर्यात प्रसंस्करण क्षेत्रों, सूचना और प्रौद्योगिकी और औद्योगिक पार्कों की स्थापना शुरू की जिसपर बड़ी शान से आज का मेक इन इंडिया स्थापित है।

भारतीय इकोनॉमी के पैरों को सरकारी सुस्ती ने जकड़ रखा था। उसी तरह सरकारी कंपनियों की वजह से बाजार का बहुत बड़ा हिस्सा खुल नहीं पा रहा था। बतौर प्रधानमंत्री अटलजी ने निजीकरण और विनिवेश पर बल दिया। वो देश के पहले ऐसे प्रधानमंत्री थे जिनके पास सबसे अलग विनिवेश मंत्रालय भी था। उन्होंने 'रणनीतिक बिक्री' के तहत सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के निजीकरण का साहसिक फैसला किया। उनके ही कार्यकाल में भारत एलमुनियम कंपनी लिमिटेड, हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड और विदेश संचार निगम लिमिटेड जैसी कंपनियो का विनिवेश किया गया। उन्होंने बीमा कंपनियों में विदेशी निवेश की सीमा को 26 प्रतिशत बढा दिया था। उनकी दूरदर्शिता की वजह से ही आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढने वाली अर्थव्यवस्थाओं में गिना जा रहा है।

वाजपेयी सरकार ने ही ब्याज दरों को कम करने का राजनैतिक रूप से कठिन निर्णय लिया। वो एसेट रिकंसट्रक्शन कंपनियों को लेकर आए जो बैंकों को उनके खराब ऋणों से निपटने के लिए पहला कदम था। जिसके कारण लाखों लोगों का 'अपना घर' का सपना साकार हो सका। अटल बिहारी बाजपेयी के कार्यकाल में सस्ते घर कर्ज ने हर भारतीयों को घर लेने का सपना साकार करने में मदद की। हर उस क्षेत्र में जहां सुधार की आवश्यकता थी, अटल बिहारी बाजपेयी के कार्यकाल में उस पर काम हुआ। देश में बिजली का क्षेत्र भी ऐसा ही क्षेत्र था, जिसमें बड़े सुधारों की आवश्यकता थी। उन्होने केंद्रीय बिजली आयोग बनाया। साल 2003 के विद्युत अधिनियम ने बिजली क्षेत्र में सुधार किया। जिससे निजी भागीदारी और प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिला।

ड्रग के दुरुपयोग से हो सकती हैं कई तरह की शारीरिक स्वास्थ्य समस्याएँ

-डॉ. सत्यवान सौरभ

हाल ही में एक जांच से पता चला है कि नशीली दवाओं की लत की महामारी, जो ज्यादातर युवा पुरुषों को प्रभावित कर रही है, पूरे भारत में फैल रही है। नशीली दवाओं का दुरुपयोग भारत में महत्वपूर्ण सामाजिक और स्वास्थ्य मुद्दा है। भारत की विविध आबादी, बड़ी युवा जनसांख्यिकी और आर्थिक असमानताएँ देश में नशीली दवाओं के दुरुपयोग की जटिल प्रकृति में योगदान करती हैं। सांस्कृतिक मूल्यों को बदलना, आर्थिक तनाव में वृद्धि और सहायक सम्बंधों में कमी से पदार्थ का उपयोग शुरू हो रहा है। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार 10 से 75 वर्ष की आयु के 16 करोड़ लोग (14.6त्न) शराब के वर्तमान उपयोगकर्ता हैं और उनमें से 5.2त्न शराब पर निर्भर हैं। लगभग 3.1 करोड़ व्यक्ति (2.8त्न) भांग उपयोगकर्ता हैं और 72 लाख (0.66त्न) लोग भांग की समस्या से पीड़ित हैं। 7त्न बच्चे और किशोर इनहेलेंट का इस्तेमाल करते हैं, जबकि वयस्कों में यह दर 0.58त्न है। लगभग 18 लाख बच्चों को इनहेलेंट के इस्तेमाल के लिए मदद की ज़रूरत है। अनुमान है कि लगभग 8.5 लाख लोग इंजेक्शन के ज़रिए ड्रग्स ले रहे हैं। भारत में ड्रग्स की सबसे चिंताजनक श्रेणी ओपिओइड है, भारत में ओपिओइड के इस्तेमाल का प्रचलन वैश्विक औसत (0.7त्न बनाम 2.1त्न) से तीन गुना ज्यादा है। सभी ड्रग श्रेणियों में, ओपिओइड समूह (विशेष रूप से हेरोइन) की ड्रग्स बीमारी, मृत्यु और विकलांगता की सबसे ज्यादा दरों से जुड़ी हैं।

ड्रग के दुरुपयोग से कई तरह की शारीरिक स्वास्थ्य समस्याएँ हो सकती हैं, जिनमें लीवर की बीमारी (शराब से), संक्रामक रोग (इंजेक्शन ड्रग के इस्तेमाल में सुइयों को साझा करने के कारण) और ओवरडोज़ से होने वाली मौतें शामिल हैं। साथ ही, मादक द्रव्यों के सेवन का मानसिक स्वास्थ्य विकारों जैसे अवसाद और चिंता से गहरा सम्बंध है।

यह मौजूदा मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं को बढ़ा सकता है या नए लोगों के विकास को जन्म दे सकता है। ड्रग के दुरुपयोग से परिवार टूट सकते हैं, संघर्ष बढ़ सकते हैं और परिवारों के भीतर भावनात्मक आघात हो सकता है।

नशीली दवाओं के दुरुपयोग से प्रभावित परिवारों में बच्चों को उपेक्षा, दुर्व्यवहार और शिक्षा में बाधा का सामना करना पड़ सकता है, जिससे उनकी समग्र भलाई प्रभावित होती है। नशीली दवाओं की लत से जूझ रहे व्यक्तियों को अक्सर सामाजिक कलंक का सामना करना पड़ता है, जो उनके ठीक होने और समाज में फिर से शामिल होने में बाधा बन सकता है। परिवार के किसी सदस्य की लत को सहने की लागत और उससे जुड़े चिकित्सा व्यय के कारण परिवारों को अक्सर वित्तीय कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। अधिकांश नशीली दवाओं के उपयोगकर्ता 18-35 वर्ष की उत्पादक आयु वर्ग में होते हैं, नशीली दवाओं की लत के कारण कार्यस्थल पर अनुपस्थिति और उत्पादकता में कमी आ सकती है। हिंसा और अपराध में वृद्धि नशीली दवाओं के दुरुपयोग का प्रत्यक्ष प्रभाव है। नशे के आदी लोग अपनी दवाओं के भुगतान के लिए अपराध का सहारा लेते हैं। नशीली दवाएँ संकोच को दूर करती हैं और निर्णय लेने की क्षमता को कम करती हैं, जिससे व्यक्ति अपराध करने के लिए प्रेरित होता है। नशीली दवाओं के दुरुपयोग के साथ छेड़छाड़, समूह संघर्ष, हमला और आवेगपूर्ण हत्याओं की घटनाएँ बढ़ जाती हैं।

आम आबादी, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में नशीली दवाओं के दुरुपयोग के जोखिमों और इसके परिणामों के बारे में सीमित जागरूकता है। इसके अलावा, स्कूलों और समुदायों में लोगों, विशेष रूप से युवा व्यक्तियों को नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खतरों के बारे में सूचित करने के लिए शैक्षिक कार्यक्रम अपर्याप्त हैं।

मादक द्रव्यों के सेवन के विकार वाले व्यक्तियों को कलंकित करने से वे सहायता और समर्थन प्राप्त करने से हतोत्साहित हो सकते हैं। स्वास्थ्य सुविधाओं और समाज में बड़े पैमाने पर भेदभाव उपचार और पुनर्वास सेवाओं तक पहुँच में बाधा उत्पन्न कर सकता है। नशीली दवाओं की लत के उपचार सुविधाओं और योग्य स्वास्थ्य पेशेवरों की भारी कमी है। भारत में नशीली दवाओं के दुरुपयोग के प्रचलन और पैटर्न पर सीमित शोध है, जो साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण और कार्यक्रम विकास में बाधा डालता है। नशीली दवाओं के दुरुपयोग की छिपी और कलंकित प्रकृति के कारण सटीक डेटा एकत्र करने में भी चुनौतियाँ हैं। प्रमुख अफीम उत्पादक क्षेत्रों के करीब भारत की भौगोलिक स्थिति इन दवाओं की आसान उपलब्धता की ओर ले जाती है। इसके अलावा, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के अनुसार, अवैध नशीली दवाओं के व्यापार के लिए डार्क नेट और क्रिप्टोकरेंसी का उपयोग करने का चलन बढ़ रहा है। भारत में नए साइकोएक्टिव पदार्थों की खपत बढ़ रही है और ये पदार्थ अक्सर मौजूदा दवा नियंत्रण नियमों के दायरे से बाहर हो जाते हैं, जिससे कानून प्रवर्तन एजेंसियों के लिए उन्हें प्रभावी ढंग से मॉनिटर और विनियमित करना चुनौती बन जाता है।

व्यापक विधायी नीति तीन केंद्रीय अधिनियमों में निहित है, अर्थात औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940, स्वापक औषधि और मन- प्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985 और स्वापक औषधि और मन- प्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1988 में अवैध तस्करी की रोकथाम। यह भारत में नशीली दवाओं के कानून प्रवर्तन के लिए नोडल एजेंसी है। इसकी स्थापना 1986 में देश भर में नशीली दवाओं के कानून प्रवर्तन प्रयासों के समन्वय के लिए की गई थी। नशीली दवाओं के कानून प्रवर्तन में हितधारकों की बहुलता ने वास्तविक समय के आधार पर विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय को आवश्यक बना दिया है। गृह मंत्रालय ने जमीनी स्तर से लेकर शीर्ष स्तर तक देश भर के हितधारकों के बीच समन्वय बढ़ाने और नशीली दवाओं के खतरे से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए चार-स्तरीय समन्वय तंत्र का गठन किया है। शीर्ष एनसीओआरडी, कार्यकारी एनसीओआरडी, राज्य एनसीओआरडी और ज़िला कॉर्ड तंत्र के चार स्तंभ हैं। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय (एमओएसजेई) नशे की लत के लिए एकीकृत पुनर्वास केंद्रों (आईआरसीए) के रखरखाव के लिए गैर सरकारी संगठनों और स्वैच्छिक संगठनों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। ये केंद्र मादक द्रव्यों के सेवन के विकारों वाले व्यक्तियों को व्यापक पुनर्वास सेवाएँ प्रदान करते हैं। एमओएसजेई ने 2018-2025 के लिए एनएपीडीडीआर शुरू किया। योजना का उद्देश्य बहुआयामी रणनीति के माध्यम से नशीली दवाओं के दुरुपयोग के प्रतिकूल परिणामों को कम करना है।

सरकार को सीमा शुल्क, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो और राज्य पुलिस बलों सहित नशीली दवाओं के नियंत्रण में शामिल कानून प्रवर्तन एजेंसियों को मज़बूत करने के लिए उपाय करने चाहिए। इसमें उन्हें बेहतर प्रशिक्षण, तकनीक और संसाधन प्रदान करना शामिल हो सकता है। गरीबी, बेरोजगारी और शिक्षा की कमी जैसे सामाजिक-आर्थिक कारक नशीली दवाओं के दुरुपयोग और तस्करी में योगदान कर सकते हैं। इसलिए, सरकार ग़रीबी कम करने के उपायों, रोजगार सर्जन योजनाओं और शिक्षा तक पहुँच बढ़ाकर इन मुद्दों को सम्बोधित कर सकती है। नशीली दवाओं की मांग को कम करने के लिए समुदाय-आधारित रोकथाम कार्यक्रम, शिक्षा और जागरूकता अभियान चलाए जा सकते हैं। नशीली दवाओं के दुरुपयोग से निपटने के लिए एक समग्र और बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है जिसमें रोकथाम, शिक्षा, उपचार, नुक़सान में कमी, नीति सुधार और समुदाय की भागीदारी में वृद्धि शामिल है। भारत में नशीली दवाओं के दुरुपयोग के प्रभाव को कम करने के लिए सरकारी एजेंसियों, स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं, गैर सरकारी संगठनों और समुदाय के बीच सहयोग आवश्यक है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

अश्विन ने बताया धोनी की सफलता का राज, कहा-बुनियादी बातों पर टिके रहना उन्हें दूसरों से अलग बनाता है

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने बतौर कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी की सफलता का खुलासा करते हुए कहा कि उनकी सादगी और बुनियादी बातों पर टिके रहना उन्हें दूसरे कप्तानों से अलग बनाता है। मैदान पर सबसे बेहतरीन कप्तानों में से एक माने जाने वाले धोनी ने भारत के लिए हर ट्रॉफी जीतने के बाद संन्यास ले लिया। 2007 में, धोनी ने टूर्नामेंट के उद्घाटन संस्करण में एक युवा भारतीय टीम को टी20 विश्व कप चैंपियन बनाया। चार साल बाद, वह कपिल देव की अगुआई वाली 1983 विश्व कप विजेता टीम के बाद भारत को एकदिवसीय विश्व कप खिताब दिलाने वाले पहले कप्तान बने। 2013 में, जब भारतीय टीम के हालात बहुत खराब थे, तब धोनी ने बेहद शांतचित्त होकर भारतीय टीम को आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीताई। आईपीएल 2025 में चेन्नई सुपर किंग्स में फिर से एक साथ आने की तैयारी कर रहे दोनों खिलाड़ियों के बीच, अश्विन ने इस बात पर जोर दिया कि धोनी की सादगी और बुनियादी बातों पर टिके रहना उन्हें दूसरों से अलग बनाता है।

ब्राजील के डिफेंडर एड्रिएलसन ल्योन लौटे

रियो डी जेनेरियो। ब्राजील के डिफेंडर एड्रिएलसन बोटाफोगो में चार महीने का ऋण अनुबंध पूरा करने के बाद ल्योन लौट आए हैं। ब्राजील के सेरी ए क्लब ने उक्त जानकारी दी। रियो डी जेनेरियो क्लब को छोड़कर ल्योन के लिए साइन करने के आठ महीने बाद एड्रिएलसन सितंबर में बोटाफोगो में शामिल हुए थे और अब फिर से अपने पुराने क्लब ल्योन वापस आ गए। ल्योन और बोटाफोगो दोनों के मालिक अमेरिकी व्यवसायी जॉन टेक्स्टर हैं। बोटाफोगो के साथ अपने नवीनतम कार्यकाल में, एड्रिएलसन ने 11 मैच खेले और क्लब को ब्राजीलियन सीरी ए खिताब के अलावा कोपा लिबर्टाडोरेस जीतने में मदद की। बोटाफोगो ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, आप एक मिशन पर एक व्यक्ति के रूप में बोटाफोगो में वापस आए और आपने अपना नाम हमारे इतिहास में दर्ज कर लिया। हमें आप पर बहुत गर्व है। बोटाफोगो में वापसी से पहले एड्रिएलसन ने ल्योन के लिए आठ महीनों में सिर्फ़ चार बार पहली टीम में जगह बनाई थी।

हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण तीन महीने के लिए क्रिकेट से दूर हुए बेन स्टोक्स

लंदन। इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन पिछले महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के दौरान बाएं हैमस्ट्रिंग में दोबारा चोट लगने के कारण तीन महीने के लिए क्रिकेट से बाहर हो गए हैं। 33 वर्षीय स्टोक्स को इस महीने की शुरुआत में सेडन पार्क में तीसरे दिन मैदान छोड़ना पड़ा था। इस मैच में इंग्लैंड को 423 रन से हार का सामना करना पड़ा था। न्यूजीलैंड की दूसरी पारी के 56वें ??ओवर की दूसरी गेंद एक बाउंसर फेंकने के बाद उन्हें तुरंत अपनी बाईं जांघ के पिछले हिस्से में दर्द महसूस हुआ, यह उनका 13वां और दिन का तीसरा ओवर था। अगस्त में मैनचेस्टर ओरिजिनल्स के खिलाफ़ नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स के लिए बल्लेबाजी करते समय उन्हें यही हैमस्ट्रिंग चोट लगी थी, जिसके कारण वे दो महीने तक मैदान से बाहर रहे। इंग्लैंड लौटने पर स्कैन करवाने के बाद, सोमवार दोपहर को ईसीबी ने चोट के फिर से उभरने की पुष्टि की। स्टोक्स की चोट की गंभीरता इस सप्ताह की शुरुआत में तब पता चली जब यह पुष्टि की गई कि उन्हें फरवरी में चैंपियंस ट्रॉफी के लिए इंग्लैंड की 15 सदस्यीय टीम से बाहर रखा गया है। ईसीबी ने कहा कि मेडिकल आधार पर उनके नाम पर विचार नहीं किया गया। नवंबर 2023 में भारत में होने वाले 50 ओवर के विश्व कप से बाहर होने के बाद से उन्होंने इंग्लैंड की वनडे टीम के लिए नहीं खेला है। अक्टूबर 2023 में सफल घुटने की सर्जरी के बाद घरेलू समर में आने के बाद, उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों में 49 ओवर फेंके, जिसमें पांच विकेट लिए और इस तरह से उन्होंने अपने करियर में 200 शिकार पूरे किए। इसके बाद, घुटने में चोट लगने के कारण उन्हें वापस लौटना पड़ा, जिससे उन्हें सीजन के अंत में श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज और पाकिस्तान दौरे के पहले टेस्ट से बाहर होना पड़ा।

पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए आमिर जंगू वेस्टइंडीज की टीम में शामिल

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड ने पाकिस्तान के खिलाफ आगामी दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए टीम की घोषणा कर दी है। हाल ही में बांग्लादेश के खिलाफ वनडे डेब्यू में शतक लगाने वाले आमिर जंगू को पहली बार टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। इस बीच, स्पिनर गुडाकेश मोती को भी मौजूदा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र की अपनी अंतिम सीरीज के लिए टीम में वापस बुलाया गया है।

चोट से उबर रहे तेज गेंदबाज शमर जोसेफ बाहर हो गए हैं, जबकि अल्जारी जोसेफ चयन के कारण उपलब्ध नहीं थे। यह सीरीज 17 जनवरी, 2025 को शुरू होगी, जिसमें मुल्तान दोनों खेलों की मेजबानी करेगा। चुनी गई टीम को लेकर मुख्य कोच आंद्रे कोली ने कहा, जनवरी 2025 में पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए, हमने जो अच्छा प्रदर्शन किया है, उसे आगे बढ़ाने और 2024 से मिली सीख को ठोस नतीजों में बदलने पर ध्यान केंद्रित किया है। स्पिन अटैक को मजबूत करने के लिए मोती टीम में फिर से शामिल हुए हैं।

वेस्टइंडीज की टीम: क्रैग ब्रैथवेट (कप्तान), जोशुआ दा सिल्वा (उपकप्तान), एलिक अथानाज़े, कीसी कार्टी, जस्टिन ग्रीव्स, कावेम हॉज, टेविन इमलाच, आमिर जंगू, मिकाइल लुइस, गुडाकेश मोटी, एंडरसन फिलिप, केमर रोच, केविन सिंक्लेयर, जेडन सील्स, जोमेल वारिकन।

रोमांचक मुकाबले में गुजरात ने उत्तराखंड को पांच रनों से हराया

एजेंसी

जयपुर। आर्य देसाई (106) की शतकीय और उमंग कुमार (87) की अर्धशतकीय पारियों के प्रियजीत सिंह जाडेजा (चार विकेट) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत गुजरात ने विजय हजारे ट्रॉफी के ग्रुप ए मुकाबले में उत्तराखंड को पांच विकेट से हरा दिया। आर्य देसाई को उनकी शानदार बल्लेबाजी के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' से नवाजा गया। गुजरात के 280 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी उत्तराखंड की शुरुआत खराब रही और उसने 21 रन अपने सलामी बल्लेबाज अवनीश सुधा (शून्य) का विकेट गवां दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये रविकुमार समर्थ ने युवराज चौधरी के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिये 68 रनों की साझेदारी हुई। 16वें ओवर में चिंतन गजा ने युवराज चौधरी (50) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा।

इसके बाद कप्तान कुणाल चंदेला (छह), दिक्षांशु नेगी (12), आदित्य तरे (47) और स्वप्निल सिंह (15) रन बनाकर आउट हुए। रविकुमार समर्थ ने 101 गेंदों में 82 रनों की पारी खेली। हिमांशु बिष्ट (22) और अभय नेगी (10) रन बनाकर आउट हुए। गुजराज के गेंदबाजी आक्रमण के आगे उत्तराखंड की पूरी टीम 49.4 ओवर में 275 रन पर सिमट गई। गुजरात की ओर से प्रियजीत सिंह जाडेजा ने चार, चिंतन गजा और अरज़ान नागवासवाला ने दो-दो बल्लेबाजों को आउट किया। रवि बिश्नोई और हेमांग पटेल को एक-एक विकेट मिला।

इससे पहले आज यहां गुजरात ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला। बल्लेबाजी करने उतरी उत्तराखंड के लिए सलामी बल्लेबाज आर्य देसाई ने 119 गेंदों में नौ चौके और तीन छक्के लगाते हुए (106) रन बनाये। कप्तान चिंतन गजा ने (30) रन बनाये। उमंग कुमार ने 63 गेंदों में 10 चौके और तीन छक्कों की मदद से (87) रनों की पारी खेली। क्षितिज पटेल (14) और रवि बिश्नोई (12) रन बनाकर आउट हुये। गुजरात के छह बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। उत्तराखंड के गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गुजरात को 48.1 ओवर में 280 रनों पर रोक दिया। उत्तराखंड के लिए अग्निम तिवारी ने तीन विकेट लिये। दीपक धपोला और अवनीश सुधा को दो-दो विकेट मिले। अभय नेगी ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

आईसीसी अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप 2025 के लिए भारतीय टीम घोषित, निकी प्रसाद होंगी कप्तान

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की महिला चयन समिति ने आगामी आईसीसी अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप 2025 के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। निकी प्रसाद को टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है, जबकि सानिका चालके उपकप्तान होंगी। यह टूर्नामेंट 18 जनवरी, 2025 से 02 फरवरी, 2025 तक मलेशिया में खेला जाएगा। निकी की कप्तानी में भारत ने बांग्लादेश हराकर अभी हाल ही समाप्त हुए अंडर-19 महिला एशिया कप का खिताब जीता था। अंडर-19 विश्व कप में 16 टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिन्हें 4 समूह में बांटा गया है, प्रत्येक समूह में 4 टीमें शामिल हैं। भारत, जो गत चैंपियन है, को ग्रुप ए में मेजबान मलेशिया, वेस्टइंडीज और श्रीलंका के साथ रखा गया है। कुआलालंपुर का बायुमास ओवल भारतीय टीम के ग्रुप स्टेज मैचों की मेजबानी करेगा। भारतीय टीम अपना अभियान 19 जनवरी, 2025 को वेस्ट इंडीज के खिलाफ शुरू करेगी। ग्रुप स्टेज मुकाबलों के समापन के बाद, प्रत्येक ग्रुप से तीन टीमें सुपर सिक्स के लिए क्वालीफाई करेंगी। सुपर सिक्स के लिए क्वालीफाई करने वाली 12 टीमों को दो समूहों में बांटा गया है। ग्रुप 1 में ग्रुप ए और ग्रुप डी से शीर्ष तीन टीमें शामिल होंगी जबकि ग्रुप 2 में ग्रुप बी और ग्रुप सी से शीर्ष तीन टीमें शामिल होंगी सुपर सिक्स चरण में प्रत्येक टीम अपनी जीत, अंक और नेट रन-रेट (एनआरआर) को आगे बढ़ाएगी जो कि उनकी साथी सुपर सिक्स क्वालीफाइंग टीमों के खिलाफ सुरक्षित है। प्रत्येक टीम सुपर सिक्स चरण में अलग-अलग स्थानों पर समाप्त होने वाले संबंधित समूहों के विरोधियों के खिलाफ दो गेम खेलेगी। दो सुपर सिक्स चरण समूहों से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। सेमीफाइनल 31 जनवरी, 2025 को होगा। टूर्नामेंट का फाइनल 02 फरवरी, 2025 को होगा।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में नहीं खेलेंगे मोहम्मद शमी : बीसीसीआई

एजेंसी

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के अंतिम दो मैचों में नहीं खेलेंगे।

बीसीसीआई की जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि उनका चिकित्सा दल तेज गेंदबाज शमी की रिकवरी पर नजदीकी से नजर बनाये हुए है। वह अपनी एड़ी की समस्या से पूरी तरह उबर चुके हैं। उन्होंने एक रणजी ट्रॉफी मैच खेला और 43 ओवर किए और फिर उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के भी नौ मैच खेले, जहां उन्होंने लगभग हर मैच में अपने कोटे की पूरी गेंदबाजी की। विज्ञप्ति के अनुसार इस दौरान उनके बाएं पैर के घुटने में सूजन होने लगी। यह गेंदबाजी करने के साथ-साथ और भी बढ़ने लगी। इस कारण उन्हें बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के बचे मैचों के लिए चयन योग्य नहीं समझा जाएगा।

उल्लेखनीय है कि शमी फिलहाल राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी

(एनसीए) की निगरानी में हैं और बड़े प्रारूपों के लिए उनको तैयार किया जा रहा है।

घुटने की समस्या के उपचार के बाद ही वह विजय हजारे ट्रॉफी में भाग ले सकेंगे। शमी को 21 दिसंबर को चल रही विजय हजारे ट्रॉफी के अपने पहले मैच के लिए बंगाल की टीम में शामिल नहीं किया गया था। बीसीसीआई ने अब कहा है कि टूर्नामेंट में उनकी भागीदारी उनके घुटने की स्थिति पर निर्भर करेगी।

तनुष कोटियान को भारतीय टेस्ट टीम में मिली जगह

एजेंसी

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलिया में खेली जा रही बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 के शेष मैचों के लिए भारतीय टेस्ट टीम में मुंबई के ऑफ स्पिन ऑलराउंडर तनुष कोटियान को शामिल किया गया है। वह गाबा टेस्ट के बाद संन्यास लेने वाले आर अश्विन की जगह लेंगे। कोटियान अहमदाबाद से मेलबर्न के लिए रवाना होंगे।

कोटियान इस समय अहमदाबाद में विजय हजारे ट्रॉफी के लिए मुंबई टीम के साथ है। उन्होंने 33 प्रथम श्रेणी मैचों में 25.70 की औसत से 101 विकेट लिए हैं, जिसमें पांच पंजा और तीन बार मैच में 10-विकेट हॉल शामिल है। इसके अलावा उन्होंने 47 पारियों में 41.21 की औसत से 1525 रन भी बनाए हैं, जिसमें दो शतक और 13 अर्धशतक शामिल है।वह हाल ही में इंडिया ए टीम का लगातार हिस्सा रहे हैं। पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर इंडिया ए के लिए उन्होंने एक मैच में

44 रन बनाने के साथ-साथ एक विकेट भी लिया था। कोटियान ने मुंबई की 2023-24 रणजी ट्रॉफी जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और 41.83 की औसत से 502 रन बनाने के साथ-साथ 16.96 की औसत से 29 विकेट के साथ प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे थे। वह उस सत्र 500 रन और 25 विकेट का डबल बनाने वाले एकमात्र खिलाड़ी थे। ऐसा माना जा रहा है कि वॉशिंगटन सुंदर और रवींद्र जाडेजा के रहते हुए उनका बॉक्सिंग डे टेस्ट में खेलने की संभावना बहुत कम है।

पाकिस्तान ने वर्षा बाधित मैच में दक्षिण अफ्रीका को 36 रनों से हराया

एजेंसी

जोहान्सबर्ग। सैम अयूब (101) की शतकीय, बाबर आजम (52) और कप्तान मोहम्मद रिजवान (53) की अर्धशतकीय पारियों के बाद सुफियां मकिम की शानदार गेंदबाजी की बदौलत पाकिस्तान ने रविवार को वर्षा बाधित तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को डकवर्थ लुइस नियम के आधार पर 36 रनों से हरा दिया। इसी जीत के साथ ही पाकिस्तान ने तीन मैचों की श्रृंखला 3-0 से अपना नाम कर ली। 309 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने सात ओवर में 44 रन पर अपने नो विकेट गंवा दिए। कप्तान तेम्बा बवूमा (आठ) और टोनी डीजॉर्जी (26)रन बनाकर आउट हुये। रासी वान दर दुसें (35) और एडन मारक्रम (19) रन बनाकर आउट हुये। द. अफ्रीका की ओर से हेनरिच क्लासेन ने तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए 29 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया। क्लासेन 43 गेंद में 12चौके और दो छक्के लगाते हुए (81) रन बनाए। पाकिस्तानी गेंदबाजी आक्रमण के आगे द. अफ्रीका के नियमित अंतराल पर विकेट गिरते रहे। मार्को यानसन (26) और कगिसो रबाड़ा (14) रन बनाकर आउट हुये । कोरिन बोश ने (नाबाद 40) रनों की पारी खेली। द. अफ्रीका 42 ओवर में 271 रन बना सका और उसे डकवर्थ लुइस नियम के आधार पर 36 रनों से हार का सामना करना पड़ा।पाकिस्तान के लिए इस मैच में पर्दापण करने वाले सुफियान मुकीम ने सबसे ज्यादा चार विकेट लिये। शाहीन शाह अफरीदी और नसीम शाह को दो-दो विकेट मिले। मोहम्मद हसनैन और सैम अयूब ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इस मैच में जीत दर्ज करते ही पाकिस्तान ने दक्षिण अफ्रीका को उसी के घर में क्लीन स्वीप करने वाली विश्व की पहली टीम बन गई। पाकिस्तान के सैम अयूब को उनकी शानदार बल्लेबाजी के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच और 'प्लेयर ऑफ सीरीज' से नवाजा गया। इससे पहले कल देर रात पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीका को जीत के लिए 309 रनों का लक्ष्य दिया था। दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बारिश के कारण मैच को 47 ओवर का कर दिया गया था। बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने पहले ही ओवर में अब्दुल्लाह शफीक (शून्य) का विकेट गवां दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये बाबर आजम ने सैम अयूब के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिये 114 रनों की साझेदारी हुई। 23वें ओवर में वेना मफाका ने बाबर आजम (52) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद बल्लेबाजी करने कप्तान ने भी सैम का साथ पकड़ लिया। 35वें ओवर में कॉर्बिन बॉश ने सैम अयूब को आउट कर दक्षिण अफ्रीका को तीसरी सफलता दिलाई। अयूब ने 94 गेंदों में 13 चौके और दो छक्कों की मदद से (101) रनों की पारी खेली। मोहम्मद रिजवान ने 52 गेंदों में पांच चौके एक छक्का लगाते हुए (53)रन बनाये। आगा सलमान ने 33 गेंदों में तीन चौके और दो छक्के लगाते हुए (48) रन बनाये।

हरियाणा ने गोवा को आठ विकेट से हराया

एजेंसी

जयपुर। अंकित कुमार (नाबाद 128) और हिमांशु राणा (101) की शानदार शतकीय पारियों के दम पर हरियाणा ने विजय हजारे ट्रॉफी के ग्रुप ए मुकाबले में गोवा को आठ विकेट से हरा दिया है। गोवा के 271 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी हरियाणा के अंकित कुमार हिमांशु राणा बेहतरीन शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिये 192 रनों की साझेदारी कर जीत की नींव रखी। 28वें ओवर विकास सिंह ने हिमांशु राणा को आउट कर गोवा को पहली सफलता दिलाई। हिमांशु राणा ने 80 गेंदों में 12 चौके और चार छक्के लगाते हुए (101) रन बनाये। इसके बाद पार्थ वत्स (27) रन बनाकर आउट हुये । वहीं अंकित कुमार ने 140 गेंदों में 15 चौके और एक छक्के की मदद से (नाबाद 128) रनो की पारी खेली। हरियाणा ने 44.4 ओवर में दो विकेट पर 275 रन बनाकर आठ विकेट से मुकाबला जीत लिया। गोवा की ओर से विकास सिंह और शुभम तारी ने एक-एक विकेट लिया। इससे पहले आज यहां हरियाणा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी हरियाणा के स्नेहल कौथनकर और इशान गाडेकर की सलामी जोड़ी पहले विकेट के लिए 61 रन जोड़े। 15वें ओवर में अमित राणा ने स्नेहल कौथनकर 26 को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद कृष्णमूर्ति सिद्धार्थ (19) को भी अमित राणा ने अपना शिकार बनाया। सुयश प्रभुदेसाई (18) और दीपराज गांवकर (चार) रन बनाकर आउट हुये। इशान गाडेकर ने 114 गेंदो में सात चौके लगाते हुए (83) रन बनाये। अर्जुन तेंदुलकर (14)रन बनाकर आउट हुये।

दिल्ली ने मप्र को 79 रनों से शिकस्त दी

एजेंसी

हैदराबाद। अनुज रावत (78), सार्थक रंजन (41) की शानदार बल्लेबाजी के बाद नवदीप सैनी (चार विकेट) और ऋतिक शौकीन (तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर दिल्ली ने विजय हजारे ट्रॉफी के ग्रुप ई मुकाबले में मध्यप्रदेश को 79 रनों से शिकस्त दी। नवदीप सैनी को बेहतरीन गेंदबाजी के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' से नवाजा गया।

212 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उत्तरी मध्यप्रदेश के लिए हर्ष गवली और शुभ्रांशु सेनापति की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिये 68 रन जोड़े। 13वें ओवर में ऋतिक शौकीन ने हर्ष गवली को (42) को आउट कर दिल्ली को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद 23वें ओवर में प्रिंस यादव ने शुभ्रांशु सेनापति (55) को आउटकर दिया। इसके बाद दिल्ली के गेंदबाजी आक्रमण के आगे मध्यप्रदेश का कोई भी बल्लेबाज पिच पर नहीं टिक सका। हरप्रीत सिंह (14) को छोड़कर कोई भी बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक नहीं पहुंच सका। दिल्ली के गेंदबाजों ने

मध्यप्रदेश की पूरी टीम 37.1 ओवर में 132 रन पर समेट कर 79 रनों से मुकाबला जीत लिया। दिल्ली की ओर से नवदीप सैनी ने चार विकेट लिये। ऋतिक शौकीन ने तीन बल्लेबाजों को आउट किया। प्रिंस यादव को दो विकेट मिले।

इससे पहले मध्यप्रदेश ने आज यहां टॉस जीतकर दिल्ली को बल्लेबाजी का न्यौता दिया। बल्लेबाजी करने उतरी दिल्ली ने अनुज रावत (78), सार्थक रंजन (41) ,ऋतिक शौकीन (28), मयंक गुसैन (22) और हर्ष त्यागी (11) के योगदान से 48.4 ओवर में 211 का स्कोर खड़ा किया। मध्यप्रदेश की ओर से कुमार कार्तिकेय,कुलवंत खेजरोलिया और सागर सोलंकी ने दो-दो विकेट लिये। आवेश खान ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

श्रीलंका ने न्यूजीलैंड दौरे के लिए एकदिवसीय टीम की घोषणा की

एजेंसी

कोलंबो। श्रीलंका ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच जनवरी से शुरु होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए 17 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी हैं।चैरिथ असलांका की अगुआई वाली इस टीम में लाहिरू कुमारा, ईशान मलिंगा और वानिंदु हसरंगा को शामिल किया गया है।तीन एकदिवसीय सीरीज का पहला मैच पांच जनवरी को वेलिंगटन, दूसरा मैच आठ जनवरी को हैमिल्टन तथा तीसरा मुकाबला 11 जनवरी ऑकलैंड में खेला जायेगा।

न्यूजीलैंड दौरे के लिए श्रीलंका एकदिवसीय टीम इस प्रकार हैः- चैरिथ असलांका (कप्तान), पथुम निसांका, अविष्का फर्नांडो, निशान मदुष्का, कुसल मेंडिस, कामिंदु मेंडिस, जेनिथ लियानगे, नुवानिदु फर्नांडो, डुनिथ वेलालेज, वानिंदु हसरंगा, महीश थीक्षाना, जेफरी वांडरसे, चामिदु विक्रमसिंघे, असिथा फर्नांडो, मोहम्मद शिराज, लाहिरू कुमारा तथा ईशान मलिंगा।

मणिपुर ने ओडिशा को हरा कर राष्ट्रीय महिला फुटबॉल टूर्नामेंट जीता

एजेंसी

नारायणपुर। मणिपुर ने ओडिशा को कांटे की टक्कर में 1-0 से हराकर 29 वां राष्ट्रीय महिला फुटबॉल प्रतियोगिता जीत लिया छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में आयोजित राष्ट्रीय महिला फुटबॉल टूर्नामेंट का समापन आज खिताबी मुकाबले के साथ हो गया। फाइनल मैच मणिपुर और ओडिशा के बीच खेला गया जहां कांटे की टक्कर में मणिपुर ने एक गोल दागकर अपना दबदबा कायम रखा और मैच जीत लिया। हिंसा से जल रहे मणिपुर की टीम ने जीत हासिल करने के बाद बताया कि वहां की हालात बिल्कुल भी ठीक नहीं है। फुटबॉल खेलने के लिए समय नहीं मिल रहा हैं। टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के बाद सिर्फ 10 दिन की प्रैक्टिस कर खेलने के लिए बस्तर आए हैं। मेहनत और टीम वर्क की वजह से हमने अपने राज्य को उपहार दे दिया है। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित अबूझमाड़ क्षेत्र में, जहां गोलियों की तड़तड़ाहट गूंजती

थी,अब फुटबॉल का शोर सुनाई देने लगा है। गोली की जगह अब दनादन गोल किए जा रहे हैं।दस राज्यों की महिला खिलाड़ियों ने नारायणपुर में फुटबॉल मैच में अपना जौहर दिखाया। रामकृष्ण मिशन आश्रम के मैदान में 29 वां राष्ट्रीय महिला फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें मणिपुर, सिक्किम, पश्चिम बंगाल, पंजाब, हरियाणा, ओडिशा, झारखंड, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और रेलवे की टीम शामिल रही।

घर में जीत के साथ विदा हुए पुनेरी पल्टन, तमिल थलाइवाज को 10 अंक से हराया

एजेंसी

पुणे। मेजबान पुनेरी पल्टन ने बालेवाड़ी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के बैडमिंटन हॉल में खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के 130वें मैच में तमिल थलाइवाज को 42-32 के अंतर से हराते हुए इस सीजन से विदा दिया। पल्टन ने 22 मैचों में नौवीं जीत दर्ज की जबकि इतने ही मैचों मे 13वीं हार के साथ थलाइवाज का सफर समाप्त हुआ। पल्टन की जीत में उसके डिफेंस (21) की अहम भूमिका रही। थलाइवाज ने भी 17 अंक के साथ डिफेंस में बेहतर प्रदर्शन किया लेकिन दो आलआउट उसे महंगे पड़ गए। साथ ही अंतिम मिनट में दो सुपर टैकल ने उसका काम खराब कर दिया। पल्टन के लिए आर्यवर्धन ने 10, अजीत ने सात, गौरव ने 5 और संकेत, अमन और अली हादी ने चार-चार अंक लिए।अपने घर में सीजन का अंतिम मैच खेल रहे पल्टन ने तीन मिनट में 5-3 की लीड बनाकर थलाइवाज को सुपर टैकल सिचुएशन में ला दिया था। थलाइवाज हालांकि बोनस की बदौलत पल्टन के करीब आ गए लेकिन पल्टन ने जल्द ही पहला आलआउट लेते हुए 10-6 की लीड ले ली। आलइन के बाद आर्यवर्धन ने मल्टीप्वाइंटर के साथ फासला दोगुना कर दिया। आर्यवर्धन रोके नहीं रुक रहे थे। तीन अंक की रेड के साथ उन्होंने

थलाइवाज को दूसरी बार आलआउट की ओर धकेला और फिर डिफेंस ने इसे अंजाम देकर 20-7 की लीड ले ली। आलइन के बाद अजीत ने एक और मल्टीप्वाइंटर के साथ स्कोर 22-7 कर दिया। बीते पांच मिनट में पल्टन ने 3 के मुकाबले 11 अंक हासिल किए। थलाइवाज ने हालांकि इसके बाद सुधरा हुआ खेल दिखाया और आर्यवर्धन को दो बार शिकार बनाया। पल्टन ने हालांकि 28-13 के साथ पाला बदला। शुरुआती 20 मिनट में थलाइवाज ने 4 के मुकाबले 13 फेल्ड टैकल किए लेकिन हाफटाइम के बाद बस्तामी ने आर्यवर्धन को लपक लिया। सचिन के बोनस के साथ बस्तामी ने अजीत के रूप में एक और शिकार किया। सचिन को लपकने के बाद अमन ने हिमांशु के खिलाफ गलती कर दी। स्कोर 17-30 हो गया था। फिर थलाइवाज के डिफेंस ने चौथी बार आर्यवर्धन का शिकार कर लिया। सचिन लगातार डू ओर डाई रेड कर रहे थे लेकिन सफल नहीं हो पा रहे थे। पल्टन ने इसके बाद भी लगातार दो अंक लेकर 30 मिनट बाद 34-20 कर दिया। इस बीच आर्यवर्धन ने सुपर-10 पूरा किया लेकिन अगली रेड पर लपक लिए गए। थलाइवाज से चमत्कार की उम्मीद थी लेकिन ऐसा होता हुआ दिख नहीं रहा था। शायद दो बार आलआउट होना उसे महंगा पड़ रहा था। इस बीच अबिनेश ने सचिन के खिलाफ एक बेहतरीन टैकल के साथ थलाइवाज का मनोबल तोड़ दिया। अब ढाई मिनट बचे थे और पल्टन 13 अंक से आगे थे। थलाइवाज ने इस फासले को पाटते हुए इस मैच से कम से कम एक अंक हासिल करना चाहा लेकिन अली हादी ने दो सुपर टैकल के साथ उसके हाथ से यह मौका भी छीन लिया। इस तरह शुरुआती चरण में अच्छा खेलने वाली थलाइवाज हार के साथ घर वापसी की।

माइंडग्रोव टेक्नोलॉजीज ने जुटाये 80 लाख डॉलर

नई दिल्ली। फैबलेस सेमीकंडक्टर डिजाइन स्टार्टअप माइंडग्रोव टेक्नोलॉजीज ने सीरीज ए फंडिंग राउंड में 80 लाख डॉलर जुटाए हैं। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि इस फंडिंग राउंड का सह-नेतृत्व रॉकेटशिपडॉटवीसी और स्पेशल इन्व्हेस्ट द्वारा किया गया है। इसमें मेला वेंचर्स और मौजूदा निवेशकों पीक फिफ्टीन पार्टनर्स, निश्चय गोयल, और व्हाइटबोर्ड कॅपिटल ने भाग लिया है। इसके साथ ही, नए निवेशक अंशुल गोयल ने भी इस राउंड में अपनी भागीदारी दर्ज कराई है। इस पूंजी निवेश का उपयोग करके, कंपनी अपने कार्यबल का विस्तार करने और अपनी इन-हाउस इंजीनियरिंग क्षमताओं को बढ़ाने का इरादा रखती है। इस निवेश से कंपनी की पहली चिप के उत्पादन और बिक्री में भी तेजी आएगी। कंपनी ने इस साल मई में सिक्योर आयओटी तकनीक पेश की थी। यह भारत की पहली व्यावसायिक-ग्रेड की उच्च-प्रदर्शनकारी माइक्रोकंट्रोलर एसओसी (सिस्टीम ऑन चिप) चिप है जो 28 एनएम पर टेप की गई है। इस चिप को घड़ियों, मीटरों, तालों और एक्सेस कंट्रोल डिवाइसों को स्मार्ट कनेक्टेड डिवाइसों में रुपांतर करने के लिए, तथा प्रिंटर और पीओएस मशीनों जैसे बिजली उपकरणों को पावर देने के लिए खास तौर से डिज़ाइन किया गया है।

होंडा और निसान ने व्यावसायिक एकीकरण के लिए किया समझौता, मित्सुबिसी भी उत्सुक

टोक्यो। ऑटोमोबाइल क्षेत्र की जापानी की प्रमुख कंपनियों होंडा मोटर कंपनी और निसान मोटर कंपनी ने आज व्यावसायिक एकीकरण के लिए समझौता किया जिसके तहत वाहन प्लेटफार्मों का मानकीकरण और विद्युतीकरण पहलों के अलावा अन्य पहलों पर विचार किया जाएगा। इसमें मित्सुबिसी मोटर्स कॉर्पोरेशन भी शामिल हो सकती है। इसके साथ ही निसान, होंडा और मित्सुबिशी मोटर्स ने सहयोगात्मक विचारों पर समझौता भी किया है और मित्सुबिशी मोटर्स व्यापार एकीकरण के विचार में भागीदारी या भागीदारी का पता लगाने की बात कही है। निसान और होंडा के एकीकरण से दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी वाहन निर्माता कंपनी बनेगी। निसान , होंडा और मित्सुबिशी मोटर्स ने निसान और होंडा के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन में उल्लिखित एक संयुक्त होल्डिंग कंपनी की स्थापना के माध्यम से व्यापार एकीकरण के संबंध में मित्सुबिशी मोटर्स की भागीदारी, भागीदारी और तालमेल साझा करने की संभावना का पता लगाने के लिए एक समझौता किया है। निसान, होंडा और मित्सुबिशी मोटर्स ने मानकीकरण और विद्युतीकरण पर केंद्रित एक रणनीतिक साझेदारी की शुरुआत के संबंध में एक अगस्त को निसान और होंडा द्वारा हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन में स्थापित ढांचे के आधार पर चर्चा को आगे बढ़ाने के लिए एक बुनियादी समझौते पर पहुंच गए हैं।

पेट्रोल और डीजल कीमतों में बदलाव नहीं

नयी दिल्ली । अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम में आज कोई बदलाव नहीं हुआ, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर सप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 0.46 प्रतिशत चढ़कर 69.78 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इसी तरह लंदन ब्रेंट क्रूड 0.41 प्रतिशत की तेजी के साथ 73.24 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

खाद्य तेलों में टिकाव; दालों में मिलाजुला रुख

नयी दिल्ली। विदेशी बाजारों में उबाल आने के बावजूद स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा जबकि दालों में मिलाजुला रुख रहा वहीं अन्य जिंसों

के भाव स्थिर रहे। वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में जनवरी का पाम ऑयल वायदा 142 रिंगिट उबलकर 4904 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। इसी तरह जनवरी का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.53 सेंट की तेजी के साथ 40.41 सेंट प्रति पौंड बोला गया।

इरेडा को 14वें पीएसई उत्कृष्टता पुरस्कार में एक साथ मिला तीन सम्मान

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी लिमिटेड (इरेडा) को नई दिल्ली में भारतीय चैंबर ऑफ कॉमर्स (आईसीसी) द्वारा आयोजित 14वें पीएसई उत्कृष्टता पुरस्कार समारोह में तीन पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि कंपनी ने कॉर्पोरेट गवर्नेंस और कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व और निरंतरता के लिए मिनी रत्न श्रेणी में गोल्ड अवॉर्ड प्राप्त किए। इसके अलावा इरेडा को ऑपरेशनल परफॉरमेंस एक्सीलेंस के लिए सिल्वर अवॉर्ड मिला है। इरेडा की ओर से यह पुरस्कार प्राप्त करने वाली टीम में महाप्रबंधक (मानव संसाधन) माला घोष चौधरी, महा

प्रबंधक (वित्त एवं प्रशासन) एसके शर्मा, अपर महा प्रबंधक (मानव संसाधन) दुर्रे शाहवार और अन्य अधिकारी शामिल थे। लोक उद्यम विभाग के पूर्व सचिव डॉ. भास्कर चटर्जी और प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य अपूर्व कुमार मिश्रा ने इरेडा को ये पुरस्कार प्रदान किए। इरेडा के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक प्रदीप कुमार दास ने इन पुरस्कारों के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा, इन सम्मानों से कॉर्पोरेट प्रशासन, निरंतरता और परिचालन संबंधी उत्कृष्टता के प्रति इरेडा की प्रतिबद्धता की पुष्टि हुई है। इरेडा अध्यक्ष ने केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्यमंत्री श्रीपद नाइक, विभाग के सचिव प्रशांत कुमार सिंह, मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों तथा निदेशक मंडल के प्रति उनके निरंतर सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

उन्होंने इस सम्मान के लिए भारतीय चैंबर ऑफ कॉमर्स के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इससे हमें भारत में अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में बदलाव को आगे बढ़ाने में अपनी भूमिका को और मजबूत करने के लिए प्रेरणा मिलती है। इसके साथ ही दास ने इरेडा टीम को उनके अथक प्रयासों के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया।

सेबी ने भारत ग्लोबल डेवलपर्स के शेयरों में कारोबार पर रोक लगाई

एजेंसी

नई दिल्ली। पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने भारत ग्लोबल डेवलपर्स लिमिटेड (बीजीडीएल) के कारोबार को निलंबित कर दिया है।

सेबी की कार्रवाई के बाद बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर भारत ग्लोबल डेवलपर्स के शेयर 5 फीसदी की निचली सर्किट सीमा तक गिरकर 1,236.45 रुपये पर आ गए हैं। सेबी ने बीजीडीएल के खिलाफ वित्तीय गलतबयानी, भ्रामक खुलासे, मूल्य हेरफेर और बढ़े हुए मूल्य पर शेयर बेचने के कारण ये कार्रवाई की है। सेबी ने भारत ग्लोबल डेवलपर्स लिमिटेड में अगले नोटिस तक स्टॉक में ट्रेडिंग को निलंबित कर दिया गया है। पूंजी बाजार नियामक ने कंपनी के प्रमोटरों पर भी प्रतिबंध लगा दिया है, जिससे उन्हें अनिश्चितकाल के लिए पूंजी बाजार तक पहुंचने से रोक दिया गया है। पूंजी बाजार नियामक ने अपने अंतरिम आदेश में तरजीही आवंटियों द्वारा शेयरों की बिक्री के जरिए कमाए गए 271.6 करोड़ के अवैध मुनाफे को जब्त कर दिया है। इसके अलावा बाजार नियामक ने इसके प्रबंध निदेशक अशोक कुमार सेवाडा, मुख्य कार्यपालक अधिकारी मोहसिन शेख और कंपनी के निदेशकों दिनेश कुमार शर्मा, निराली प्रभातभाई करेथा और कई तरजीही शेयरों के आवंटियों को प्रतिभूति बाजार से प्रतिबंधित कर दिया है। नियामक का यह आदेश 16 दिसंबर, 2024 को कंपनी के खिलाफ सोशल मीडिया पोस्ट और शिकायतें मिलने के बाद आई हैं।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की घटी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज मामूली गिरावट का रुख नजर आ रहा है। इस गिरावट की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 77,500 रुपये से लेकर 77,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 71,050 रुपये से लेकर 70,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी आज मामूली गिरावट आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 91,300 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 77,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,050 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,350 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 70,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,400 रुपये प्रति

10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 70,950 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 77,350 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 70,900 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 77,350 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 70,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 77,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 71,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 77,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 70,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 77,500 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

नवंबर महीने में रूस से कच्चे तेल के आयात में गिरावट, इराक व सऊदी अरब से होने वाला आयात 10.8 प्रतिशत बढ़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। नवंबर महीने में अंतरराष्ट्रीय बाजार से होने वाले कच्चे तेल के आयात के ट्रेंड में बदलाव हुआ है। इस महीने रूस से होने वाले कच्चे तेल के आयात में कमी आई है, जबकि इराक और सऊदी अरब जैसे देशों से होने वाला कच्चे तेल का आयात बढ़ कर 9 महीने के रिकॉर्ड ऊंचे स्तर पर पहुंच गया है। नवंबर महीने में भारत ने इराक और सऊदी अरब जैसे देशों से अधिक मात्रा में कच्चे तेल की खरीदारी की। रूस और यूक्रेन के बीच जंग की शुरुआत होने के बाद से ही विश्व समुदाय ने रूस पर दबाव डालने के लिए कई आर्थिक प्रतिबंध लगा दिए थे। इन प्रतिबंधों के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में रूस कच्चे तेल की बिक्री नहीं कर पा रहा था। ऐसी स्थिति में रूस ने अपने मित्र देशों को रियायती दर पर कच्चा तेल बेचना शुरू किया, जिससे वो खुद प्रतिबंधों के बावजूद बड़े आर्थिक संकट का सामना करने से बच गया, वहीं उसके मित्र देशों को रियायती दर पर कच्चा तेल मिलता रहा। भारत सरकार ने भी प्रतिबंधों के बावजूद अमेरिका से कच्चे तेल की खरीदारी जारी रखी, जिससे भारत के ऑयल इंपोर्ट बिल में गिरावट भी आई। इस साल

अक्टूबर तक भारत रूस से सबसे अधिक मात्रा में कच्चे तेल की खरीदारी करता रहा, लेकिन नवंबर महीने में इस ट्रेंड में बदलाव आया। नवंबर में रूस से होने वाले कच्चे तेल के आयत में करीब 13 प्रतिशत की कमी आ गई। कच्चे तेल के आयात के आंकड़ों के मुताबिक नवंबर में रूस से प्रतिदिन औसतन 13.22 लाख बैरल कच्चा तेल मंगाया गया, जबकि अक्टूबर में ये आंकड़ा 15.20 लाख बैरल प्रति दिन का था। दूसरी ओर नवंबर महीने में सऊदी अरब और इराक जैसे देशों से होने वाला कच्चे तेल का आयात बढ़ कर 22.80 लाख बैरल प्रतिदिन के स्तर पर पहुंच गया, जबकि अक्टूबर में ये आंकड़ा 20.58 लाख बैरल प्रति दिन का था। इस तरह नवंबर महीने में मिडिल ईस्ट से होने वाले कच्चे तेल के आयात में 10.80 प्रतिशत की तेजी आ गई।

दिल्ली-एनसीआर में फ्लैटों की कीमतों में सबसे अधिक वृद्धि

एजेंसी

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में संपत्ति के मूल्यों में बहुत ही कम समय में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है क्योंकि आम लोगों के साथ ही निवेशकों ने इस क्षेत्र में रूचि दिखा रहे हैं। रियल्टी बाजारों में प्राइस ट्रेंड्स के एक प्रमुख संकेतक हाउसिंग प्राइस इंडेक्स (एचपीआई) के नवीनतम निष्कर्षों के अनुसार एनसीआर ने 178 एचपीआई के साथ अपने प्रतिस्पर्धी इलाकों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है, जो मुख्य रूप से मजबूत एंड-यूजर के बीच मांग, निवेशकों की रुचि और न्यू गुड़गांव, नोएडा एक्सटेंशन और द्वारका एक्सप्रेसवे जैसे प्रमुख माइक्रो मार्केट में महत्वपूर्ण मूल्य वृद्धि से प्रेरित है। जून 2024 में समाप्त तिमाही में दिल्ली एनसीआर का एचपीआई 165 रहा था जो अब बढ़कर 178 हो गया है।रियल एस्टेट ऐप हाउसिंग डॉट कॉम और इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (आईएसबी) द्वारा संयुक्त रूप से विकसित एचपीआई एक साधन के रूप में कार्य करता है जो भारत के 13 प्रमुख बाजारों में आवासीय घरों की कीमतों को ट्रैक करता है। अखिल भारतीय स्तर पर एचपीआई सितंबर में 2 अंक बढ़ा जबकि बेंगलुरु एवं कोलकाता में 12 अंकों की उछाल देखी गयी है। इस दौरान हैदराबाद, चेन्नई, अहमदाबाद, मुंबई और पुणे में घरों की कीमतों लगभग स्थिरता रही है। राष्ट्रीय स्तर पर एचपीआई सितंबर में 128 पर पहुंच गया, जो तिमाही-दर-तिमाही 2 अंकों की वृद्धि है। इससे पता चला है कि प्रमुख आवासीय केंद्रों में संपत्ति के मूल्यों में लगभग स्थिरता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ये निष्कर्ष भारत के आवासीय रियल एस्टेट बाजार की मजबूती की पुष्टि करते हैं।

जाजू रश्मि रिफ्रैक्टरीज ने आईपीओ के लिए सेबी के समक्ष डीआरएचपी दाखिल किया

एजेंसी

नई दिल्ली। जयपुर स्थित जाजू रश्मि रिफ्रैक्टरीज लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के लिए पूंजी बाजार नियामक, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। कंपनी की योजना इस आईपीओ के जरिए 150 करोड़ रुपये जुटाने की है। कंपनी के शेयरों को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) में सूचीबद्ध करने का भी प्रस्ताव है। सेबी के समक्ष जमा दस्तावेज के मुताबिक 10 रुपये के अंकित मूल्य वाला यह आईपीओ पूरी तरह से 150 करोड़ रुपये तक के शेयरों का एक नया निर्गम है, जिसमें बिक्री के लिए कोई प्रस्ताव नहीं है। यह इश्यू बुक-बिल्डिंग प्रक्रिया का पालन करेगा। इसके तहत अर्हता प्राप्त

संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी) को 50 फीसदी से अधिक हिस्सा आवंटित नहीं किया जाएगा, जबकि शुद्ध ऑफर का 15 फीसदी और 35 फीसदी हिस्सा क्रमशः गैर-संस्थागत निवेशकों और खुदरा निवेशकों के लिए आरक्षित रहेगा।स्टील उत्पादन के लिए महत्वपूर्ण फेरो एलॉय के विभिन्न ग्रेड में विशेषज्ञता वाली कंपनी नए निर्गम से प्राप्त 61.83 करोड़ रुपये की राशि का उपयोग प्रस्तावित बोकारो परियोजना में फेरो मिश्र धातुओं की उत्पादन क्षमताओं का विस्तार करने के लिए नई विनिर्माण सुविधाओं की स्थापना के आंशिक वित्तपोषण और 47.67 करोड़ रुपये अपनी कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए उपयोग के लिए करेगी। उल्लेखनीय है कि जयपुर स्थित जाजू रश्मि रिफ्रैक्टरीज लिमिटेड स्टील उद्योग में स्टील के निर्माण में एक आवश्यक कच्चा माल, फेरो सिलिकॉन, फेरोमैंगनीज और सिलिको मैंगनीज जैसे विभिन्न ग्रेड के फेरो मिश्र धातुओं का निर्माता और निर्यातक है। इस कंपनी की विरासत दो दशकों से अधिक पुरानी है। जयपुर में अपनी पहली विनिर्माण इकाई के साथ 1995 में स्थापित कंपनी का निर्यात नेटवर्क 29 देशों में फैला हुआ है, जिसमें मध्य पूर्व, अफ्रीका, दक्षिण पूर्व एशिया, दक्षिण एशिया, पश्चिमी यूरोप और पूर्वी एशिया के क्षेत्र शामिल हैं।

जीएसपी क्रॉप साइंस ने आईपीओ के लिए सेबी के समक्ष डीआरएचपी दाखिल किया

एजेंसी

मुंबई/नई दिल्ली। जीएसपी क्रॉप साइंस लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के लिए पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। कंपनी के शेयरों को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनएसई) और बीएसई बॉम?बे स?टॉक एक?सचेंज (बीएसई) लिमिटेड में सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है।सेबी के समक्ष जमा दस?तावेज के मुताबिक अहमदाबाद स्थित एग्रोकेमिकल कंपनी इस आईपीओ के जरिए 280 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। जीएसपी क्रॉप साइंस लिमिटेड ये आईपीओ नए शेयर जारी करने और बिक्री के लिए प्रस्ताव का मिश्रण है। कंपनी के 10 रुपये के अंकित मूल्य

वाला ये आईपीओ 280 करोड़ रुपये तक के नए शेयरों के निर्गम और प्रमोटर सेलिंग शेयरधारकों द्वारा 6 मिलियन इक्विटी शेयरों की बिक्री का प्रस्ताव है।

जीएसपी क्रॉप साइंस लिमिटेड के इस आईपीओ प्रस्ताव में विलासबेन व्रजमोहन शाह द्वारा 2.65 मिलियन इक्विटी शेयर, भावेश व्रजमोहन शाह द्वारा 1.67 मिलियन इक्विटी शेयर और कप्पा ट्रस्ट के द्वारा 1.67 मिलियन इक्विटी शेयर बेचने वाले शेयरधारक शामिल हैं। इस प्रस्ताव में पात्र कर्मचारियों द्वारा सदस्यता के लिए आरक्षण शामिल है। इसके अलावा कर्मचारी आरक्षण हिस्से में बोली लगाने वाले पात्र कर्मचारियों को भी छूट दी जा रही है।

जीएसपी क्रॉप साइंस लिमिटेड नए इश्यू से प्राप्त 200 करोड़ रुपये की राशि का उपयोग कंपनी द्वारा लिए गए कुछ बकाया उधारों के सभी या कुछ हिस्से के पुनर्भुगतान या पूर्व-पुनर्भुगतान और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए करेगी। जीएसपी क्रॉप साइंस एक शोध-केंद्रित एग्रोकेमिकल कंपनी है। इस कंपनी के पास देश में कीटनाशकों, शाकनाशियों, कवकनाशियों और पौधों की वृद्धि नियामकों के विकास और निर्माण में 39 साल से अधिक का अनुभव है।

बजट के दिन शनिवार को खुलेगा शेयर बाजार, एनएसई और बीएसई पर होगा कारोबार

एजेंसी

मुंबई/नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2025-26 का केंद्रीय बजट एक फरवरी, 2025 को संसद में पेश किए जाने के दिन शनिवार होने के बावजूद दोनों शेयर बाजार कारोबार के लिए खुले रहेंगे।

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) दोनों ने जारी बयान में यह जानकारी दी है। दोनों शेयर बाजारों ने अलग-अलग जारी परिपत्रों में कहा कि शेयर बाजार 2025-26 का केंद्रीय बजट पेश होने की वजह से एक फरवरी, 2025, शनिवार को कारोबार के लिए खुले रहेंगे। दोनों बाजारों में सुबह 9.15 बजे से दोपहर 3.30 बजे तक सामान्य कामकाजी दिनों की तरह कारोबार होगा। आमतौर पर शेयर बाजार हफ्ते के दो अंतिम दिन शनिवार और रविवार को बंद रहते हैं लेकिन विशेष परिस्थितियों में इन्हें खोला जाता है। इसके पहले

एक फरवरी, 2020 और 28 फरवरी, 2015 को भी शेयर बाजार शनिवार होने के बावजूद बजट के दिन कारोबार के लिए खुले हुए थे। वित्त वर्ष 2001 में केंदीय बजट पेश करने का समय शाम पांच बजे से बदलकर सुबह 11 बजे किए जाने के बाद से ही शेयर बाजार हमेशा की तरह सामान्य काम काज के लिए खुले रहे हैं। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी, 2025 को अगले वित्त वर्ष 2025-26 के लिए केंद्रीय बजट पेश करेंगी।

आयकर रिफंड प्राप्त करने के लिए अपने बैंक खाते को करें सत्यापित: आयकर विभाग

नई दिल्ली। आयकर रिटर्न (आईटीआर) फाइल करने वाले करदाताओं को रिफंड प्राप्त करने के लिए उनके बैंक अकाउंट का सत्यापन जरूरी है। आयकर विभाग ने टैक्सपेयर्स को रिफंड पाने के लिए

सलाह दी है कि वे अपने बैंक खाते को सत्यापित करें। आयकर विभाग ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में कहा कि यदि आपका रिफंड आपके बैंक खाते के सत्यापन/पुनः सत्यापन न होने के कारण विफल हो गया है, तो कृपया सुनिश्चित करें कि आपका बैंक खाता मान्य है या पुनः सत्यापन किया गया है, जैसा भी लागू हो। विभाग ने कहा कि करदाताओं कृपया ध्यान दें! यदि आपने अपने बैंक खाते के सत्यापन/पुनः सत्यापन के बाद रिफंड पुनः जारी करने का अनुरोध प्रस्तुत नहीं किया है, तो रिफंड पुनः जारी करने का अनुरोध प्रस्तुत करना न भूलें।

यूनीमेक एयरोस्पेस का आईपीओ खुला, निवेशक 26 दिसंबर तक लगा सकेंगे बोली

एजेंसी

मुंबई/नई दिल्ली। यूनिमेक एयरोस्पेस एंड मैन्युफैक्चरिंग लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) निवेशकों के लिए खुल गया। इस इश्यू को निवेशकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। ये इश्यू अब तक 1.8 गुना सब्सक्राइब हो चुका है। रिटेल कैटेगरी में यह 2.39 गुना, एनआईआई कैटेगरी में 1.72 गुना और क्यूआईबी 0.8 गुना तक बुक हो चुका है। यूनिमेक एयरोस्पेस एंड मैन्युफैक्चरिंग इस आईपीओ के जरिए 582 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। इसके लिए मूल?य का दायरा (प्राइस बैंड) 745-785 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। निवेशक 26 दिसंबर, 2024 तक इसके लिए बोली लगा सकते हैं। निवेशक इसमें न्यूनतम 19 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 19 इक्विटी शेयरों के गुणकों में निवेश करने के लिए बोली लगा सकते हैं। कंपनी के शेयर 31 दिसंबर, 2024 को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर लिस्ट हो सकते हैं।

बेंगलुरु स्थित स्पेस स्टार्टअप कंपनी का 5 रुपये प्रति शेयर अंकित मूल्य वाला ये आईपीओ 250 करोड़ रुपये मूल्य के 0.32 करोड़ शेयरों का फ्रेश इश?यू और 250 करोड़ रुपये के 0.32 करोड़ शेयरों की बिक्री का प्रस्ताव (ओएफएस) है। इस आईपीओ की कुल पेशकश में से 50 फीसदी योग्य संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व रहेगा, जबकि 35 फीसदी खुदरा निवेशकों के लिए और 15 फीसदी गैर-संस्थागत निवेशकों (एनआईआई) के लिए रिजर्व रहेगा। उल्लेखनीय है कि बेंगलुरु स्थित स्पेस स्टार्टअप यूनिमेक एयरोस्पेस एंड मैन्युफैक्चरिंग एक ग्लोबल हाई-प्रिसिशन इंजीनियरिंग सॉल्यूशंस प्रोवाइडर है। कंपनी इस इश्यू से मिलने वाले धनराशि का इस्तेमाल अपनी क्षमता बढ़ाने, मशीनरी और उपकरण खरीदने और वर्किंग कैपिटल जरूरतों को पूरा करने के लिए करेगी। इसके अलावा कुछ धनराशि कंपनी की सहायक इकाई में निवेश की जाएगी, ताकि उनकी मशीनरी और वर्किंग कैपिटल की जरूरतें पूरी की जा सकें। इसके अलावा कुछ राशि कर्ज चुकाने में उपयोग होगा, जबकि बाकी बची राशि का इस्तेमाल सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।

कानून का पालन करने में विफल रहने पर 2025 में रूस में ब्लॉक हो सकता है व्हाट्सएप

एजेंसी

मॉस्को। मेटा के स्वामित्व वाले व्हाट्सएप मैसेंजर (रूस में चरमपंथ के कारण प्रतिबंधित) के 2025 में रूस में ब्लॉक होने की संभावना बढ़ जाएगी अगर इसका नेतृत्व रूसी कानून का पालन नहीं करता है। रशियन फेडरेशन काउंसिल में डिजिटल इकोनॉमी आर्टेम विकास परिषद के उपाध्यक्ष अर्टेम शेइकिन ने यह जानकारी दी। श्री शेइकिन ने कहा, यदि मैसेंजर कुछ आवश्यकताओं और दायित्वों को पूरा नहीं करता है, तो इसके अवरुद्ध होने की संभावना बढ़ सकती है। 2025 में रूस में व्हाट्सएप की स्थिति का विकास उपयोगकर्ताओं और पत्राचार के बारे में जानकारी संग्रहीत करने के मुद्दे पर मैसेंजर के प्रबंधन की स्थिति पर निर्भर करेगा और इसे संघीय सुरक्षा सेवा के अनुरोध पर प्रदान किया जा रहा है।÷उन्होंने कहा, यह महत्वपूर्ण है कि विदेशी कंपनियां समझें कि रूसी संघ के क्षेत्र में अपनी गतिविधियों को अंजाम देकर, उन्हें हमारे देश के कानून का पालन करना होगा, अन्यथा उनका काम असंभव हो जाएगा।

पोलैंड 2025 में पहला जासूसी उपग्रह करेगा प्रक्षेपित

वारसॉ। पोलैंड अगले साल अपना पहला टोही उपग्रह लॉन्च करेगा। पोलिश विकास निधि और क्षेत्रीय नीति मंत्री कटारज़ीना पेल्ज़िनस्का-नालेज़ ने यह जानकारी दी। पेल्ज़िनस्का-नालेज़ ने 'एक्स' पर लिखा, अगले साल, पहला पोलिश टोही उपग्रह अंतरिक्ष में प्रक्षेपित किया जाएगा। 55 करोड़ ज़्लॉटी (13 करोड़ 40 लाख अमेरिकन डॉलर) से अधिक मूल्य के चार माइक्रोसैटेलाइट्स के लिए एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए हैं। मंत्री ने कहा कि उपग्रहों का सैन्य उद्देश्य होगा। पेल्ज़िनस्का-नालेज़ ने कहा, यह खुफ़िया डेटा इकट्ठा करने में पोलिश सशस्त्र बलों की क्षमताओं को बढ़ाता है। उन्होंने कहा कि यह परियोजना पोलिश कंपनी क्रेओटेक इंस्ट्रूमेंट्स द्वारा क्रियान्वित की जाएगी।

रूस के ब्रांस्क क्षेत्र में यूक्रेनी हमले में स्थानीय निवासी की मौत

मॉस्को। यूक्रेन के सशस्त्र बलों ने रूस के ब्रांस्क क्षेत्र के क्लिमोव्स्की जिले पर हमला किया, जिसके परिणामस्वरूप एक स्थानीय महिला की मौत हो गई। गवर्नर अलेक्जेंडर बोगोमाज़ ने यह जानकारी दी। श्री बोगोमाज़ ने टेलीग्राम पर कहा, यूक्रेनी आतंकवादियों ने क्लिमोव्स्की जिले के किरिलोव्का गांव पर हमला किया। आतंकवादी हमले के परिणामस्वरूप गांव की एक महिला की मौत हो गयी। श्री बोगोमाज़ ने कहा कि यूक्रेनी सेना ने क्रास्नी बोर गांव पर भी हमला किया था, जिससे एक स्थानीय नागरिक के सीने और चेहरे पर चोट आई थी। शख्स को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुतिन ने जनवरी 2025 में विदेश यात्रा की बनाई योजना

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अगले साल जनवरी में विदेश यात्रा की योजना बना रहे हैं। रूसी राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने यह जानकारी दी। समाचार एजेन्सी 'स्पूतनिक' के अनुसार राष्ट्रपति की आगामी विदेश यात्राओं के बारे में पूछे जाने पर श्री पेस्कोव ने कहा, वे (यात्राएं) जनवरी में होंगी। उन्होंने यह नहीं बताया कि वास्तव में यात्रा योजना कहां के लिए बनायी गयी है। उन्होंने कहा, हम आपको बाद में बताएंगे।

ट्रंप ने अमेरिकी अरबपति फीनबर्ग को उप रक्षा मंत्री चुना

वाशिंगटन। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उप रक्षा मंत्री के पद के लिए अमेरिकी अरबपति स्टीफन फीनबर्ग को नियुक्ति करने की घोषणा की है। श्री ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ' पर कहा, स्टीफन फीनबर्ग उप रक्षा मंत्री के रूप में काम करेंगे और पेंटागन (रक्षा मंत्रालय) को फिर से और मजबूत बनाने में मदद करेंगे। उन्होंने कहा कि सेबेंरस कैपिटल मैनेजमेंट के संस्थापक एवं प्रमुख फीनबर्ग ने पहले ट्रंप प्रशासन के दौरान खुफिया सलाहकार समूह का नेतृत्व किया था। उनके पास करीब 4.8 अरब डॉलर की संपत्ति है।

ट्रम्प ने ग्रीनलैंड पर अमेरिकी स्वामित्व की इच्छा का दिया संकेत

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ग्रीनलैंड में एक नया अमेरिकी राजदूत नियुक्त करने के अपने फैसले पर टिप्पणी करते हुए ग्रीनलैंड पर अमेरिकी स्वामित्व को बेहद जरूरी बताया। उल्लेखनीय है कि ग्रीनलैंड 1953 तक डेनमार्क का उपनिवेश था। यह राज्य का ही हिस्सा बना रहा लेकिन वर्ष 2009 में इसे स्वशासन और घरेलू नीति में स्वतंत्र विकल्प बनाने की क्षमता के साथ स्वायत्तता प्राप्त हुयी। श्री ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर कहा दुनिया भर में राष्ट्रीय सुरक्षा और स्वतंत्रता के उद्देश्यों के लिये अमेरिका को लगता है कि ग्रीनलैंड का स्वामित्व और नियंत्रण एक बहुत ही जरूरी है। राजनेता ने कहा कि डेनमार्क में राजदूत पद के लिए उनके नामांकित व्यक्ति, स्वीडन में पूर्व अमेरिकी राजदूत और उद्यमी केन होवेरी, अमेरिका के हितों का प्रतिनिधित्व करने में एक अद्भुत काम करेंगे। वर्ष 2019 में श्री ट्रम्प द्वारा ग्रीनलैंड खरीदने पर विचार करने के बारे में मीडिया रिपोर्टों की

एक श्रृंखला सामने आई। श्री ट्रम्प ने बाद में पत्रकारों से पुष्टि की कि वह इस मुद्दे में रणनीतिक रूप से रुचि रखते हैं। वहीं ग्रीनलैंड ने कहा कि द्वीप बिक्री के लिए नहीं है और डेनमार्क ने बिक्री के विचार को ही बेतुका बताते हुए उम्मीद जताई कि श्री ट्रम्प मजाक कर रहे हैं। अमेरिकी होमलैंड सुरक्षा विभाग के पूर्व अधिकारी माइल्स टेलर ने अगस्त 2020 में एमएसएनबीसी के साथ एक साक्षात्कार में कहा कि श्री ट्रम्प की दिलचस्पी इस बात में थी कि क्या ग्रीनलैंड के लिए प्यूर्टो रिको का आदान-प्रदान किया जा सकता है।

अफगान सरकार करेगी पूर्व सरकारों में तालिबान के साथ संबंधों के आरोपियों का पुनर्वास

काबुल। अफगानिस्तान के इस्लामी अमीरात के सर्वोच्च नेता हिबतुल्लाह अखुंदजादा ने पूर्व रिपब्लिकन सरकार के दौरान तालिबान (आतंकवाद के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिबंधित) के साथ संबंधों के दोषी पाए गए लोगों के पुनर्वास और आपराधिक रिकॉर्ड की समाप्ति के लिए एक आदेश जारी किया है।यह जानकारी अफगान सरकार की प्रेस सेवा ने सोमवार को दी। बयान के अनुसार, आदेश में 10 विषय शामिल हैं और न्यायिक, कानून प्रवर्तन एवं पर्यवेक्षी अधिकारियों को अफगान नागरिकों और देश के इस्लामी अमीरात से जुड़े लोगों से संबंधित सभी रिकॉर्ड हटाने का निर्देश दिया गया है।

रूस में और सैनिक, आत्मघाती ड्रोन भेजने की तैयारी में उत्तर कोरिया : सोल

एजेंसी

सोल । दक्षिण कोरिया की सेना ने दावा किया कि उत्तर कोरिया यूक्रेन के खिलाफ मॉस्को की मदद के लिए अतिरिक्त सैन्य टुकड़ियां और सैन्य उपकरण भेजने की तैयारियां कर रहा है। सैन्य उपकरणों में आत्मघाती ड्रोन भी शामिल हो सकते हैं। योनहाप समाचार एजेंसी के मुताबिक सोल की जासूसी एजेंसी के अनुसार, यह आकलन ऐसे समय में किया गया जब माना जा रहा है कि प्योंगयांग ने यूक्रेन के खिलाफ रूस की तरफ से लड़ने के लिए हजारों सैनिक भेजे हैं।

रूस में हताहत हुए उत्तर कोरियाई सैनिकों की संख्या लगभग 1,100 होने का अनुमान है। संयुक्त चीफ ऑफ स्टाफ (जेसीएस) ने कहा, ÷विभिन्न खुफिया सूचनाओं के व्यापक आकलन से पता चलता है कि उत्तर कोरिया (रूस में) सैनिकों की तैनाती को बढ़ाने की तैयारी कर रहा है। वह 240 मिलीमीटर रॉकेट लांचर और 170 मिमी स्व-चालित तोपखाने की सप्लाई भी कर रहा है। जेसीएस ने कहा, उत्तर कोरिया के आत्मघाती ड्रोनों को बनाने और सप्लाई करने की दिशा में आगे बढ़ने के भी कुछ संकेत हैं। पिछले महीने, उत्तर कोरिया के सरकारी मीडिया ने बताया कि किम ने विभिन्न प्रकार के आत्मघाती हमलावर ड्रोनों की टेस्टिंग को देखा था।

उन्होंने इन हथियारों के पूर्ण पैमाने पर उत्पादन की बात कही थी, जो आधुनिक युद्ध में तेजी से महत्वपूर्ण होते जा रहे हैं। जेसीएस के एक अधिकारी ने बताया कि सेना इस बात के संकेत मिलने के बाद कि उत्तर कोरिया ने रूस को युद्धक हथियार मुहैया कराने की मंशा जताई है, हालात पर नजर रख रही है। गौरतलब है कि दक्षिण कोरिया और उसका सहयोगी अमेरिका यह दावा करते रहे हैं कि प्योंगयांग ने हजारों की संख्या में यूक्रेन में सैनिक तैनात किए हैं।

ट्रम्प ने खुलेआम पनामा नहर पर कब्जा करने की दी धमकी

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी पहली बड़ी रैली में पनामा नहर पर नियंत्रण वापस लेने की धमकी दी है। इससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक विवाद खड़ा हो गया।

ट्रंप ने कहा है कि उनका प्रशासन पनामा नहर को दोबारा हासिल करने की कोशिश करेगा। इतना ही नहीं, ट्रंप ने अमरिका के इस फैसले पर ये भी कहा कि पनामा नहर को 'मूर्खतापूर्ण' तरीके से सौंपा गया है। इस टिप्पणी के बाद पनामा के राष्ट्रपति जोस राउल मुलिनो ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए इसे उनके देश की संप्रभुता का अपमान करार दिया है। बतादें कि पनामा नहर अटलांटिक और प्रशांत महासागरों को जोड़ती है। वर्ष 1900 के दशक की शुरुआत में ही अमेरिका ने इसका निर्माण कॉमर्शियल और सैन्य जहाजों के आवागमन को आसान बनाने के लिए किया गया था। साल 1977 में राष्ट्रपति जिमी कार्टर द्वारा हस्ताक्षरित एक संधि के

तहत 1999 में अमेरिका ने इस नहर का नियंत्रण पनामा को सौंप दिया था। यह नहर पनामा की अर्थव्यवस्था का अहम हिस्सा है, लेकिन हाल ही में पड़े सूखे और किराया बढ़ने के कारण यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में रहा था।

पाकिस्तान की सैन्य अदालत के फैसले पर अमेरिका-ब्रिटेन ने उठाया सवाल, इमरान समर्थक 25 प्रदर्शनकारियों को सुनाई है सजा

एजेंसी

वॉशिंगटन। अरसे से सवालों के घेरे में रहे पाकिस्तान की सैन्य अदालत को लेकर अमेरिका और ब्रिटेन ने एकबार फिर सवाल उठाया है। एकदिन पहले पाकिस्तानी सैन्य अदालत ने इमरान खान के 25 समर्थकों को दो-दस साल की सजा सुनाई। इन्हें 2023 में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद हुए प्रदर्शनों के दौरान सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने का आरोपी बनाया गया था।

पाकिस्तान की सैन्य अदालत के सोमवार के फैसले को लेकर अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि वाशिंगटन इसे लेकर बहुत चिंतित है कि 9 मई 2023 को विरोध प्रदर्शनों में शामिल होने के लिए एक सैन्य कोर्ट ने पाकिस्तानी नागरिकों को

सजा सुनाई है। ब्रिटेन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि, सैन्य अदालतों में नागरिकों पर मुकदमा चलाने में पारदर्शिता, स्वतंत्र जांच का अभाव है और यह निष्पक्ष सुनवाई के अधिकार को कमजोर करता है। इस फैसले पर यूरोपीय संघ का भी बयान सामने आया है। यूरोपीय संघ ने कहा कि ये सजाएं नागरिक एवं राजनीतिक अधिकारों से संबंधित अंतरराष्ट्रीय अनुबंध के तहत पाकिस्तान की प्रतिबद्धताओं से मेल नहीं खातीं हैं। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान की अदियाला जेल में बंद इमरान खान के समर्थक 9 मई 2023 को उनकी गिरफ्तारी को लेकर उग्र हो गए थे। गिरफ्तारी का तीखा विरोध करते हुए उनके समर्थकों ने कई सैन्य प्रतिष्ठानों व वाहनों को निशाना बनाया था। इमरान खान की रिहाई को लेकर उनके समर्थक लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। 2022 में प्रधानमंत्री पद से हटाए जाने के बाद से इमरान खान को कई मामलों में आरोपी बनाया गया है। इसके खिलाफ इमरान की पार्टी पीटीआई समर्थक लगातार प्रदर्शन करते रहे हैं।

98 कंगारुओं की मौत के मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी

सिडनी । सिडनी के उत्तर में 98 कंगारुओं के मृत पाए जाने के मामले में एक शख्स को गिरफ्तार किया गया है। उस पर पशु क्रूरता के आरोप लगाए गए हैं। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस ने 8 अक्टूबर को पूर्वी तटीय राज्य न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) में सिडनी से लगभग 140 किलोमीटर उत्तर में सिंग्लटन शहर में कंगारुओं को मृत पाया था। कंगारू संघीय सरकार के स्वामित्व वाली भूमि पर मृत पड़े थे और उनके पास हथियार और दो कारतूस भी पड़े थे। जारी एक बयान में, एनएसडब्ल्यू पुलिस ने कहा कि जांच के बाद 43 वर्षीय एक शख्स पर घटना के संबंध में छह अपराधों के आरोप लगाए गए हैं।शुक्रवार को सिंगलटन से लगभग 70 किलोमीटर पूर्व में विलियमटाउन में एक संपत्ति पर छापेमारी के दौरान आरोपी को गिरफ्तार किया गया। एनएसडब्ल्यू पुलिस ने बताया कि तलाशी वारंट पर कार्रवाई करते समय, अधिकारियों ने तीन हथियार जब्त कर लिया। क्षेत्र में एक दूसरी

संपत्ति से भी कई हथियार जब्त किए गए। आरोपी पर जो आरोप लगाए गए हैं, उनमें प्रमुख हैं - किसी पशु पर घोर क्रूरता का कृत्य करना, राष्ट्रमंडल के निषिद्ध क्षेत्र में हथियार चलाना, राष्ट्रमंडल की भूमि पर अतिक्रमण करना, हथियार को सुरक्षित तरीके से न रखना, संरक्षित पशु को नुकसान पहुंचाना या नुकसान पहुंचाने की कोशिश करना आदि शामिल हैं। आरोपी को सोमवार, 13 जनवरी, 2025 को रेमंड टेरेस लोकल कोर्ट के समक्ष पेश होने के लिए सख्त सशर्त जमानत दी गई। एनएसडब्ल्यू पुलिस ने एक बयान में यह जानकारी दी। कंगारू हर ऑस्ट्रेलियाई राज्य और क्षेत्र में संरक्षित देशी जानवर हैं। एनएसडब्ल्यू में किसी संरक्षित जानवर को नुकसान पहुंचाने का दोषी पाए जाने वाले व्यक्ति को प्रत्येक अपराध के लिए अधिकतम दो साल की कैद की सजा हो सकती है। कंगारू ऑस्ट्रेलिया की पहचानों में एक माना जाता है। कंगारू और एमु ऑस्ट्रेलियाई कोट ऑफ आर्म्स पर अंकित हैं। यह सिक्कों पर भी देखने को मिलते हैं।

नेपाल में हुई पुरातात्विक खुदाई में मिला कोलिया गणराज्य के शहर का अवशेष

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल-भारत की सीमा में रहे भगवान गौतम बुद्ध के जन्मभूमि लुंबिनी के पड़ोसी जिले में पुरातात्विक खुदाई में एक प्राचीन शहर का अवशेष मिला है। पहिया आकार के इस खंडहर के प्राचीन गणराज्य का अवशेष होने की बात कही गई है। लुंबिनी के पड़ोस में रहे नवलपरासी जिले के रामग्राम के पंडितपुर में हुए पुरातात्विक खुदाई के दौरान %पहिया आकार% शहर के खंडहरों के मिलने की जानकारी दी गई है। माना जा रहा है कि यह खंडहर भगवान गौतम बुद्ध के समय रहे प्राचीन राज्य कोलिया गणराज्य के समय की है। नेपाल पुरातत्व विभाग के प्रमुख भास्कर ज्ञवाली ने कहा कि खुदाई के दौरान महत्वपूर्ण कलाकृतियां पाई गईं, जिससे कोलिया गणराज्य के विभिन्न शहरों में हुआ कर्ती थी। इस खुदाई के बारे में जानकारी देने हुए ज्ञवाली ने बताया कि पिछले एक महीने से जारी पुरातात्विक खुदाई में पहियानुमा आकार का प्राचीन शहर के कई अवशेष मिले हैं। उन्होंने बताया कि सन 2018-19 में प्रारंभिक सर्वेक्षण के दौरान इस क्षेत्र में पुरातन महल के अवशेष होने का अनुमान लगाया गया था। आसपास के क्षेत्र को अपने अधीन में लेकर जब पूर्व विभाग

ने खुदाई कि तो वहां मिले अवशेष के आधार पर यह पुष्टि हो गया है कि यह सभी अवशेष कोलिया गणराज्य के हैं।

ज्ञवाली ने बताया कि इस क्षेत्र के सांस्कृतिक इतिहास का अध्ययन करने के लिए एक साइट पर तीन मीटर गहरा गड्ढा खोदा गया था, जिसमें बुद्ध और मौर्य काल के साथ-साथ मुगल काल के मानव बस्तियों के अवशेष भी मिला है। इसके अतिरिक्त, संतरी पोस्ट के अवशेष, मिट्टी के बर्तन के अवशेष, पशु मूर्तियों, गहने और विभिन्न कलाकृतियों के अवशेष मिलने की जानकारी भी दी गई है। इन अवशेषों के मिलने के साथ ही पुरातात्विक स्थल को संरक्षण क्षेत्र घोषित करते हुए पंडितपुर के पूर्व-पश्चिम और उत्तर-दक्षिण के 1,000 वर्गमीटर के दायरे में किसी भी प्रकार के नई संरचनाओं का निर्माण निषेध किया गया है।

पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की तबियत बिगड़ी, अस्पताल में भर्ती

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन (78) को बुखार आने के बाद वाशिंगटन डीसी के मेडस्टार जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया। यह जानकारी उनके डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ एंजेल उरेना ने दी।

उरेना ने सीएनएन को बताया, 'पूर्व राष्ट्रपति क्लिंटन की तबीयत ठीक है।' उन्होंने आगे कहा कि वे अच्छे मूड में हैं और क्रिसमस तक घर लौटने की उम्मीद कर रहे हैं। क्लिंटन वाशिंगटन में अपने आवास पर थे जब उन्हें अस्पताल ले जाने का फैसाल किया गया। पूर्व राष्ट्रपति कथित तौर पर 'होश में हैं और अलर्ट' हैं। डॉक्टर उनकी जांच कर रहे हैं और उनकी स्थिति पर नजर रख रहे हैं। उनकी मेडिकल टीम उनके ठीक होने को लेकर आशावादी है। बिल क्लिंटन जनवरी 1993 से जनवरी 2001 तक अमेरिका के

राष्ट्रपति पद रहे । 42वें राष्ट्रपति के रूप में उन्होंने करीब 25 साल पहले व्हाइट हाउस छोड़ा था। पिछले कुछ वर्षों में वह कई स्वास्थ्य चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। 2004 उनकी क्यूडेरपल बाईपास हार्ट सर्जरी हुई, जबकि 2005 में फेफड़े की सर्जरी हुई। 2010 में उन्हें कोरोनरी स्टेंट लगाए गए और 2021 में गंभीर ब्लड इंफेक्शन के लिए उनका इलाज किया गया। इस दौरान उन्हें लॉस एंजिल्स में छह दिनों के लिए अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। इन शारीरिक परेशानियों के बावजूद, क्लिंटन सार्वजनिक रूप से काफी एक्टिव रहते हैं। उन्होंने इस गर्मी में शिकागो में डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन में भाषण दिया और अपनी पुस्तक ÷सिटीजन- माई लाइफ आफ्टर द व्हाइट हाउस÷ के प्रचार के लिए यात्रा करते हुए काफी समय बिताया।

अगस्त में डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन में बोलते हुए क्लिंटन ने कहा, भले ही मैं 23 साल से अधिक समय से व्हाइट हाउस से दूर हूं, लेकिन एक भी दिन ऐसा नहीं जाता जब मैं भगवान को इस बात के लिए धन्यवाद न दूं कि मुझे सेवा करने का मौका मिला और इसके क्या मायने हैं।

बांग्लादेश में मुक्ति योद्धा का अपमान, जूतों की माला पहनाकर पूरे गांव में घुमाया

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश में एक स्वतंत्रता सेनानी (मुक्ति योद्धा) के साथ शर्मनाक हरकत हुई है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें स्वतंत्रता सेनानी अब्दुल हई कानु को जूतों की माला पहनाकर उनके गांव कुमिल्ला में घुमाया गया। यह घटना यूनुस सरकार के दौरान हुई है, जिसने बांग्लादेश की सांस्कृतिक और सामाजिक स्थिति को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। वायरल वीडियो में दिख रहा है कि अब्दुल हई कानु, जो कुमिल्ला के चौदहग्राम स्थित लुदियारा गांव के निवासी हैं, जूतों की माला पहने हुए हैं। वह अपने घर के पास हाथ जोड़कर खड़े हैं, जबकि उनके सामने बड़ी संख्या में लोग मौजूद हैं। भीड़ उनसे माफी मांगने और गांव छोड़ने

करें लेकिन भीड़ में से कुछ लोग चिल्लाते हैं, क्या हम इतने वर्षों तक अपने घरों में रह सके? इस घटना के बाद से सोशल मीडिया पर बवाल मच गया है। घटना की व्यापक निंदा हो रही है, लेकिन स्वतंत्रता सेनानी और लेकिन अब्दुल हई कानु द्वारा कोई शिकायत दर्ज न कराने के कारण जांच में रुकावट आ रही है। पुलिस का कहना है कि घटना में शामिल लोग स्थानीय नहीं लगते और उनकी पहचान के लिए प्रयास जारी हैं। आरोपितों दोनों का फिलहाल कोई पता नहीं है। स्थानीय पुलिस के अनुसार, इस मामले में जांच शुरू कर दी गई है,

हमास नेता हानिया की हत्या के पीछे इजरायल का हाथ

एजेंसी

मॉस्को। इजरायल के रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज़ ने पहली बार स्वीकार किया है कि तेहरान में फिलिस्तीनी आंदोलन हमास के राजनीतिक नेता इस्माइल हानिया की हत्या के पीछे इजरायल का हाथ था।

'टाइम्स ऑफ इज़राइल' अखबार ने श्री काट्ज़ के हवाले से कहा, हम (हूती) रणनीतिक बुनियादी ढांचे पर हमला करेंगे और उसके नेताओं का सिर काट देंगे। जैसा हमने हमास नेता हानिया, याह्या सिनवार और हिजबुल्लाह प्रमुख हसन नसरल्लाह के साथ तेहरान, गाजा और लेबनान में किया था - हम वैसा ही होदेइदाह और सना के साथ करेंगे।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग, ढाका ने नई दिल्ली को भेजा राजनयिक नोट

एजेंसी

ढाका । बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने भारत सरकार को एक राजनयिक नोट भेजकर, देश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग की है। बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर रहमान की बेटी हसीना को 5 अगस्त को अपना देश छोड़कर भारत में शरण लेनी पड़ी थी। अंतरिम सरकार के विदेश मामलों के सलाहकार तौहीद हुसैन ने सोमवार दोपहर ढाका में कहा, ÷हमने भारत को सूचित किया है और न्यायिक उद्देश्यों के लिए शेख हसीना की वापसी का अनुरोध किया है। यह एक नोट वर्बेल (राजनयिक नोट) के माध्यम से संप्रेषित किया गया है। इससे पहले दिन में देश के गृह मामलों के सलाहकार लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) मोहम्मद जहांगीर आलम चौधरी ने कहा कि उनके मंत्रालय ने भारत से

अपदस्थ प्रधानमंत्री की वापसी के लिए हुसैन के कार्यालय को पत्र लिखा है। देश के प्रमुख बंगाली दैनिक प्रथम आलो ने चौधरी के हवाले से कहा, हमने उसके प्रत्यर्पण के संबंध में विदेश मंत्रालय को पत्र भेजा है। प्रक्रिया अभी चल रही है। उनका हमारे साथ प्रत्यर्पण समझौता है। शेख हसीना की सत्ता के पतन के बाद से बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों और विशेष तौर पर हिंदू समुदाय और उनके धार्मिक स्थलों को निशाना बनाया जाने लगा। मोहम्मद युनूस के नेतृत्व में स्थापित अंतरिम सरकार पर अल्पसंख्यकों को सुरक्षा न दे पाने के आरोप लगते रहे हैं।

भारत ने लगातार हिंदुओं समेत अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ धमकियों और टारगेटेड हमलों के मुद्दे को बांग्लादेश सरकार के सामने मजबूती से उठाया है।

पिछले दिनों विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने अपनी बांग्लादेश यात्रा के दौरान बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ चरमपंथी बयानबाजी और हिंसा की घटनाओं को लेकर पड़ोसी देश के साथ नई दिल्ली की चिंताएं साझा की। शेख हसीना और उनकी पार्टी आवामी लीग अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचारों की कड़े शब्दों में निंदा करती रही है।

उपमुख्यमंत्री ने धानका और लंगेर नौशेरा में जनता दरबार लगाया

नौशेरा 24 दिसंबर। उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने धानका और लंगेर नौशेरा में जनता दरबार लगाया। इस कार्यक्रम में निवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और उपमुख्यमंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया तथा सरकार की पहल के लिए आभार व्यक्त किया।

दरबार के दौरान उपमुख्यमंत्री ने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में समग्र विकास सुनिश्चित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने जनता को आष्वासन दिया कि क्षेत्र के हर गांव और वार्ड तक सड़क संपर्क बढ़ाया जाएगा, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विकास की प्रगति में कोई भी क्षेत्र पीछे नहीं छूटेगा।

अपने संबोधन में सुरिंदर चौधरी ने जनता से सड़कों पर अतिक्रमण न करने की अपील की, उन्होंने बुनियादी ढांचे और सुरक्षा पर इस तरह की प्रथाओं के प्रतिकूल प्रभाव को उजागर किया। उन्होंने सार्वजनिक स्थानों की अखंडता को बनाए रखने में सामुदायिक सहयोग के महत्व पर जोर दिया।

उपमुख्यमंत्री ने उपस्थित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश भी जारी किए, जिसमें उन्हें ग्राम सभाओं से परामर्श के बाद ही मनरेगा की योजनाएँ बनाने का निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा, ‘समुदाय की भागीदारी प्रभावी नियोजन और कार्यान्वयन की आधारशिला है। मनरेगा के तहत सभी विकास योजनाओं में लोगों की ज़रूरतों और आकांक्षाओं को प्रतिबिंबित किया जाना चाहिए।’ सुरिंदर चौधरी ने जनता से मिले जबरदस्त समर्थन को स्वीकार किया और उन्हें प्रशासन के अटूट समर्थन का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा, ‘हमारी सरकार विकास संबंधी अंतराल को पाटने और यह सुनिश्चित करने के लिए समर्पित है कि शासन का लाभ जमीनी स्तर तक पहुँचे।’

उपमुख्यमंत्री ने जनता से शासन और विकास में सक्रिय रूप से भाग लेने तथा सहयोग और जवाबदेही की भावना को बढ़ावा देने का आग्रह करते हुए दरबार का समापन किया।

दरबार के दौरान उपमुख्यमंत्री के साथ अतिरिक्त उपायुक्त नौशेरा बाबू राम टंडन तथा अन्य जिला और क्षेत्रीय अधिकारी भी उपस्थित थे।

राणा ने जम्मू-कश्मीर में जनजातीय कल्याण में तेजी लाने के लिए महत्वपूर्ण प्रस्ताव को मंजूरी दी

जम्मू 24 दिसंबर। जनजातीय समुदायों को सशक्त बनाने और समावेशी विकास सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, जल शक्ति, वन, पारिस्थितिकी और पर्यावरण और जनजातीय मामलों के मंत्री जावेद अहमद राणा ने विभिन्न जनजातीय कल्याण योजनाओं के तहत जम्मू और कश्मीर में नई अधिसूचित जनजातियों को शामिल करने के लिए एक महत्वपूर्ण विभागीय प्रस्ताव को मंजूरी दी है।

मंत्री ने जनजातीय मामलों के विभाग के सचिव प्रसन्ना रामास्वामी जी और जनजातीय मामलों के निदेशक, जम्मू और कश्मीर, गुलाम रसूल और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से जम्मू और कश्मीर में जनजातीय आबादी के सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण के लिए पहलों में तेजी लाने पर ध्यान केंद्रित करने को कहा।

मंत्री ने आदिवासी बहुल गांवों में जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने के उद्देश्य से एक प्रमुख आदिवासी विकास कार्यक्रम, धरती आबा मिशन के विस्तार को मंजूरी दी। जनजातीय मामलों के मंत्रालय को प्रस्तुत किए जा रहे प्रस्ताव के तहत, मिशन जम्मू-कश्मीर में अधिसूचित 20 जिलों, 112 ब्लॉकों और 393 गांवों को कवर करेगा।

इसके अतिरिक्त, 676 नए गांवों और बारामुला और कुपवाड़ा सहित आकांक्षी जिलों के 204 गांवों को शामिल करने के लिए पहचाना गया है, जिससे मिशन के तहत कुल आदिवासी गांवों की संख्या 880 हो गई है। धरती आबा मिशन बुनियादी ढांचे, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और आजीविका विकास में हस्तक्षेप को प्राथमिकता देगा। मंत्री ने कल्याणकारी योजनाओं के तहत नव मान्यता प्राप्त आदिवासी समुदायों को शामिल करने पर जोर दिया।

जम्मू और कश्मीर अनुसूचित जनजाति आदेश, 2024 में हाल ही में किए गए संशोधन के साथ, पहाड़ी जातीय जनजाति, गड्डा ब्राह्मण, कोली और पाड्डरी जैसे समुदायों को अनुसूचित जनजाति सूची में जोड़ा गया है, जिससे जम्मू और कश्मीर की आदिवासी आबादी दोगुनी हो गई है। इन नई मान्यता प्राप्त जनजातियों को शिक्षा के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए प्री-मैट्रिक और पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति और आजीविका विकास के लिए धरती आबा योजना जैसे प्रमुख कार्यक्रमों से तुरंत लाभ मिलेगा।

इसके अतिरिक्त, प्रधानमंत्री आदि आदर्श ग्राम योजना को आदिवासी गांवों तक बढ़ाया जाएगा, जिसमें बुनियादी सुविधाओं और सामाजिक-आर्थिक संकेतकों में सुधार पर जोर देते हुए समग्र विकास पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। आदिवासी समुदायों की विशिष्ट चुनौतियों और जरूरतों की पहचान करने के लिए एक विस्तृत सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण भी पाइपलाइन में है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हस्तक्षेप लक्षित और प्रभावी हों।

आदिवासी अर्थव्यवस्था को और मजबूत करने के लिए वन धन विकास केंद्र जैसी स्वरोजगार योजनाओं को प्राथमिकता दी जा रही है। इन पहलों के तहत, आदिवासी कारीगरों और उद्यमियों को अपने स्वदेशी शिल्प और उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता और बाजार संपर्क प्राप्त होंगे।

जनजातीय मामलों के विभाग ने जनजातीय गांवों के कवरेज का विस्तार करने के लिए एक व्यापक प्रस्ताव तैयार किया है, जिसमें उन्हें विशिष्ट मानदंडों के आधार पर चुना गया है, जैसे कि न्यूनतम 500 लोगों की आबादी और कम से कम 50 प्रतिशत अनुसूचित जनजातियों से संबंधित होना। उदाहरण के लिए, बारामुला जिले में 54 आकांक्षी जिले के गांवों के साथ 43 नए गांव शामिल किए जाएंगे, जबकि कुपवाड़ा में 50 नए गांव और 150 आकांक्षी जिले के गांव शामिल किए जाएंगे, जिससे वे जनजातीय-केंद्रित क्षेत्रों के लिए प्रमुख केंद्र बन जाएंगे।

सभी जनजातीय कल्याण योजनाओं को उनके इच्छित लाभार्थियों तक पहुँचाने के लिए सरकार की मंशा को रेखांकित करते हुए, मंत्री ने जनजातीय मामलों के निदेशक को जनजातीय नेताओं, गैर सरकारी संगठनों और स्थानीय निकायों के सहयोग से जागरूकता अभियानों की एक श्रृंखला शुरू करने की योजना बनाने का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि ये अभियान समुदायों को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के तहत उनके अधिकारों के बारे में शिक्षित करेंगे। जनजातीय कल्याण योजनाओं के कार्यान्वयन की देखरेख के लिए एक मजबूत निगरानी तंत्र के महत्व पर जोर देते हुए, राणा ने पारदर्शिता, जवाबदेही और लाभों के समय पर वितरण को सुनिश्चित करने के लिए नियमित समीक्षा के निर्देश दिए।

जनजातीय समुदायों में महिलाओं और युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानते हुए, मंत्री ने कौशल विकास केंद्रों और स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से आदिवासी महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए धरती आबा मिशन के तहत विशेष पहल शुरू करने की घोषणा की। युवा पीढ़ी के बीच नेतृत्व और शैक्षिक विकास को बढ़ावा देने के लिए कैरियर परामर्श सत्र, खेल कार्यक्रम और प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए प्रशिक्षण सहित आदिवासी युवाओं के लिए समर्पित कार्यक्रम भी शुरू किए जाएंगे।

क्रिसमस ट्री ‘देवदार’: देवदार के पेड़ के फायदे व उपयोग

क्रिसमस डे ईसाई धर्म के लोगों को लिए बहुत बड़ा दिन होता है. इस दिन को ईसा मसीह (यीशु) के जन्मदिन के तौर पर मनाया जाता है. इस दिन लोग चर्च में प्रार्थना करने के लिए जाते हैं. वहीं इस दिन को लोग धूमधाम और उत्साह से सेलिब्रेट करते हैं. सांता क्लॉस और क्रिसमस ट्री इस दिन का अहम हिस्सा माने जाते हैं. क्रिसमस के दिन सांता क्लॉज बच्चों को गिफ्ट देते हैं. क्रिसमस के दिन पर लोग एक साथ मिलकर पार्टी करते हैं, साथ ही लोग अपने घर को भी सजाते हैं.

घर को सजाने के लिए लोग क्रिसमस ट्री लगाते हैं और इसे गिफ्ट, बेल्ट्स, लाइट्स और कॉटन की स्नो बनाकर उसकी बहुत अच्छे से सजावट करते हैं. साथ ही सांता क्लॉस और क्रिसमस ट्री के स्टिकर लगाते हैं और कई तरह से सजावट करते हैं. लेकिन इन सभी में सबसे जरूरी क्रिसमस ट्री होता है. ऑफिस, स्कूल और शॉपिंग मॉल में भी क्रिसमस ट्री लगाकर डेकोरेट किया जाता है.

आपने देखा होगा कि ज्यादातर सभी जगहों पर नकली यानी की आर्टिफिसयल क्रिसमस ट्री लगाए जाते हैं. ऐसे में बहुत से लोगों को मन में इस ट्री के बारे में जानने की इच्छा होती है. आज हम आपको क्रिसमस ट्री से जुड़ी खास बातें बताएंगे, ये पेड़ कौन सा होता है और कहां पर उगता है.

क्रिसमस ट्री

असली क्रिसमस का पेड़ ‘फिर प्रजाति का होता है, जो मुख्य रूप से ठंडा और शीतोष्ण क्षेत्रों यानी की जहां मौसम न तो बहुत गर्म हो और न ही बहुत ठंडा इस जगह में उगता है. इसे क्रिसमस ट्री या फिर ट्री के नाम से जाना जाता है. क्रिसमस को हिंदी में सनोबर का पेड़ कहा जाता है. ये पेड़ कई तरह के होते हैं जिसमें से डगलस फिर (Fir), वर्जीनिया पाइन, फेजर फर, बालसम फर, सफेद स्प्रूस, कोलोराडो स्प्रूसऔर नॉर्वे स्प्रूस काफी प्रसिद्ध हैं. ‘नॉर्वेजियन फिर (Fir)’, ‘ब्लू स्प्रूस’, और ‘बालसम फिर द्धद्धह्न’ ये क्रिसमस के अवसर पर सजावट के लिए सबसे ज्यादा उपयोग किए जाते हैं.

कहां पाए जाते हैं?

क्रिसमस ट्री के लिए स्प्रूस, पाइन और देवदार जैसे सदाबहार पेड़ों का उपयोग किया जाता है. ठंडे इलाकों में ये पेड़ पाए जाते हैं. ये पेड़ हिमालय क्षेत्रों में ज्यादा पाए जाते हैं. हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर में देवदार के सदाबहार पेड़ पाए जाते हैं. शिमला, डलहौजी, देहरादून में चकराता में भी पाए जाते हैं.इसके अलावा कनाडा और संयुक्त राज्य अमेरिका जैसी ठंडी जगहों में बालसम फिर और अन्य प्रकार के फिर के पेड़ उगते हैं.

आज विज्ञान की प्रगति के साथ ही बहुत से लोग औषधीय लाभ वाली जड़ी-बूटियों और अन्य जड़ी-बूटियों और औषधियों का सेवन करके अच्छा स्वास्थ्य बनाए रखते हैं। आयुर्वेद, वैकल्पिक पारंपरिक चिकित्सा की एक प्राचीन प्रथा, हमें घरेलू उपचार और प्राकृतिक पूरक प्रदान करती है, चाहे हम इसे जानते हों या नहीं, औषधीय गुणों से भरपूर होते हैं।

परिचय

एक ऐसा अद्भुत पौधा जिसके कई फायदे हैं और जिसका उल्लेख कई आयुर्वेदिक ग्रंथों और शास्त्रों में अक्सर किया जाता है, वह है देवदार का पेड़।

देवदार का पेड़

देवदार, जिसे भगवान की लकड़ी के रूप में जाना जाता है, अपने कई औषधीय, धार्मिक और व्यावसायिक उपयोगों के लिए मूल्यवान है। पेड़ मुख्य रूप से भारतीय उपमहाद्वीप का मूल निवासी है और पश्चिमी हिमालय में भी वितरित किया जाता है, जिसमें पाकिस्तान, नेपाल और अफगानिस्तान शामिल हैं।

भारत में यह घना पेड़ हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम और दार्जिलिंग में उगता है। यह फसल विदेशों में अर्जेंटीना, चीन, फ्रांस, जर्मनी, कनाडा, इटली, स्पेन में उगाई जाती है। बीजों से पौधों को उगाकर वनों में रोपा जाता है। अफ्रीका में कलमों से भी उगाया जाता है।

देवदार सदाबहार किस्म का एक लंबा शंकुधारी वृक्ष है जो 130 फीट से 165 फीट ऊंचाई तक बढ़ता है और आमतौर पर समुद्र तल से 5,000 फीट से 10,500 फीट तक बढ़ता है। इसमें लंबी, सुई जैसी पत्तियां और एक लंबा, सीधा तना होता है जो छोटे अंकुरों की घनी चटाई बनाता है।

पौधे में नर और मादा दोनों तरह के फूल लगते हैं, जहां नर फूल एकान्त और सीधे, हल्के हरे से पीले हरे-बैंगनी रंग के होते हैं, जबकि मादा फूल हल्के हरे रंग के होते हैं। यह मुख्य रूप से सर्दियों में उगता है और सितंबर और अक्टूबर में फूल आता है। पौधे को अच्छी तरह से सूखा मिट्टी और भरपूर धूप के साथ कमरे में बढ़ने की जरूरत है।

प्राचीन समय में, जंगलों को ऋषियों द्वारा ध्यान का अभ्यास करने और हिंदू भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए पवित्र माना जाता था। वैदिक काल के दौरान, देवदार के जंगल की सुगंधित लकड़ी का उपयोग विभिन्न मंदिरों के निर्माण और धूप बनाने के लिए किया जाता था। प्राचीन काल में यह भी माना जाता था कि देवदार के पेड़ की छाया के नीचे बैठने से दमा और कई अन्य बीमारियां ठीक हो जाती हैं।

देवदार की लकड़ी लगभग 2.1ल्न तेल पैदा करता है और इसमें मुख्य रूप से सेस्क्यूटरपीन हाइड्रोकार्बन ए-हिमाचलिन 6-7ल्न, पी-हिमाचलिन और ओ-हिमाचलिन, साथ ही 2 पी-मिथाइल एसिटोफेनोन, पी-मिथाइल 3 - शामिल हैं। इसमें हाइड्रोकार्बन और फ्लेवोनोइड्स भी होते हैं।

जीवाणुनाशक, एनाल्जेसिक, विरोधी भड़काऊ, एंटीऑक्सिडेंट, कसैले, अल्सर, पाचन, कफ-निस्पंदक, लिपिड-लोअरिंग, हेपेटोप्रोटेक्टिव, मूत्रवर्धक और डायफोरेटिक गुणों को प्रदर्शित करने वाले बायोएक्टिव घटकों के साथ, देवदार कई बीमारियों के इलाज में उपयोगी है। सर्दी, दमा, बुखार, पुराने ऑस्टियोआर्थराइटिस, मोटापा, आंख और पेट की समस्याओं, त्वचा के संक्रमण और अन्य घावों और जलन में उपयोगी।

शक्तिशाली एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-अस्थमा गुणों से भरपूर, सीडरवुड श्वसन संबंधी कई समस्याओं के इलाज में बहुत महत्वपूर्ण है। यह व्यापक रूप से सामान्य सर्दी, गले में खराश, खांसी और बुखार के लक्षणों के इलाज के लिए उपयोग किया जाता है।

इसके कसैले और शीतलन गुणों के कारण, इसका उपयोग मूत्र संबंधी विकारों जैसे मूत्र असंयम, पेशाब के दौरान दर्द, डिसुरिया, पेशाब के दौरान जलन के इलाज के लिए किया जाता है और इस प्रकार यह गुर्दे की पुरानी बीमारी को रोकता है।

देवदार का तेल तनाव को कम करने और बेचैनी, बेचैनी, ठंडे हाथ और पैर आदि जैसे चिंता लक्षणों से राहत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

देवदार में फ्लेवोनोइड्स की प्रचुरता शरीर के अतिरिक्त वजन को जल्दी कम करने में मदद करती है। फाइबर की उपस्थिति और इसके मोटापा-रोधी प्रभाव के कारण, जब रोजाना सेवन किया जाता है, तो पाइन नट्स भूख की भावना को कम करते हैं और अधिक खाने से रोकते हैं और इस प्रकार वजन घटाने में योगदान कर सकते हैं।

देवदार गठिया और जोड़ों के दर्द के रूप में दर्द और सूजन के लिए एक व्यापक उपचार प्रदान करता है। इसका उपयोग दर्दनाक मांसपेशियों में ऐंठन, मांसपेशियों में दर्द, आमवाती स्थितियों और अन्य सूजन संबंधी स्थितियों के इलाज के लिए भी किया जाता है।

अपने पाचन गुणों के कारण, देवदार सभी पाचन विकारों के लिए उत्कृष्ट उपचार प्रदान करता है। पेट फूलना, कब्ज और सूजन को कम करता है। जड़ी बूटी की एंटासिड संपत्ति पेट में एसिड के अतिरिक्त उत्पादन को रोकती है, जो अपच, अल्सर, गैस्ट्रिटिस का इलाज करती है और शरीर में पोषक तत्वों के बेहतर अवशोषण को बढ़ावा देती है।

देवदार पेड़ मस्तिष्क के कार्य में सुधार के लिए एक प्राचीन और पारंपरिक उपाय है। छाल में मौजूद शक्तिशाली एंटीऑक्सिडेंट मानव स्मृति, ध्यान, एकाग्रता, शांति और सतर्कता में सुधार करते हैं। मिर्गी, स्मृति हानि, तनाव, चिंता, अवसाद, अल्जाइमर और अन्य न्यूरोडीजेनेरेटिव विकारों के इलाज में मदद करता है।

देवदार में मौजूद कई एंटीऑक्सिडेंट और रोगाणुरोधी गुण त्वचा के संक्रमण जैसे मुंहासे, मस्से, फोड़े, सोरायसिस, खुजली, एक्जिमा, फोड़े, चकत्ते आदि के इलाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

देवदार के तेल के एंटीऑक्सीडेंट और रोगाणुरोधी गुण बालों की सभी प्रकार की समस्याओं के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं। पाइन छाल के तेल का नियमित उपयोग बालों की बनावट में सुधार करता है, चमक जोड़ता है और बालों के विकास को बढ़ावा देता है। तनाव को प्रभावी ढंग से कम करके, यह बालों के झड़ने और बालों के समय से पहले सफेद होने को रोकता है।

देवदार एक ऐसा अद्भुत पौधा है जो जड़ों से लेकर पत्तियों तक कई उपयोग करता है। चीड़ के फलों का उपयोग क्रिसमस के समय सजावट के लिए किया जाता है। देवदार की लकड़ी अपने सड़ांध प्रतिरोधी गुणों, स्थायित्व और सुंदर उपस्थिति के कारण निर्माण सामग्री के रूप में उच्च मांग में है। लकड़ी का उपयोग मंदिरों, बोथहाउस, नहरों, सार्वजनिक भवनों, पुलों, बैरकों और रेलवे वाहनों के निर्माण के लिए भी किया जाता है।

देवदार का प्रतिकूल प्रभावयह शरीर में कफ दोष और वात दोष के बढ़े हुए स्तर को सामान्य करने में अत्यधिक प्रभावी है। हालांकि, गोलियों, काढ़े, तेल या पाउडर के रूप में, वे आमतौर पर गर्भवती और स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए अनुशंसित खुराक में सुरक्षित होते हैं, लेकिन उपयोग करने से पहले एक पंजीकृत चिकित्सक या आयुर्वेदिक चिकित्सक से परामर्श किया जाना चाहिए।

प्राचीन काल से, पवित्र देवदार का व्यापक रूप से इसके औषधीय और व्यावसायिक उपयोगों के लिए उपयोग किया जाता रहा है। अपने आवश्यक जैव सक्रिय अवयवों और चिकित्सीय गुणों के कारण, यह श्वसन संबंधी समस्याओं जैसे खांसी और सर्दी, गले में खराश, दस्त, गठिया, अपच, फ्लू और बुखार की स्थिति में सुधार, त्वचा की समस्याओं को कम करने आदि में मदद करता है।

इस लेख में दी गई जानकारी केवल आपकी जानकारी के लिए है। पाठकों को कोई भी उपचार लेने से पहले अपने चिकित्सक से परामर्श करना चाहिए।

सकीना इत्तू ने एसकेआईसीसी में एसईडी के ‘प्रगाश जम्मू और कश्मीर में नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र का पोषण’ कार्यक्रम को संबोधित किया

श्रीनगर 24 दिसंबर। स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा, समाज कल्याण और शिक्षा मंत्री सकीना इत्तू ने आर्थिक रूप से विकसित जम्मू और कश्मीर की आकांक्षा रखने के लिए छात्रों में रचनात्मकता और नवीन मानसिकता को पोषित करने के महत्वपूर्ण महत्व पर जोर दिया।

मंत्री ने शेर-ए-कश्मीर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र में स्कूल शिक्षा विभाग के ‘प्रगाश-जम्मू और कश्मीर में नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र का पोषण’ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात की।

यह कार्यक्रम एसईडी. द्वारा नीति आयोग, यूनिसेफ और पी-जैम फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित किया गया था, जिसका उद्देश्य जम्मू और कश्मीर में एक समृद्ध नवाचार संस्कृति को बढ़ावा देना और छात्रों और तकनीक के प्रति उत्साही लोगों के लिए एक अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र बनाना था।

प्रधानाचार्यों, मुख्य शिक्षा अधिकारियों, व्याख्याताओं, मुख्य अध्यापकों, शिक्षकों और युवा दिमागों की बड़ी सभा को संबोधित करते हुए, सकीना इत्तू ने जम्मू और कश्मीर के सामाजिक-आर्थिक ताने-बाने में परिवर्तनकारी बदलाव लाने के लिए युवा स्कूल जाने वाले बच्चों की रचनात्मकता और मानसिकता को पोषित करने के महत्वपूर्ण महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, शिक्षा की प्रणाली बदल रही है और बंद दरवाजों के पीछे ज्ञान प्राप्त करने के दिन चले गए हैं।

युवा, होनहार स्कूल जाने वाले बच्चे अब नियमित कक्षा गतिविधियों के अलावा नवाचारों और व्यावहारिक गतिविधियों में अधिक रुचि रखते हैं। मंत्री ने कहा कि सरकारी स्कूलों में शिक्षा का स्तर अब बदल रहा है और आजकल किसी भी निजी स्कूल के बराबर है।

आंकड़े स्पष्ट हैं कि सरकारी स्कूलों ने पर्याप्त संख्या में छात्रों को तैयार किया है, जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर अपने अभिनव उत्पादों का प्रदर्शन किया है। प्रगाश के दौरान प्रदर्शित अभिनव उत्पादों के लिए जम्मू-कश्मीर के छात्रों की सराहना करते हुए, मंत्री ने कहा कि युवा दिमाग के ये उत्पाद हमारे समाज के विभिन्न क्षेत्रों जैसे कृषि, बागवानी, स्वास्थ्य सेवा से संबंधित हैं और हमें उन्हें पोषित करने की आवश्यकता है ताकि उन्हें वास्तविकता में बदला जा सके।

उन्होंने स्कूली शिक्षा विभाग, सलाहकारों और अन्य हितधारकों से इन युवा दिमागों को उनके उत्पादों को सार्वजनिक उपयोग के लिए सफल वस्तुओं में बदलने के लिए मार्गदर्शन करने का आह्वान किया।

मंत्री ने शिक्षा विभाग और अन्य संबंधित हितधारकों से नियमित आधार पर ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने पर भी जोर दिया ताकि हमारे युवा दिमाग में नवाचार की चिंगारी लगातार जलती रहे। इस अवसर पर बोलते हुए, एसईडी के प्रमुख सचिव सुरेश कुमार गुप्ता ने कहा कि विभाग स्कूली बच्चों को उनकी प्रतिभा को निखारने और उनकी छिपी क्षमताओं को प्रदर्शित करने के लिए ऐसे मंच प्रदान करने के लिए समर्पित है।

सभा को संबोधित करते हुए अटल इनोवेशन मिशन के मिशन निदेशक चिंतन वैष्णव ने कहा कि जम्मू-कश्मीर नवाचारों के मामले में राष्ट्र का नेतृत्व कर रहा है। उन्होंने सभा को बताया कि राष्ट्रीय औसत 3.18 प्रतिषत के मुकाबले 36.33 प्रतिषत पात्र स्कूलों ने एटीएल मैराथन में भाग लिया।

अपने संबोधन में कश्मीर स्कूल शिक्षा निदेशक डॉ. जी.एन. इत्तू ने स्कूल स्तर से नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए विभाग की विभिन्न पहलों को रेखांकित किया।

कार्यक्रम के दौरान मंत्री ने कार्यक्रम के विभिन्न पहलुओं में उल्लेखनीय प्रदर्शन करने वाले छात्रों को सम्मानित किया। उन्होंने शिक्षकों और अन्य हितधारकों को भी सम्मानित किया।

इससे पहले, मंत्री ने जम्मू-कश्मीर के 100 से अधिक स्कूलों के अभिनव उत्पादों को प्रदर्शित करने वाले स्टॉलों का भी दौरा किया। उन्होंने छात्रों से बातचीत की और उन्हें अपने उत्पादों को सफल वस्तुओं में बदलने के लिए सहायता का आश्वासन दिया।

उपमुख्यमंत्री ने नौशेरा में विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की

नौशेरा 24 दिसंबर। उपमुख्यमंत्री ने डाक बंगला नौशेरा में लोक निर्माण विभाग, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना और सड़क एवं भवन को शामिल करते हुए निर्माण विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की, जिसका उद्देश्य क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की प्रगति का मूल्यांकन करना और अभी तक शुरू नहीं की गई परियोजनाओं की स्थिति की समीक्षा करना था।

उपमुख्यमंत्री ने प्रगति पर चल रहे कार्यों का विस्तृत ब्यौरा लिया और परियोजना निष्पादन के सभी चरणों में उच्च गुणवत्ता मानकों को बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया। बुनियादी ढांचे के विकास के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने अधिकारियों को समय सीमा का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने और परियोजनाओं को समय पर पूरा करने में आने वाली किसी भी बाधा को दूर करने का निर्देश दिया।

पीडब्ल्यूडी, पीएमजीएसवाई और आरएंडबी के तहत प्रमुख परियोजनाओं पर चर्चा हुई, जिसमें सड़क संपर्क, मौजूदा बुनियादी ढांचे के रखरखाव और नई परियोजनाओं के निष्पादन पर ध्यान केंद्रित किया गया।

उपमुख्यमंत्री ने कुछ कार्यों में देरी पर चिंता व्यक्त की और सावधानीपूर्वक योजना और क्रियान्वयन के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को लंबित परियोजनाओं की प्राथमिकता सूची तैयार करने और उनकी शीघ्र शुरुआत करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा, गुणवत्ता से किसी भी कीमत पर समझौता नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि ये परियोजनाएं क्षेत्र के समग्र विकास और लोगों की भलाई के लिए महत्वपूर्ण हैं।

बैठक के दौरान अधिकारियों ने विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति पर अद्यतन जानकारी दी तथा चुनौतियों पर प्रकाश डाला, जिनमें वित्त पोषण संबंधी बाधाएं, भूमि अधिग्रहण संबंधी मुद्दे तथा तकनीकी कठिनाइयां शामिल हैं। उपमुख्यमंत्री ने उन्हें इन चुनौतियों से निपटने तथा सुचारू क्रियान्वयन में सरकार के पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

अपने समापन भाषण में उपमुख्यमंत्री ने पारदर्शिता तथा जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए सभी चल रहे कार्यों की नियमित निगरानी तथा मूल्यांकन का आह्वान किया। उन्होंने अधिकारियों से स्थानीय समुदायों तथा हितधारकों को विकास प्रक्रिया में शामिल करने का भी आग्रह किया, ताकि निवासियों में स्वामित्व तथा जिम्मेदारी की भावना पैदा हो।

मुख्य अभियंता अनिल कुमार पंडोई, कार्यकारी अभियंताओं तथा निर्माण विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक में शामिल हुए।